WEDNESDAY » साधन पथ प्रदर्शक हैं गुरु, किन्तु साध्य नहीं 6 » सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं 9 » मुख्यमंत्री ने धौलपुर को 177 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी 11

दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.05 | सूर्यास्त 6.20 | अधिकतम 29° | न्यूनतम 27°

वर्ष 19, अंक 35 पृष्ठ 12
कोलकाता, बुधवार, 29 जुलाई 2026
आषाढ़, शुक्लपक्ष, पूर्णिमा, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com

गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुरू कीं चार नई टोल-फ्री हेल्पलाइन

अपराध पर सख्ती और पुलिस कल्याण के लिए कई बड़ी घोषणाएं

कोलकाताः राज्य सरकार ने आम नागरिकों के लिए अपराधों की सीधे शिकायत दर्ज कराने हेतु चार नई टोल-फ्री हेल्पलाइन शुरू की हैं. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को भवानी भवन में आयोजित राज्य पुलिस के एक कार्यक्रम में इन हेल्पलाइन का शुभारंभ करते हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई और पुलिस को कानून का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने पुलिसकर्मियों के वेतन, भत्तों, भर्ती और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं.
मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध के मामलों में पुलिस बिना किसी दबाव के कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई करे. उन्होंने कहा, माताओं, बहनों और बेटियों पर अत्याचार के मामलों में कानून के अनुसार जो भी आवश्यक हो, वह करें, मैं आपके साथ हूं. हाल ही में बारुईपुर में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने राज्य पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की और कहा कि अपराध के प्रति सख्त रवैया जनता का भरोसा मजबूत करेगा.
इन हेल्पलाइन पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक शिकायतें दर्ज कराई जा सकेंगी. शिकायतों की निगरानी के लिए नवन्ना में अलग नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति व्यक्तिगत दुश्मनी या झूठी शिकायत के लिए इस व्यवस्था का दुरुपयोग करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.मुख्यमंत्री ने पुलिस बल की लंबित मांगों को पूरा करने का भरोसा देते पेज 9 पर जारी

राज्य सरकार के कर्मचारियों को दुर्गापूजा से पहले मिलेगा 20 प्रतिशत महंगाई भत्ता

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को दुर्गा पूजा से पहले 20 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता (डीए) और अक्टूबर महीने का वेतन जारी किया जाएगा. अधिकारी ने कहा कि वह केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों के बीच महंगाई भत्ते (डीए) के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. उन्होंने यह भी कहा कि कुछ दिन पहले गठित सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जाएगा.
पेज 9 पर जारी

नीट के टॉप 100 छात्रों का सम्मान

बंगाल में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बड़े निवेश का ऐलान

कोलकाता : राज्य में नई भाजपा सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए भविष्य की स्वास्थ्य नीति की रूपरेखा पेश की. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नबान्न सभागार में आयोजित कार्यक्रम में नीट परीक्षा के राज्य के शीर्ष 100 मेधावी छात्रों को फूल, मिठाई और लैपटॉप देकर सम्मानित किया तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े निवेश की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता के वास्तविक आधार उनके माता-पिता और शिक्षक हैं. उन्होंने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का उल्लेख करते हुए युवा डॉक्टरों से समाज सेवा के लिए समर्पित रहने का आह्वान किया और भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उन्हें बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराएगी. उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित करेगी जिससे राज्य के प्रतिभाशाली डॉक्टर पढ़ाई पूरी करने के बाद दूसरे राज्यों में जाने के बजाय पश्चिम बंगाल में ही सेवाएं देना पसंद करें. साथ ही उन्होंने डॉक्टरों से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की अपील की.
मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य आयुष्मान भारत योजना में शामिल हो चुका है और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य केंद्रों के आधुनिकीकरण का कार्य जारी है. सरकार ने घोषणा की कि कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार, पश्चिम बर्दवान और दक्षिण दिनाजपुर में चार नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे. उत्तर बंगाल में एक और एम्स स्थापित करने की पहल की गई है. राज्य में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाई जाएगी. जिला अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आधुनिक स्कैन, एमआरआई, डायलिसिस यूनिट और ऑपरेशन थिएटर जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा. एसएसकेएम पेज 9 पर जारी

नीट आंदोलन : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा

बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले छात्रों को रिहा करें

नई दिल्लीः नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर हुए छात्र प्रदर्शनों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रदर्शनकारियों को बड़ी राहत दी है. सर्वोच्च अदालत ने कहा कि जिन प्रदर्शनकारियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उनके खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए. साथ ही ऐसे लोगों की रिहाई सुनिश्चित की जाए. सुप्रीम कोर्ट ने 18 साल से कम उम्र के छात्रों को भी रिहा करने का निर्देश दिए हैं. हालांकि इसमें आपराधिक रिकॉर्ड वाले शामिल नहीं है.
कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों के डिजिटल डेटा को सुरक्षित रखने और सार्वजनिक न करने को कहा है.सुप्रीम कोर्ट ने छात्र प्रदर्शनों में पुलिस कार्रवाई के आरोपों पर कहा कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन एक अभिन्न हिस्सा है. अदालत ने देशभर में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई घटनाओं की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की आवश्यकता पर जोर दिया. कोर्ट ने कहा कि अगर किसी भी पक्ष की ओर से अतिरिक्त बल प्रयोग या नियमों का उल्लंघन हुआ है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए.
भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की बेंच 20 जुलाई को देशभर में हुए प्रदर्शन में पुलिस की कथित बर्बरता से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रही थी. पीठ ने उन याचिकाओं पर भी सुनवाई की, जो आंदोलन के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों और मीडिया कर्मियों की ओर से दायर की गई हैं.सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा है. उन्होंने कहा कि केवल प्रदर्शन होने के आधार पर पुलिस बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया जा सकता. पीठ ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा, छात्रों पर कथित पुलिस अत्याचार, गंभीर चोट, पैलेट गन से लगी चोट, महिलाओं, वकीलों और मीडिया कर्मियों से मारपीट जैसे आरोपों की जांच होनी चाहिए.
कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रथम दृष्टया रिहा किया जाए. साथ ही कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि प्रदर्शनकारियों से जुड़े डिजिटल डेटा को सुरक्षित रखा जाए और उसे सार्वजनिक न किया जाए.सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि वह सभी घटनाओं की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए एसआईटी गठित करने पर विचार कर सकता है. इसके अलावा दिल्ली समेत अन्य राज्यों में हुई घटनाओं की जांच के लिए हाई पावर

स्वतंत्र जांच की जरूरत दिखाई देती है.सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया कि प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए 18 साल से कम उम्र के उन सभी छात्रों को तुरंत रिहा किया जाए, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है. हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने अदालत का ध्यान इस ओर दिलाया कि हिरासत में लिए गए कुछ छात्र 19 और 20 वर्ष की आयु के भी हैं. इस पर अदालत ने अपना निर्देश स्पष्ट करते हुए कहा कि जिन भी छात्रों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उन्हें उनकी आयु की परवाह किए बिना कमेटी बनाने के संकेत भी दिए गए.
इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने सवाल उठाया, 'इन आरोपों की स्वतंत्र जांच क्यों नहीं होनी चाहिए?'कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच में करीब 250 पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों की भी पड़ताल होनी चाहिए. यह पता लगाया जाएगा कि ये घटनाएं प्रदर्शनकारी छात्रों ने कीं या फिर किसी बाहरी उपद्रवी तत्व ने आंदोलन में घुसकर हिंसा की. पीठ ने कहा कि कई बार शांतिपूर्ण प्रदर्शन में भी असामाजिक तत्व शामिल होकर माहौल खराब कर सकते हैं, इसलिए सभी पहलुओं की जांच जरूरी है.

भारत की पाकिस्तान को दो टूक

खारिज किए पीओजेके के चुनाव

कहा- यह अवैध कब्जे को छिपाने की कोशिश

नई दिल्लीः पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कराए जा रहे तथाकथित विधानसभा चुनावों पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने इन चुनावों से जुड़ी खबरें देखी हैं और यह पूरी कवायद पाकिस्तान के अवैध कब्जे को वैध दिखाने की कोशिश है.
रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में कराए जा रहे तथाकथित विधानसभा चुनावों से जुड़ी खबरें देखी हैं. जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश, जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जो इस समय पाकिस्तान के अवैध और जबरन कब्जे में हैं, भारत के अभिन्न अंग हैं.
विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, यह मौजूदा दिखावटी चुनावी प्रक्रिया पाकिस्तान के अवैध कब्जे पर पर्दा डालने और क्षेत्र में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघनों को छिपाने की एक कोशिश मात्र है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शन वहां के लोगों के आर्थिक शोषण, उनके मौलिक अधिकारों से वंचित किए जाने और प्रशासनिक दमन का सीधा परिणाम हैं.भारत-चीन सीमा व्यापार पर

रणधीर जायसवाल ने कहा, अगस्त 2025 में, दोनों पक्षों ने तीन निर्दिष्ट व्यापारिक बिंदुओं, यानी लिपुलेख दर्रा, शिपकी ला दर्रा और नाथू ला दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी. उन्होंने बताया, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 27 से 28 जुलाई तक चीन की आधिकारिक यात्रा की.
उन्होंने बीजिंग में अपने आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के अंतर्राष्ट्रीय विभाग की उप मंत्री सुन हैयान से मुलाकात के साथ की. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पाकिस्तान के युवाओं द्वारा भारत में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में आई रिपोर्टों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. कहा कि भारत इस बात से भली-भांति अवगत है कि पाकिस्तान दशकों से भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है. जयसवाल ने जोर देकर कहा कि भारत के लोग, जिनमें जेन जी भी शामिल है, पाकिस्तान से अपने राज्य-प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं. उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके समकक्ष इस पर गंभीरता से ध्यान दे रहे हैं..प्रवक्ता जायसवाल ने बताया, उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के लिए दोनों नेताओं के मार्गदर्शन के कार्यान्वयन को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की.
पेज 9 पर जारी

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप

टोक्योः दक्षिणी जापान में 7.1 तीव्रता के भूकंप से व्यापक नुकसान हुआ है. कुमामोटो प्रांत में कई इमारतों में आग लग गई, ट्रेनें पटरी से उतर गईं और एक शॉपिंग मॉल को भी भारी नुकसान पहुंचा. राहत एवं बचाव दल आग बुझाने और बचाव कार्य में जुटे हैं. काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है. शुरुआती जानकारी के अनुसार, कई लोग घायल हुए हैं.
भूकंप के कारण हजारों घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई. कई सड़कों में दरारें आ गईं. अधिकारियों के मुताबिक, अब तक कम से कम 50 लोगों के घायल होने की जानकारी है. इनमें कुछ लोग आंशिक रूप से ढहे शॉपिंग मॉल के अंदर फंसे हुए हैं. सामने आए वीडियो दिख रहा है कि, जापान में कई जगहों पर इमारते क्षतिग्रस्त हो गई हैं. कुछ जगहों पर नदी के उपर बने पुल टूट गए हैं. इसके अलावा ट्रेन के डिब्बे-इंजन पटरी से उतरकर पलट गए. जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आया. इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था.

राजग संसदीय दल की बैठक में पहली बार शामिल हुए एनसीपीआई सांसद

नई दिल्लीः तृणमूल कांग्रेस छोड़कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हुए सांसदों के एक समूह ने पहली बार, मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया. 'मंगल मिलन' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शीर्ष केंद्रीय मंत्री भी उपस्थित थे. तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सदस्य हाल में अपनी पार्टी के खिलाफ बगावत करने के बाद एनसीपीआई में शामिल हुए थे. हालांकि, वे लोकसभा में तृणमूल सांसदों से अलग बैठ रहे हैं, लेकिन सदन के अध्यक्ष ओम बिरला ने एनसीपीआई को मान्यता देने पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है. एनसीपीआई में शामिल होने के बाद, सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग के प्रति अपनी निष्ठा जताई. इस समूह के एक प्रमुख नेता, सुदीप बंद्योपाध्याय ने हाल में प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी. राजग संसदीय दल की बैठक संसद भवन परिसर में हुई.

एनसीपीआई की सांसद सायोनी घोष ने कहा, मैंने राजग की बैठक में भाग लिया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में यह एक अत्यंत ज्ञानवर्धक बैठक थी. आज हमने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर चर्चा की. यह काफी सकारात्मक चर्चा रही. उन्होंने लोकसभा में आज चर्चा के लिए पेश किये जाने वाले 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक 2026' का संदर्भ देते हुए कहा कि प्रश्नपत्र लीक रोधी इस विधेयक का सभी को समर्थन करना चाहिए.एक अन्य सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बताया कि यह पहला मौका था जब एनसीपीआई के 20 सांसदों को राजग की 'मंगल मिलन' बैठक में आमंत्रित किया गया. उन्होंने कहा, हमें देश की प्रगति, मुक्त व्यापार समझौतों और किसानों के बारे में जानकारी दी गई जो आंकड़े हमें प्राप्त हुए हैं, उनसे हम जनता को भी इन विषयों के बारे में बेहतर तरीके से समझा सकेंगे.
अभिनेत्री से नेता बनीं शताब्दी रॉय ने कहा कि बैठक में सार्थक चर्चा हुई. उन्होंने कहा, हमने पहले ऐसी चीजें नहीं देखी थी. यह सब व्यवस्थित था. उन्होंने हमें बताया कि कौन से विधेयक आने वाले हैं. प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा.
यह बैठक नीट प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा में अन्य गड़बड़ियों के खिलाफ छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के कुछ दिनों बाद हुई, जिसके कारण धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था. बैठक में वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, जे.पी. नड्डा, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, किरेन रीजीजू और राजग के सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए. केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा कि बैठक दो विषयों पर केंद्रित थी, व्यापार और मत्स्य पालन. उन्होंने कहा, मत्स्य पालन क्षेत्र में हुई प्रगति और व्यापार व वाणिज्य में हुई वृद्धि पर विस्तार से चर्चा हुई. शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के ने कहा कि संबंधित मंत्रियों ने देश में व्यापार और मत्स्य पालन के क्षेत्र में हुई वृद्धि पर प्रस्तुतियां दीं.

प्रल्हाद जोशी पर राहुल गांधी का हमला, बोले-

दुष्कर्मियों का बचाव करने वाले को बनाया शिक्षा मंत्री

नई दिल्लीः केंद्र सरकार में नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को तीखा हमला बोला. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नए शिक्षा मंत्री को लेकर प्रधानमंत्री के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंत्रिमंडल में कई लोग थे, लेकिन प्रधानमंत्री ने ऐसे व्यक्ति को चुना, जो उनके अनुसार दुष्कर्म के आरोपियों का बचाव करने वाला है. राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति गलत संदेश देती है. उन्होंने प्रधानमंत्री के फैसले पर भी सवाल उठाए. राहुल गांधी ने कहा कि भारत के शिक्षा मंत्री ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें भाजपा ने चुना है और जो दुष्कर्म के आरोपियों का बचाव करते हैं. इससे ज्यादा खराब बात और क्या हो सकती है. मंत्रिमंडल में इतने लोग थे, लेकिन प्रधानमंत्री ने उसी व्यक्ति को चुना, जो दुष्कर्म के आरोपियों का बचाव करता है. यह काफी हैरान करने वाला फैसला है. राहुल गांधी ने अपने बयान के जरिए सीधे प्रधानमंत्री की पसंद पर सवाल उठाया और कहा कि इस नियुक्ति को लेकर गंभीर जवाबदेही होनी चाहिए.

उड़ी में एलओसी पर माइन ब्लास्ट, सेना के 2 जवान घायल

श्रीनगरमः जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उड़ी सेक्टर से मंगलवार को एक चिंताजनक खबर सामने आई है. देश की सुरक्षा में दिन-रात तैनात भारतीय सेना के दो जवान नियंत्रण रेखा (डेउ) के पास हुए एक जोरदार माइन विस्फोट में घायल हो गए. इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और सेना ने तुरंत बचाव अभियान शुरू कर दिया.सरकारी अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा उड़ी के कामालकोट सब-सेक्टर में स्थित अपर गढ़ फॉरवर्ड पोस्ट के करीब हुआ. यह बेहद संवेदनशील इलाका है और यहां 12 इन्फैंट्री ब्रिगेड के तहत 8 राष्ट्रीय राइफल्स की टुकड़ी तैनात है. यह पूरा क्षेत्र उरी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है.बताया जा रहा है पेज 9 पर जारी

एनटीए टास्क फोर्स मेंबर व आईआईटी डायरेक्टर ने कहा

जब पेपर बनाने वाला ही लीक करे तो बड़ी चुनौती

नयी दिल्लीः परीक्षा सुधारों में बड़े बदलावों के लिए हाई पावर्ड टास्क फोर्स अपना मिशन जल्द ही शुरू करने जा रही है. टास्क फोर्स के सदस्य और देश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाने वाले आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने कहा है कि परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और लीक-प्रूफ बनाने के लिए हर एक पहलू को जांचा जाएगा, पिछली कई परीक्षाओं की समीक्षा की जाएगी और उसके बाद कमिटी अपनी सिफारिशें सरकार को सौंपेगी.
प्रो. कामकोटि ने कहा कि 'ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की हालिया रिपोर्ट बताती है कि देश में सकल नामांकन अनुपात 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है और अब इंजिनियरिंग, मेडिकल और दूसरे एंट्रेंस टेस्ट में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या भी पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई है, ऐसे में तकनीकी हस्तक्षेप यानी आधुनिक तकनीक का

बेहतर से बेहतर तरीके से इस्तेमाल कर पब्लिक एग्जाम करवाए जाएंगे. परीक्षा सुधारों पर बनी टास्क फोर्स सारे पहलुओं को देखेगी.
प्रो. वी. कामकोटि ने कहा कि 1985 में जब उन्होंने इंजीनियरिंग का एंट्रेंस टेस्ट दिया था तो उस समय 5000 उम्मीदवार इसमें शामिल हुए थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 15 लाख हो चुकी है. इतने बड़े स्तर पर लाखों उम्मीदवारों के लिए परीक्षा आयोजित करवाने में अब पारंपरिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं है बल्कि तकनीक को बढ़ावा देना जरूरी है.
उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि अभी तकनीक का प्रयोग नहीं हो रहा है. 2016-17 में ओएमआर सिस्टम लाया गया, जिसमें पेपर प्रिंट करवाना पड़ता है. उसके बाद कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में परीक्षाओं का आयोजन करवाया जाने लगा और आज जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड समेत कई बड़ी परीक्षाएं सीबीटी मोड में होती है. अगले वर्ष से अगर नीट यूजी को सीबीटी मोड में लाया जाएगा तो कई सेशन में परीक्षा करवानी होगी और नॉर्मलाइजेशन के फॉर्मूले को भी देखना होगा. टास्क फोर्स शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लॉन्ग टर्म सॉल्यूशन पर काम करेगी.

कोलकाता एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश, 7 हिरासत में

कोलकाताः मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पुरुलिया जिले में अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का राजफाश किया है. इस कार्रवाई में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है.मुख्यमंत्री के अनुसार, सोमवार रात कोलकाता पुलिस एसटीएफ और पुरुलिया जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने पुरुलिया मुफस्सिल थाने के अंतर्गत बेलकुड़ी टोल प्लाजा के पास पेज 9 परजारी

उत्तर बंगाल में नए उद्योग, निवेश और रोजगार पर जोर, चाय उद्योग को पुनर्जीवित करने की तैयारी

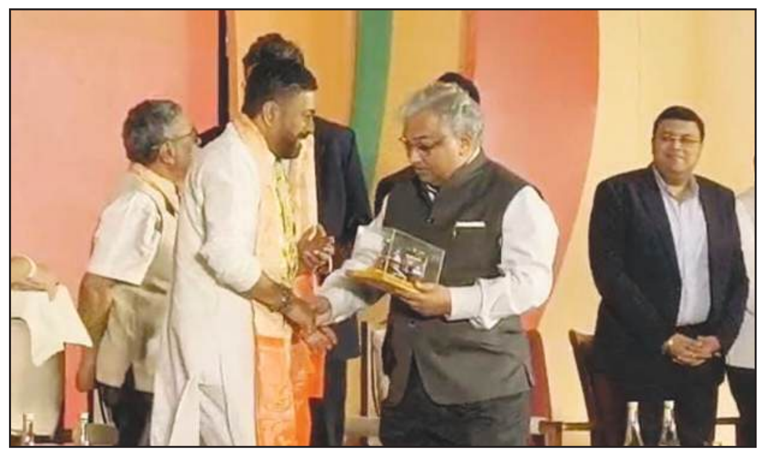

सिलीगुड़ी : उत्तर बंगाल में नए उद्योग, नए निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से बंगाल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की पहल पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में उत्तर बंगाल के उद्योगपतियों और व्यवसायियों की मौजूदगी में क्षेत्र के औद्योगिक विकास और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई.बैठक को संबोधित करते हुए राज्य के वित्त मंत्री स्वपन देवनाथ ने कहा कि एक समय उत्तर बंगाल को केवल 'चिकन नेक' के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब राष्ट्रीय सुरक्षा और विकासइदोनों दृष्टि से इस क्षेत्र का महत्व काफी बढ़ गया है. उन्होंने दावा किया कि व्यापार और निवेश के लिए उत्तर बंगाल में अब शांतिपूर्ण और अनुकूल वातावरण उपलब्ध है.वित्त मंत्री ने चाय उद्योग के मौजूदा संकट पर भी चिंता जताई. उन्होंने कहा कि लगातार चाय बागानों के बंद होने और श्रमिकों की आर्थिक बदहाली को देखते हुए राज्य सरकार सक्रिय पहल कर रही है. जल्द ही कोलकाता, सिलीगुड़ी या दार्जिलिंग में चाय उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें उद्योग को पुनर्जीवित करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी.उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि भविष्य की तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दे रही है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, आधुनिक शिक्षा और तकनीक आधारित उद्योगों के विकास के माध्यम से निजी निवेश आकर्षित करने की योजना बनाई जा रही है.वहीं, पर्यटन मंत्री शंकर घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करने के लिए दार्जिलिंग और सुंदरबन को वैश्विक पर्यटन स्थलों के रूप में प्रचारित किया जाएगा.

साथ ही विश्व स्तर पर दुर्गापूजा की ब्रांडिंग को भी और मजबूत किया जाएगा.उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही एक एकीकृत पर्यटन ऐप शुरू करने जा रही है. इस ऐप में सरकार से पंजीकृत होटल, निधि पोर्टल पर पंजीकृत संस्थान, टूर ऑपरेटर, टैक्सी सेवाएं, बुकिंग एजेंसियां तथा पर्यटन से जुड़ी सभी सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराया जाएगा. इसके प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक अभियान भी चलाया जाएगा.बैठक में उत्तर बंगाल में नए उद्योगों की स्थापना पर विशेष जोर दिया गया. विनिर्माण उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, चाय आधारित उद्योग, वस्त्र उद्योग तथा एमएसएमई क्षेत्र के विस्तार को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी.

इसके अलावा बेहतर सड़क, रेल और हवाई संपर्क, औद्योगिक पार्क, लॉजिस्टिक हब तथा आधुनिक वेयरहाउसिंग सुविधाओं के विकास की योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई.

सात साल बाद दिलीप राम हत्याकांड में बड़ा फैसला, सात दोषी करार

हुगली: हुगली जिले के चर्चित दिलीप राम हत्याकांड में लगभग सात वर्ष बाद अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है. चुंचुरा की तृतीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने मामले में सात आरोपियों को हत्या सहित विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया है. न्यायाधीश कौस्थव मुखर्जी दोषियों की सजा का ऐलान बुधवार को करेंगे.हालांकि, मामले की मुख्य आरोपी बांडेल निवासी और कथित ड्रग तस्कर शकुंतला यादव उर्फ समुंद्री यादव तथा उसका एक बेटा अब भी फरार हैं. जांच एजेंसियों के अनुसार, जमीन विवाद के चलते समुंद्री यादव ने दिलीप राम की हत्या की साजिश रची थी. जांच में यह भी सामने आया कि हत्या को अंजाम देने के लिए करीब तीन लाख रुपये की सुपारी दी गई थी.यह सनसनीखेज वारदात 29 जून 2019 को हुई थी. तृणमूल नेता और बांडेल ग्राम पंचायत प्रधान के पति दिलीप राम सुबह नैहाटी स्थित अपने घर से रेलवे पीडब्ल्यूआई कार्यालय के लिए निकले थे. बांडेल स्टेशन के प्लेटफ फॉर्म संख्या-5 पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं. दिलीप राम की मौके पर ही मौत हो गई. हमलावरों ने भागने से पहले दहशत फैलाने के लिए हवा में भी फायरिंग की, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई.शुरुआती जांच बांडेल जीआरपी ने की, जिसे बाद में चुंचुरा थाने को सौंपा गया. जांच में पता चला कि वारदात से पहले भाड़े के शूटर कई दिनों तक इलाके की रेकी कर रहे थे और एक तय दिन व समय पर हत्या को अंजाम दिया गया.हत्या के बाद दिलीप राम की पत्नी और तत्कालीन बांडेल ग्राम पंचायत प्रधान रितु राम ने शिकायत दर्ज कराई. शुरुआती दौर में तीन लोगों को नामजद किया गया था. इनमें से एक ने आत्मसमर्पण किया और दो को गिरफ्तार किया गया, लेकिन पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया.आगे की जांच में मामला नया मोड़ लेता गया. पुलिस ने जमीन विवाद को हत्या की मुख्य वजह माना और समुंद्री यादव, उसके बेटे मंगल यादव सहित कई लोगों की भूमिका सामने आई. नागपुर से अकबर नामक आरोपी समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. जांच अधिकारी ने कुल नौ लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया.लोक अभियोजक शंकर गंगोपाध्याय ने बताया कि अदालत में 39 गवाहों के बयान दर्ज किए गए, जिनमें चार प्रत्यक्षदर्शी थे. फोरेंसिक जांच में आरोपी गुड्डू से बरामद हथियार को हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार साबित किया गया. उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने सात आरोपियों को दोषी करार दिया.फैसले के बाद मृतक की पत्नी रितु राम भावुक हो गईं. उन्होंने कहा कि पुलिस और सरकारी वकील के प्रयासों से उन्हें लंबे संघर्ष के बाद न्याय की उम्मीद जगी है. उन्होंने फरार मुख्य आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग भी की. वहीं, दिलीप राम के पिता शंकर राम ने दोषियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग करते हुए कहा कि मुख्य आरोपी परिवार पर पहले भी कई गंभीर आपराधिक मामलों के आरोप हैं.अब पूरे मामले में सभी की निगाहें बुधवार को होने वाली सजा के ऐलान पर टिकी हैं, जब अदालत दोषियों के लिए सजा निर्धारित करेगी.

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

जलपाईगुड़ी : फूलबाड़ी-गाजलडोबा तीस्ता कैनाल रोड पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की आखिरकार मौत हो गई. मृतक की पहचान सौमदीप मंडल (25) के रूप में हुई है. वह फूलबाड़ी के पश्चिम धनतला इलाके के निवासी थे.परिवार के अनुसार, रोज़ की तरह सोमवार को भी वह फूलबाड़ी बाजार स्थित एक मोटर पार्ट्स की दुकान में काम करने गए थे. दुकान के मालिक ने उन्हें पुटीमारी इलाके के एक शोरूम से कुछ सामान लाने के लिए भेजा. मालिक की स्कूटी लेकर सौमदीप वहां के लिए रवाना हुए, लेकिन रास्ते में तीस्ता कैनाल रोड के पुटीमारी इलाके में एक मालवाहक ट्रक के साथ उनकी जोरदार टक्कर हो गई.हादसे में गंभीर रूप से घायल सौमदीप को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान रात में उनकी मौत हो गई. इस घटना से परिवार पूरी तरह टूट चुका है. इकलौते बेटे को खोने के गम में माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है.

महिला काव्यमंच 'मन से मंच तक' का संयुक्त वार्षिक उत्सव ऑनलाइन सम्पन्न

सिलीगुड़ी : महिला काव्यमंच 'मन से मंच तक' के संस्थापक आदरणीय नरेश नाज़ के आशीर्वचनों से पश्चिम बंगाल इकाई का संयुक्त वार्षिक उत्सव (2025-2026) ऑनलाइन माध्यम से गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल की विभिन्न शाखाओं से लगभग 60-65 रचनाकारों ने सहभागिता करते हुए कविता, गीत, ग़ज़ल, दोहा, मुक्तक, भजन एवं अन्य साहित्यिक विधाओं में अपनी सशक्त प्रस्तुतियाँ दीं.कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती मंजू महिमा (राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी, गुजरात एवं राजस्थान इकाई) द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ. डॉ. बबिता अग्रवाल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तथा आरती सिंह के साथ संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता शालू गुप्ता (वैश्विक उपाध्यक्ष, मकाम) ने की. विशिष्ट अतिथि के रूप में अर्चना शर्मा, डॉ. ऊषा पांडे, अनिमा मंडल एवं अदिति गुप्ता उपस्थित रहीं. जिला अध्यक्ष गायत्री चक्रवर्ती, चंदा प्रहलादका, अंजलि किशोर 'कृति', पारूल अग्रवाल, रूबी प्रसाद, बबिता भोपाल एवं सिपाली गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही.रचनाकारों ने भक्ति, राष्ट्रप्रेम, नारी चेतना, सामाजिक सरोकार, प्रेम, जीवन-दर्शन एवं मानवीय संवेदनाओं पर आधारित प्रभावशाली रचनाओं का पाठ किया. 'राधा की हर साँस के एहसास में है श्यामः', 'दक्ष नहीं मैं, लक्ष्य नहीं कोईः', 'ये दिल मांगे मोर का नाराः', 'सूरज की आभा तले, जुगनू खोए शानः', 'उठती हैं तरंगें जब दिल के कोने सेः', 'भारत गौरव गाथाः', 'जय नाद बजे, कहीं शंख बजेः', 'मैं खुश थीः मैं खुश हूँ भीः', 'मैं नारी नहीं, नर के नारा हूँ मैंः', 'यशोधराः', 'माँगूँ और क्या तुझसेः', 'कुछ ग़म लिखूँ, कुछ मुस्कान लिखूँः', 'माँ जननी, मेरी पहली गुरुः', 'खूबसूरत मोड़ः', 'मन से मंच तक सजा, आज वार्षिकोत्सव प्याराः', 'चुपके-चुपके प्रेम का अंकुर फूटा आजः', 'ग़मों के सैलाब ने मेरी रातों की नींद चुरा लीः' तथा 'धन-दौलत पाई, नाम कमाईः' जैसी रचनाओं ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर खूब सराहना बटोरी.इस अवसर पर उत्कृष्ट संगठनात्मक एवं साहित्यिक गतिविधियों के लिए आसनसोल उखड़ा इकाई को 'बेस्ट यूनिट अवार्ड' से सम्मानित किया गया. यह सम्मान अध्यक्षा शालू गुप्ता द्वारा प्रदान किया गया.अंत में आरती सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त किया. साहित्य, संस्कार और सृजनशीलता से ओत-प्रोत यह संयुक्त वार्षिक उत्सव पश्चिम बंगाल इकाई की रचनात्मक ऊर्जा और संगठनात्मक एकजुटता का सफल उदाहरण बनकर सम्पन्न हुआ.

सिलीगुड़ी के रामकृष्ण सेवा सदन में आयकर विभाग की छापेमारी

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी के आश्रमपाड़ा स्थित प्रसिद्ध रामकृष्ण सेवा सदन (न्यू रामकृष्ण सेवा सदन) और उससे जुड़ी संपत्तियों पर मंगलवार को आयकर विभाग ने अचानक छापेमारी की. कार्रवाई अभी भी जारी है.मिली जानकारी के अनुसार, वित्तीय अनियमितताओं, संदिग्ध लेनदेन और आयकर रिटर्न से संबंधित दस्तावेजों की जांच के सिलसिले में केंद्रीय आयकर अधिकारियों की टीम ने यह अभियान चलाया है.कार्रवाई की मुख्य बातें:दस्तावेजों की जांच: आयकर अधिकारी संस्थान के वित्तीय रिकॉर्ड, कैश बुक, बैलेंस शीट और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों का गहन निरीक्षण कर रहे हैं.कड़ी सुरक्षा: सुरक्षा के मद्देनजर केंद्रीय बलों के जवानों ने पूरे परिसर को घेर रखा है.प्रशासनिक सतर्कता: परिसर के भीतर कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है और बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है.आयकर विभाग की ओर से छापेमारी समाप्त होने के बाद ही औपचारिक बयान जारी कर बरामद नकदी या अघोषित संपत्ति का आधिकारिक ब्योरा दिया जाएगा.

फर्जी एससी प्रमाणपत्र के आरोप में सिताई विधायक को नोटिस, प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए बीडीओ कार्यालय में तलब

कूचबिहार : जिले के सिताई विधानसभा क्षेत्र की विधायक संगीता राय को अनुसूचित जाति (एससी) का कथित फर्जी प्रमाणपत्र इस्तेमाल कर आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने के आरोप में ब्लॉक प्रशासन ने नोटिस जारी किया है. उपमंडलाधिकारी (एसडीओ) के निर्देश पर बीडीओ कार्यालय ने विधायक को एससी प्रमाणपत्र के सत्यापन के लिए आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने को कहा है.प्रशासन के अनुसार, मंगलवार को ही सत्यापन के लिए उपस्थित होने की तिथि निर्धारित की गई थी. हालांकि, विधायक के घर पर उनके नहीं मिलने के कारण नोटिस को आवास की दीवार पर चस्पा कर दिया गया.गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा-जीसीपीए समर्थित प्रत्याशी आशुतोष बर्मन ने संगीता राय पर फर्जी एससी प्रमाणपत्र के आधार पर आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने का आरोप लगाया था. चुनाव के बाद उन्होंने इस संबंध में उपमंडलाधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई. शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने के बाद उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया. इसके बाद प्रशासन ने विधायक को प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए बीडीओ कार्यालय में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया.आशुतोष बर्मन ने कहा हम चुनाव के समय से ही यह आरोप उठा रहे हैं कि फर्जी एससी प्रमाणपत्र का इस्तेमाल कर चुनाव लड़ा गया. चूंकि यह आरक्षित सीट है, इसलिए यदि प्रमाणपत्र फर्जी साबित होता है तो उन्हें चुनाव लड़ने का अधिकार ही नहीं था. राजबंशी समाज ने भी इसे स्वीकार नहीं किया है. यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो हम बड़ा आंदोलन करेंगे.विधायक बनने के बाद संगीता राय ने ममता बनर्जी का साथ छोड़कर ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल गुट का समर्थन किया था. उन्होंने ऋतब्रत गुट की बैठक में भी भाग लिया था.

गंगाजल और कीर्तन से पंचायत कार्यालय का 'शुद्धिकरण'

अलीपुरद्वार : जिले के फालाकाटा में मंगलवार को फालाकाटा दो नंबर ग्राम पंचायत कार्यालय में गंगाजल छिड़ककर और कीर्तन के जरिए 'शुद्धिकरण' किया गया. यह कार्यक्रम किसी धार्मिक स्थल पर नहीं, बल्कि पंचायत कार्यालय में आयोजित किया गया, जिससे पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बन गया है.मिली जानकारी के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के प्रधान और उपप्रधान के इस्तीफे के बाद हाल ही में इस पंचायत पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कब्जा हुआ है. नए प्रधान और उपप्रधान के पदभार संभालने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को इस 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम का आयोजन किया.नवनियुक्त प्रधान हेमंत उरांव और उपप्रधान अनिमा सरकार ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से तृणमूल कांग्रेस के शासन में पंचायत कार्यालय 'अपवित्र' हो गया था. उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि अब पंचायत में पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सेवाएं दी जाएंगी.

तृणमूल पंचायत प्रधान और उपप्रधान पर अंडों से हमला

हुगली : जिले के सिंगूर विधानसभा क्षेत्र स्थित बैंचीपोता ग्राम पंचायत में मंगलवार सुबह तृणमूल कांग्रेस की पंचायत प्रधान मायावती कर्मकार और उपप्रधान नवकुमार बाग पर आक्रोशित लोगों ने अंडे फेंके और उनके साथ मारपीट की. घटना को लेकर इलाके में तनाव फैल गया. पुलिस दोनों को भीड़ से सुरक्षित निकालकर सिंगूर थाने ले गई.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पंचायत प्रधान और उपप्रधान पर सरकारी योजनाओं में कथित अवैध वसूली लेने तथा पंचायत के कार्यों में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए जा रहे थे. इसी को लेकर बड़ी संख्या में लोग पंचायत कार्यालय के बाहर एकत्र हुए. आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान प्रधान मायावती कर्मकार को बैठाकर उनके सिर पर अंडे फेंके गए. कुछ महिलाओं ने उन्हें जमीन पर गिराकर जूतों से पीटा और गले में जूतों की माला भी पहनाई. उपप्रधान नवकुमार बाग भी अंडे फेंके जाने का शिकार हुए.घटना की सूचना पाकर सिंगूर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों जनप्रतिनिधियों को भीड़ के बीच से निकालकर थाने ले गई. पुलिस के अनुसार, मामले में अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है.घटना के बाद आरोप लगाया गया कि प्रदर्शन को उकसाने में भाजपा कार्यकर्ताओं की भूमिका रही. हालांकि, इस संबंध में भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल में विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधियों पर अंडे फेंकने की घटनाएं लगातार सामने आई हैं.

पिछले सप्ताह विधानसभा में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि अंडे फेंकना बंगाल की संस्कृति नहीं है और मैं इसका समर्थन नहीं करता.वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने भी इस तरह की घटनाओं की निंदा की थी. इसके बावजूद ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं.

ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर निर्माण में पाइप फटा, तीन गांवों में जल संकट से हाहाकार

अलीपुरद्वार : जिले के फालाकाटा में ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के चार लेन विस्तार कार्य के दौरान एक बड़ी समस्या सामने आई है. आरोप है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी के बुलडोजर की टक्कर से जनस्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचई) की शुद्ध पेयजल पाइपलाइन फट गई. इसके चलते पिछले शनिवार से शिशागोड़ और बालुरघाट के बीच के इलाके सहित तीन गांवों में गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है.

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शिशागोड़, कालीपुर और पारपतलाखावा गांवों में रविवार से पूरी तरह से पीएचई की जल आपूर्ति बंद है. एक ओर भीषण गर्मी, दूसरी ओर पानी की किल्लत ने आम लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है. लोग मजबूर होकर महंगे दामों पर पानी खरीद रहे हैं, जबकि कुछ लोग हैंडपंप का पानी उबालकर इस्तेमाल कर रहे हैं.मंगलवार को ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पिछले तीन दिनों से टूटी पाइपलाइन से लगातार शुद्ध पानी बहकर सड़कों पर जमा हो रहा है.

तीन गांवों में शुद्ध पेयजल की किल्लत बढ़ती जा रही है.

भीषण गर्मी में लोग परेशान है. दूसरी और राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे कृत्रिम जलभराव की स्थिति बन गई है. इसके बावजूद न तो पानी की बर्बादी रोकने और न ही पाइप की मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया है.

इस मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण और चार लेन परियोजना के लिए पुरानी पाइपलाइन को पहले ही हटाया जाना था.

ऐसे में काम के दौरान पाइपलाइन टूटने की स्थिति में इसकी मरम्मत की जिम्मेदारी पूरी तरह पीएचई विभाग की है.वहीं, जनस्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही पाइपलाइन की मरम्मत कर जल आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी.

न्यूज कॉर्नर

उत्तरपाड़ा स्थित ईट भट्ठे में श्रमिक का रक्तरंजित शव मिलने से सनसनी

हुगली : जिले के उत्तरपाड़ा स्थित धर्मतला नंबर-5 ईट भट्ठे से एक श्रमिक का रक्तरंजित शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान छोटू के रूप में हुई है, जो मूल रूप से राजस्थान का निवासी था. पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, छोटू वर्ष 2019 से अपने भाई बंका के साथ धर्मतला स्थित नंबर-5 ईट भट्ठे में मजदूरी कर रहा था. मंगलवार सुबह ईट भट्ठे के परिसर से उसका रक्तरंजित शव बरामद किया गया. पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शव पर कई चोटों के निशान पाए गए हैं. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा.

शराब तस्करी की कोशिश नाकाम, एक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी के प्रधान नगर थाने की पुलिस ने शराब तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक की पहचान राकेश कुमार के रूप में हुई है, जो बिहार के समस्तीपुर का निवासी बताया गया है. मिली सूचना के आधार पर सोमवार देर रात सिलीगुड़ी जंक्शन इलाके में अभियान चलाया गया.पुलिस के अनुसार, एक युवक नीले रंग का प्लास्टिक ड्रम लेकर संदिग्ध तरीके से घूम रहा था. संदेह होने पर उसे रोककर ड्रम की तलाशी ली गई, जिसमें से भारी मात्रा में शराब की बोतलें बरामद हुई.प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह बस के जरिए शराब को समस्तीपुर ले जाकर तस्करी करने की फिराक में था. पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर मंगलवार को सिलीगुड़ी अदालत में पेश करेगी. मामले की जांच जारी है.

कुल्टी में अवैध लोहा कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक गिरफ्तार

पश्चिम बर्दवान : कुल्टी थाना की नियामतपुर पुलिस चौकी की टीम ने राधानगर क्षेत्र में संचालित एक कथित अवैध लोहा कटाई फैक्ट्री पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की. इस दौरान पुलिस ने लगभग चार हजार किलोग्राम सरिया, एक गैस कटर मशीन, एक वेट मशीन तथा कटाई में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण जब्त किए.पुलिस के अनुसार, फैक्ट्री का संचालन कथित रूप से बबलू साव कर रहा था. छापेमारी के दौरान मौके पर काम कर रहे जय कुमार और रवि दास को गिरफ्तार कर लिया गया. मंगलवार को उसे आसनसोल जिला अदालत में पेश किया गया. पुलिस ने आरोपित से पूछताछ के लिए सात दिन की पुलिस हिरासत की मांग की है. पुलिस मामले की जुटी है. शुरुआती जांच में एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है.

पूर्व रेलवे ने मालदा में बुनियादी ढाँचे, कर्मचारी कल्याण की दिशा में उठाए बड़े कदम

कोलकाता : परिचालन के आधुनिकीकरण तथा कर्मचारियों के कल्याण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पूर्व रेलवे ने मालदा में कई परिवर्तनकारी विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया. पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में प्रशिक्षण प्रणाली के आधुनिकीकरण, कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने तथा पर्यावरणीय सतत विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनेक नई परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया. दिन की शुरुआत मल्टी-डिसिप्लिनरी डिवीजनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमडीडीटीआई) से हुई, जहां श्री देऊस्कर ने रेलवे कर्मचारियों के लिए डिजिटल शिक्षण एवं कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं को सशक्त बनाने हेतु अत्याधुनिक आई-गॉट-कम-सीबीटी सेंटर का उद्घाटन किया. तकनीकी उन्नयन के साथ-साथ कर्मचारियों के कल्याण पर भी विशेष ध्यान दिया गया. इस क्रम में कर्मचारियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीन ट्रांजिट आवास भवन का उद्घाटन किया गया तथा रेलवे परिवार में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इको पार्क में वॉकिंग एवं जॉगिंग ट्रैक का भी लोकार्पण किया गया.कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए एमडीडीटीआई एवं इको पार्क परिसर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण एवं पौध वितरण अभियान भी आयोजित किया गया.

इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों को सफलतापूर्वक मूर्त रूप देने में मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता ने भी महाप्रबंधक के साथ सभी निरीक्षण एवं उद्घाटन कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाई. संगठनात्मक समन्वय को और बनाने के उद्देश्य से श्री मिलिंद देऊस्कर ने मालदा स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मान्यता प्राप्त रेलवे यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक भी की.

इस रचनात्मक संवाद में रेलवे प्रशासन से जुड़े विभिन्न मुद्दों, कर्मचारी कल्याण तथा संगठन के समग्र विकास को गति देने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई.कर्मचारियों के कौशल विकास, कार्यस्थल पर संतुष्टि एवं परिचालन क्षमता में सुधार के लिए किए गए ये सभी प्रयास अंततः रेल पटरियों पर बेहतर परिणाम के रूप में दिखाई देंगे. इससे अधिक प्रशिक्षित, प्रेरित एवं दक्ष कार्यबल तैयार होगा,

जो यात्रियों को अधिक सुरक्षित, समयनिष्ठ एवं आरामदायक रेल सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.इन महत्वपूर्ण पहलों के व्यापक उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा- 'पूर्व रेलवे का दृढ़ विश्वास है कि आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित, स्वस्थ एवं डिजिटल रूप से सशक्त कार्यबल ही कुशल रेल संचालन की वास्तविक आधारशिला है. मालदा में नए आई-गॉट-कम-सीबीटी सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण अवसंरचना का आधुनिकीकरण, कर्मचारियों के लिए बेहतर सुविधाओं का विस्तार तथा हरित पहल को बढ़ावा देकर हम एक मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं. इन प्रयासों से सेवा की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं यात्रियों के आराम में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और प्रत्येक रेल यात्री को बेहतर यात्रा अनुभव प्राप्त होगा.'

धूपगुड़ी में भारी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद, 2 तस्कर गिरफ्तार

धूपगुड़ी : राज्य में नई सरकार के गठन के बाद से ही अपराध नियंत्रण और नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है. इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी थाना क्षेत्र में एक विशेष अभियान चलाकर पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली गोलियां (ड्रग्स टेबलेट्स) जब्त की हैं. इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब्त की गई नशीली सामग्री की अनुमानित बाजार कीमत ₹1,55,000 (एक लाख पचपन हजार रुपये) से अधिक बताई जा रही है.कार्रवाई और जांच का विवरण:नाका चेकिंग में मिली सफलता: यह कार्रवाई धूपगुड़ी रेलवे स्टेशन के पास स्थित नाका चेकिंग प्वाइंट पर चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान हुई.गोपनीयता और आगे की जांच: पुलिस ने घेराबंदी कर यह सफलता हासिल की है. हालांकि, अंतरराज्यीय गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुँचने और जांच के हित को ध्यान में रखते हुए फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है.कोर्ट में पेशी: गिरफ्तार दोनों आरोपियों को कल जलपाईगुड़ी जिला अदालत में पेश किया जाएगा, जहाँ पुलिस उन्हें पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की अर्जी दाखिल करेगी.धूपगुड़ी थाना पुलिस इस बात की गहराई से छानबीन कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं तथा नशीली गोलियों की यह खेप कहाँ से लाकर कहाँ पहुँचाई जानी थी.

धर्मतला हिंसा मामला : बैंकशाल कोर्ट से 16 आरोपियों को जमानत

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बदला फैसला

कोलकाताः धर्मतला में पुलिस और पत्रकारों पर कथित हमले के मामले में गिरफ्तार 16 लोगों को बैंकशाल (सिटी सेशंस) कोर्ट से जमानत मिल गई है. पहले अदालत ने सभी आरोपियों को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था, लेकिन बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के मद्देनजर यह आदेश वापस लेते हुए सभी को 500 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई. बताया गया कि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने देशव्यापी नीट आंदोलन के दौरान गिरफ्तार लोगों को जमानत देने का निर्देश दिया. साथ ही केंद्र सरकार को घटना की जांच के लिए एक विशेष पीठ गठित करने को कहा गया. न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि जिन राज्यों में आंदोलन के दौरान अशांति हुई है, वहां की संबंधित वीडियो फुटेज को सुरक्षित और गोपनीय रखा जाए. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आंदोलन के दौरान या उसके बाद गिरफ्तार लोगों को तत्काल रिहा किया जाए. हालांकि, जिन आरोपियों के खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं या जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है, उन्हें इस राहत का लाभ नहीं मिलेगा. धर्मतला हिंसा के संबंध में कुल सात एफआईआर दर्ज की गई थीं. इनमें एक मामला राज्य सरकार की ओर से पुलिस पर हमला और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज कराया गया था. अन्य मामलों में पत्रकारों ने अपने ऊपर हमले की शिकायत दर्ज कराई, जबकि एक मामला मौलाना के सामने हुई हिंसा से जुड़ा था. पुलिस ने फिलहाल राज्य सरकार द्वारा दर्ज कराए गए मामले के आधार पर ही 16 लोगों को गिरफ्तार किया था. पिछले शुक्रवार को आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के बाद पहले चरण में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया था. बैंकशाल कोर्ट ने रविवार को उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था. इसके बाद सोमवार को दो और लोगों की गिरफ्तारी हुई. मंगलवार को सभी 16 आरोपियों को दोबारा अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने उनकी न्यायिक हिरासत की मांग की. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने संबंधी कानून का उल्लंघन किया और बिना अनुमति के सीपीआई(एम), एआईडीएसओ तथा अन्य संगठनों के बैनर तले एकत्र होकर कानून तोड़ा. अदालत ने पहले आरोपियों को 30 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था. हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय के ताजा निर्देश के बाद राज्य सरकार ने मामला वापस लेने का निर्णय लिया. इसके बाद बैंकशाल कोर्ट ने अपना पूर्व आदेश रद्द करते हुए सभी 16 आरोपियों को 500 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत प्रदान कर दी.

जूट उद्योग को गति देने पर सरकार का जोर

श्रम मंत्री अर्जुन सिंह ने केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साथ की बैठक

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के श्रम मंत्री अर्जुन सिंह ने मंगलवार को नव महाकरण स्थित श्रम विभाग में जूट उद्योग से जुड़े केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. बैठक में राज्य के जूट उद्योग की वर्तमान स्थिति, बंद पड़ी जूट मिलों को दोबारा चालू करने और श्रमिकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में श्रम सचिव रचना भगत, विशेष श्रम आयुक्त आशीष सरकार तथा श्रम विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे. ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों ने हाल के समय में बंद जूट मिलों को चरणबद्ध तरीके से दोबारा खोलने और उत्पादन शुरू कराने की दिशा में श्रम मंत्री द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की. उन्होंने जूट उद्योग की मौजूदा चुनौतियों और श्रमिकों के सामने आ रही विभिन्न समस्याओं से भी मंत्री को अवगत कराया. श्रम मंत्री अर्जुन सिंह ने प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए उनके सुझावों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि राज्य के जूट उद्योग को मजबूत बनाने और उसे आगे बढ़ाने के लिए सरकार सभी संबंधित पक्षों के सहयोग से आवश्यक कदम उठाएगी. बैठक में जूट उद्योग के विकास, श्रमिकों के हितों की रक्षा और उद्योग को स्थायी रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार, प्रशासन और ट्रेड यूनियनों के बीच समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया.

पूर्व तृणमूल पार्षद के बेटे की गिरफ्तारी

रियल एस्टेट कारोबारी से 34 लाख रुपये की रंगदारी वसूलने का आरोप

कोलकाताः कोलकाता पुलिस ने रंगदारी और भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व तृणमूल कांग्रेस पार्षद बिजनलाल मुखर्जी के बेटे सम्राट मुखर्जी को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपित के खिलाफ रंगदारी, धमकी देने और शस्त्र अधिनियम सहित कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस के अनुसार, दक्षिण कोलकाता के कसबा थाने में एक रियल एस्टेट कारोबारी ने 18 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में आरोप लगाया गया कि सम्राट मुखर्जी ने धमकी देकर उससे करीब 34 लाख रुपये वसूल लिए. शिकायत मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी. जांच के दौरान इसी मामले में एक और शिकायत भी कसबा थाने में दर्ज कराई गई. कई दिनों तक साक्ष्य जुटाने और पूछताछ के बाद पुलिस ने सोमवार को सम्राट मुखर्जी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस का कहना है कि आरोपित के खिलाफ रंगदारी, आपराधिक धमकी और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. मामले में शस्त्र अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गई हैं. फिलहाल पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस कथित वसूली में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं. इस बीच, राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार और रंगदारी के मामलों पर सख्त रुख अपनाने की बात दोहराई है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार रंगदारी, आपराधिक गतिविधियों और भ्रष्टाचार के मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति पर काम करेगी. इसी अभियान के तहत हाल के दिनों में तृणमूल कांग्रेस और पूर्व तृणमूल नेताओं के खिलाफ विभिन्न मामलों में कार्रवाई की गई है. भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में सुजीत बोस, उज्ज्वल विश्वास और उदयन गुहा जैसे नेताओं को भी न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है.

पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल में बड़ा फेरबदल, तीनों नामित सदस्य हटाए गए

कोलकाताः पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल में महत्वपूर्ण फेरबदल करते हुए पिछले तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान नियुक्त तीनों नामित सदस्यों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है. जलागांव मेडिकल काउंसिल से हटाए गए सदस्यों में डॉ. निर्मल माझी, डॉ. सौरव पाल और डॉ. असिम कुमार सरकार शामिल हैं. डॉ. माझी विशेष रूप से चर्चित रहे थे, जो पिछली ममता बनर्जी सरकार में मंत्री होने के साथ-साथ तीन बार के विधायक थे. नए नियुक्तियों में डॉ. प्राणत टुडू को शामिल किया गया है, जो पहली बार के भाजपा विधायक हैं और जनजातीय बहुल झाड़ग्राम जिले की बिनपुर सीट से विधायक हैं. उन्होंने पिछली सरकार में वन मंत्री रहीं बिरबाहा हंसदा को लगभग 23 हजार वोटों के अंतर से हराया था. अन्य दो नए नामित सदस्यों में डॉ. कल्याण आशीष मुखर्जी और डॉ. मृण्मय अधिकारी शामिल हैं. यह फेरबदल पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद का पहला बड़ा प्रशासनिक कदम है. विपक्ष ने 2022 के काउंसिल चुनावों में भारी धांधली के आरोप लगाए थे, जिसमें डॉ. माझी का नाम मुख्य सूत्रधार के रूप में सामने आया था. पिछले शासन के दौरान काउंसिल और विशेष रूप से डॉ. माझी कई विवादों में फंसे थे. 2024 अगस्त के आर.जी. कर बलात्कार-हत्या मामले में काउंसिल की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे. डॉ. माझी पर अपने रिश्तेदार के पालतू कुत्ते की डायलिसिस के लिए मेडिकल कॉलेज में विशेष व्यवस्था करने का आरोप लगा था. राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान काउंसिल का कार्यकाल अभी शेष है, इसलिए नए चुनाव की संभावना कम है. इसलिए मौजूदा ढांचे में ही फेरबदल के जरिए बदलाव किए जा रहे हैं. अधिसूचना के अनुसार, तीनों नए नामित सदस्य जल्द ही काउंसिल में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे.

अभिषेक बनर्जी के आमतला कार्यालय पर फिलहाल नहीं चलेगा बुलडोजर

कलकत्ता हाई कोर्ट ने छह अगस्त तक यथास्थिति बढ़ाई

कोलकाताः अभिषेक बनर्जी के दक्षिण 24 परगना जिले के आमतला स्थित पार्टी कार्यालय को गिराने की कार्रवाई पर कलकत्ता हाई कोर्ट ने फिलहाल रोक बरकरार रखी है. मंगलवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने छह अगस्त तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया. अब इस मामले की अगली सुनवाई छह अगस्त को दोपहर दो बजे होगी. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अंतरिम रोक हटाने की मांग की गई. महाधिवक्ता सुरजीतनाथ मित्र ने अदालत से कहा कि अंतरिम आदेश वापस लेने के आवेदन पर शीघ्र सुनवाई की जाए. वहीं, अभिषेक बनर्जी की कंपनी लिप्स एंड बाउंड्स की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता किशोर दत्ता ने अंतरिम राहत की अवधि बढ़ाने की मांग की. तृणमूल कांग्रेस की ओर से भी ध्वस्तीकरण के खिलाफ अलग आवेदन दायर किया गया. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कहा कि इस मामले में तीन अलग-अलग आवेदन दाखिल किए गए हैं, जिन पर एक साथ सुनवाई आवश्यक है. इसी कारण अदालत ने फिलहाल यथास्थिति जारी रखते हुए सुनवाई छह अगस्त तक स्थगित कर दी. आमतला स्थित इस पांच मंजिला इमारत पर अवैध निर्माण का आरोप लगाया गया है. प्रशासन ने 18 जुलाई को भवन के एक हिस्से को ध्वस्त किया था. इसके बाद कार्यालय से सामान हटाने का काम पूरी रात चला और अगले दिन फिर से ध्वस्तीकरण शुरू किया गया. इस दौरान बुलडोजर के साथ एयर कंप्रेसर, वाइब्रेटर और अन्य आधुनिक मशीनों का भी इस्तेमाल किया गया. ध्वस्तीकरण के बाद अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि इमारत का निर्माण सभी कानूनी प्रक्रियाओं और स्वीकृत नक्शे के अनुसार किया गया है तथा कार्रवाई अनुचित है. जिला प्रशासन के अनुसार, आमतला स्थित भवन को लेकर सुषांत मंडल नामक व्यक्ति ने लिखित शिकायत दर्ज कराई थी. प्रशासन ने जमीन के पूर्व मालिक मतिउर रहमान मंडल, कंपनी लिप्स एंड बाउंड्स तथा उसके निदेशक एवं अभिषेक बनर्जी के पिता अमित बनर्जी को नोटिस जारी कर 15 जुलाई को सुनवाई में उपस्थित होने को कहा था. प्रशासन का दावा है कि कोई भी पक्ष सुनवाई में उपस्थित नहीं हुआ, जबकि अभिषेक बनर्जी का कहना है कि उनकी ओर से प्रतिनिधि सुनवाई में मौजूद थे.

20.65 लाख नकदी, अवैध हथियारों सहित तीन गिरफ्तार

डायमंड हार्बर/कोलकाताः दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर इलाके में पुलिस ने एक बड़ी और गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए अवैध गतिविधियों और आपराधिक साजिश के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है. पुलिस की विशेष टीम ने मौके से 20.65 लाख की भारी-भरकम नकदी, 2 अवैध हथियार (आग्नेयास्त्र) और 3 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं. इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को धर दबोचा है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बबलू जाटी उर्फ गुड्डू (42), आदर्श जाटी उर्फ छोटू (23) और कौशिक जाटी उर्फ बिट्टू (33) के रूप में हुई है. तीनों दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर थाना क्षेत्र के चकसुकदेव गांव के निवासी हैं. पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि हथियार और नकदी कहां से लाई गई थी तथा इसका संबंध किसी आपराधिक गिरोह या अवैध गतिविधि से है या नहीं. जांच के दौरान पुलिस अन्य संभावित आरोपियों और नेटवर्क की भी तलाश कर रही है. पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद किए गए इतनी बड़ी राशि का स्रोत क्या है और इसका उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जाना था. इसके अलावा जब्त किए गए दोनों अवैध हथियारों और तीन जीवित कारतूस की फॉरेंसिक जांच भी कराई जाएगी. जांच एजेंसियां यह भी पता करेंगी कि इन हथियारों का इस्तेमाल पहले किसी आपराधिक घटना में हुआ है या नहीं. पुलिस का मानना है कि पूछताछ और तकनीकी जांच से इस मामले में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं. इस मामले में बिष्णुपुर थाने में 28 जुलाई 2026 को मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की है.

नए निर्वाचित बोर्ड के गठन तक नगर निकायों में शिकायत निवारण के लिए नोडल अधिकारी होंगे नियुक्त : अग्निमित्रा पाल

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार के नगर विकास एवं नगर मामलों के विभाग ने राज्य के विभिन्न नगर निगमों और नगरपालिकाओं में नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक निकाय में एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्णय लिया है. यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक नए निर्वाचित नगर बोर्ड अपना कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेते. मंगलवार को नगर विकास एवं नगर मामलों के विभाग के 'मुखोमुखी' कार्यक्रम में विभाग की मंत्री अग्निमित्रा पाल ने इसकी घोषणा की. उन्होंने कहा कि प्रत्येक नगर निगम और नगरपालिका में शिकायत निवारण (ग्रिवांस) सेल बनाया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी एक नोडल अधिकारी के पास होगी. यह ग्रिवांस सेल प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक संचालित रहेगा. मंत्री ने कहा कि केवल 'मुखोमुखी' कार्यक्रम आयोजित करना पर्याप्त नहीं है. लोगों की समस्याएं सुनने के साथ-साथ उनका समयबद्ध समाधान भी सुनिश्चित करना होगा. विभागीय सूत्रों के अनुसार, इस पूरी व्यवस्था के समन्वय की जिम्मेदारी नगर विकास एवं नगर मामलों के विभाग के अधिकारी शांतनु नाहा को सौंपी गई है. वह विभिन्न नगर निगमों और नगरपालिकाओं में नियुक्त नोडल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर नागरिक शिकायतों की पहचान करेंगे और उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे. उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ है. भाजपा सरकार बनने के बाद तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित कोलकाता, बिधाननगर सहित कई नगर निकायों के महापौरों ने इस्तीफा दे दिया, जिससे कई नगरपालिकाओं और नगर निगमों के निर्वाचित बोर्ड भंग हो गए. वहीं, कुछ निकायों में बोर्ड बने रहने के बावजूद तृणमूल के कई पार्षदों के नियमित रूप से कार्यालय नहीं आने की शिकायतें भी सामने आई हैं. सरकार की योजना के अनुसार सात दिसंबर तक कोलकाता और हावड़ा नगर निगम के चुनाव कराए जाएंगे, जबकि अगले वर्ष की शुरुआत में राज्य की 100 से अधिक नगरपालिकाओं के चुनाव भी प्रस्तावित हैं. नए निर्वाचित बोर्ड के कार्यभार संभालने तक नगर निकायों के प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी मुख्य रूप से राज्य सरकार के पास रहेगी. इसी अवधि में नागरिक सेवाएं प्रभावित न हों और लोगों को समस्याओं के समाधान के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े, इस उद्देश्य से यह नई व्यवस्था लागू की जा रही है.

स्वास्थ्य साथी के लाभार्थियों के लिए नई स्वास्थ्य बीमा योजना, सालाना पांच लाख तक कैशलेस इलाज मिलेगा

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार ने स्वास्थ्य साथी योजना के दायरे में आने वाले, लेकिन सामाजिक-आर्थिक मानदंडों के कारण आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं पाने वाले परिवारों के लिए नई स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू करने का फैसला किया है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की घोषणा के अनुसार 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना (एमएमएसबीवाई)' के तहत पात्र परिवारों को प्रति वर्ष पांच लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी. स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को जारी अधिसूचना में बताया गया है कि इस योजना का उद्देश्य ऐसे परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देना है, जो स्वास्थ्य साथी के लाभार्थी हैं लेकिन आयुष्मान भारत योजना के पात्र नहीं हैं. हालांकि जिन परिवारों की वार्षिक आय आठ लाख से अधिक है, जो किसी अन्य राज्य या केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना अथवा कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के दायरे में हैं, या 70 वर्ष से अधिक आयु के हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा. 70 वर्ष से अधिक आयु के लोग आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ही शामिल रहेंगे.

उत्तर 24 परगना में जब्त पटाखों के गोदाम में विस्फोट से दहशत, पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

कोलकाताः उत्तर 24 परगना जिले के नीलगंज थाना क्षेत्र के नारायणपुर में मंगलवार सुबह पुलिस द्वारा जब्त कर गोदाम में रखे गए पटाखों और बारूद में अचानक आग लगने से जोरदार विस्फोट हो गया. लगातार हुए धमाकों से पूरे इलाके में दहशत फैल गई. सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. पुलिस के अनुसार, कुछ दिन पहले नीलगंज पुलिस चौकी ने अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में अवैध पटाखे और बारूद बरामद किए थे. स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब्त किए गए विस्फोटक नियमों के अनुसार नष्ट करने के बजाय एक गोदाम में रख दिए गए थे. इतना ही नहीं, गोदाम के बाहर एक ड्रम में भी बारूद रखा गया था. मंगलवार सुबह अचानक गोदाम में आग लग गई, जिसके बाद एक के बाद एक पटाखों में विस्फोट होने लगे. तेज धमाकों और घने धुएं से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. बताया गया है कि जिस गोदाम में विस्फोट हुआ, उसकी दूसरी मंजिल पर एक परिवार रहता है. धमाकों की आवाज सुनते ही परिवार के सदस्य सुरक्षित बाहर निकल आए. लगातार हो रहे विस्फोटों से घबराकर आसपास के लोग भी अपने घरों से बाहर आ गए. घटना के बाद क्षेत्र में भारी तनाव का माहौल है. स्थानीय लोगों ने आबादी वाले इलाके में इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखने पर पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं. लोगों का कहना है कि जब्त विस्फोटकों का सुरक्षित निस्तारण किया जाना चाहिए था. फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/(सामान्य), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1348-2026-27, दिनांक 24.07.2026; कार्य का विवरण: (i) बीआरपी-डीएच (34.76 किमी) अनुभाग के बीच स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली के लिए प्रस्ताव (ii) एसपीआर से सीजी (29.01 किमी) अनुभाग के बीच स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली के लिए प्रस्ताव के संबंध में विद्युतीय कार्य। निविदा मूल्य : रु. 1,71,95,126; बयाना राशि: रु. 3,43,900; क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1366-2026-27, दिनांक 24.07.2026; कार्य का विवरण: सियालदह ऑफिसर्स कॉलोनी में बिल्डिंग सं. 256, टाइप-V में प्रत्येक 6 यात्री (जी+5) क्षमता की 2 अदद पैसेंजर लिफ्टों (निर्माताः मैसर्स भारत एलीवेटर्स एंड इंजीनियर्स प्रा. लि.) के लिए 3 वर्षों हेतु वार्षिक रखरखाव अनुबंध। निविदा मूल्य : रु. 6,74,947.68; बयाना राशि: रु. 13,500; क्रमांक 3, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1368-2026-27, दिनांक 24.07.2026; कार्य का विवरण: केएनजी-एलजीएल अनुभाग में बॉक्स पुशिंग सिस्टम के साथ आरसीसी बॉक्सों द्वारा सीमित ऊंचाई के सबवे (एलएचएस) के निर्माण द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 84 एवं 93 के उन्मूलन के साथ रूफ कवर्ड आरसीसी यू-ट्रॉफ। निविदा मूल्य : रु. 15,84,702; बयाना राशि: रु. 31,700; समापन अवधि: 12 महीने (क्रमांक 1 के लिए), 36 महीने (क्रमांक 2 के लिए) तथा 8 महीने (क्रमांक 3 के लिए)। बोली शुरू होने की तारीख: 03.08.2026। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 17.08.2026 को 14.00 बजे। निविदा सूचना का विस्तृत विवरण एवं समय-समय पर जारी संशोधनी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

(SDAH-151/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बंगाल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 99 बीडीओ का तबादला

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार ने ग्रामीण प्रशासन को मजबूत करने के उद्देश्य से बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 99 प्रखंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) का तबादला किया है. राज्य के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की. मई में विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद राज्य प्रशासन में लगातार बड़े स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं. इससे पहले वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस महकमे में व्यापक फेरबदल किया गया था. अब सरकार ने ग्रामीण प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी माने जाने वाले बीडीओ स्तर पर बदलाव शुरू किया है. सरकारी सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के कई निर्वाचित प्रधान और उपप्रधान नियमित रूप से कार्यालय नहीं आ रहे थे. इससे ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक सेवाओं और विकास कार्यों पर असर पड़ रहा था. इसी स्थिति को देखते हुए सरकार ने बड़े पैमाने पर बीडीओ का तबादला करने का निर्णय लिया. सूत्रों का कहना है कि नई नियुक्तियों में वर्ष 2018 से 2025 बैच के युवा पश्चिम बंगाल सिविल सेवा (डब्ल्यूबीसीएस) अधिकारियों को प्राथमिकता दी गई है. सरकार का मानना है कि युवा अधिकारियों की तैनाती से ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी. इसी बीच, पिछले सप्ताह विधानसभा ने पश्चिम बंगाल पंचायत (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया था. सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य पंचायत व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना है. विधेयक के तहत पश्चिम बंगाल पंचायत अधिनियम, 1973 की कई धाराओं में संशोधन किया गया है. इसके अनुसार, पंचायत के तीनों स्तरों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की बिल स्वीकृत करने और हस्ताक्षर करने की वित्तीय शक्तियों में कमी की जाएगी. अब निर्वाचित पंचायत प्रमुख केवल विकास प्रस्तावों को मंजूरी देंगे, जबकि भुगतान और बिलों की अंतिम स्वीकृति प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दी जाएगी. पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने विधानसभा में चर्चा के दौरान कहा कि इस संशोधन का उद्देश्य निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के संवैधानिक अधिकारों को कम करना नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी पर रोक लगाना है. उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं का संचालन अधिक पारदर्शी और निर्बाध होगा.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज़ कॉर्नर

धनबाद में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 25 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

धनबाद : प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध कोयला खनन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 स्थानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की. इस अभियान के लिए एऊकी 25 अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो केंद्रीय सुरक्षा बलों की निगरानी में विभिन्न ठिकानों पर जांच कर रही हैं. एऊकी कार्रवाई के दायरे में कोयला कारोबारी एलबी सिंह, अनिल गोयल, गणेश यादव, पप्पू मंडल, अनूप चौहान, हरेंद्र चौहान तथा पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रोहित यादव और उनके सहयोगियों के ठिकाने शामिल हैं. एजेंसी इन कारोबारियों पर अवैध कोयला खनन, अवैध परिवहन और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए कथित रूप से बेनामी संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की जांच कर रही है.छापेमारी के दौरान एऊकी टीमें आवासीय परिसरों और कार्यालयों में डिजिटल रिकॉर्ड, बैंक लेनदेन, वित्तीय दस्तावेजों तथा कोयला आउटसोर्सिंग से जुड़े अहम रिकॉर्ड की जांच कर रही हैं. अधिकारियों का फोकस कथित वित्तीय लेनदेन और अवैध कमाई के नेटवर्क का पता लगाने पर है.गौरतलब है कि इससे पहले नवंबर 2025 में भी इसी मामले में संबंधित कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी. उस कार्रवाई में 2.20 करोड़ नकद और 150 से अधिक जमीन से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए थे. फिलहाल एऊकी कार्रवाई जारी है और जांच के दायरे में कुछ स्थानीय अधिकारियों के भी आने की संभावना जताई जा रही है.

तीन अभियुक्त दोषी करार

औरंगाबाद: (बिहार) व्यवहार - न्यायालय, औरंगाबाद में प्रधान जिला जज, राजीव रंजन कुमार ने सेशन ट्राइल संख्या - 128 /20, बंदेया थाना कांड संख्या - 17 / 20 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को भारतीय दंड विधान की धारा - 324 में दोषी ठहराया है! इस संबंध में लोक अभियोजक ने बताया कि अभियुक्त शिवनंदन यादव, राज नंदन यादव, श्यामनंदन यादव, सुगी बेला निवासी, बंदेया को भारतीय दंड विधान की धारा - 324 में दोषी करार देते हुए परिवीक्षा का लाभ देते हुए डांट फटकार कर एक साल शांति व्यवस्था का बंध - पत्र लेकर छोड़ दिया गया है! प्राथमिकी सूचक रघुनंदन यादव और अभियुक्तगण गोतीया है! दिनांक 07 /08 /2020 को अभियुक्तों ने सूचक गण पर खतरनाक हथियार से चोट पहुंचाने के उद्देश्य से हमला किया था! वहीं इस संबंध में अधिवक्ता ने बताया है कि परिवीक्षा का लाभ अभियुक्तों को आचरण सुधार, अच्छा नागरिक बनने के मौक़ा देने, जिविका पार्जन के रोजगार जारी रखने के लिए और जेल में भीड़ कम करने के उद्देश्य से दिया जाता है!

दो माह सामुदायिक सेवा का आदेश

औरंगाबाद: (बिहार) किशोर न्याय बोर्ड, औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी सह ए.सी.जे.एम. सुशील प्रसाद सिंह ने जी आर संख्या - 306 / 25, जे.जे.बी. संख्या - 1016 / 26, दाउदनगर थाना कांड संख्या - 638 /25 में सुनवाई करते हुए एक विधि विरूद्ध किशोर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ओबरा में दो महीने तक सामुदायिक सेवा देने का आदेश दिया है! इस संबंध में अधिवक्ता ने बताया कि इस आदेश की एक प्रति प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ओबरा को भेजा जा रहा है, ताकि विधि विरूद्ध किशोर के सामुदायिक सेवा सुनिश्चित करवाएं, तथा उस अवधि में विधि विरूद्ध किशोर के पहचान गुप्त रखते हुए उसके आचरण और व्यवहार से संबंधित प्रतिवेदन किशोर न्याय बोर्ड में प्रस्तुत करें! सामुदायिक सेवा का आदेश विधि विरूद्ध किशोर को सामाजिक परिवेश से बाहर जाने से बचाना है! आचरण में शिष्टाचार लाना है!

फूड पॉइजनिंग से दो बच्चों सहित पांच की तबीयत बिगड़ी

उधवा : प्रखंड क्षेत्र के राधानगर अरुण मंडल टोला गांव में मंगलवार को फूड पॉइजनिंग के कारण एक ही परिवार के दो बच्चों सहित पांच लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई. जिसे परिजनों ने आनन-फानन में नजदीकी क्लीनिक में भर्ती कराया. प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के प्रदीप मंडल 57 वर्ष प्रिया कुमारी 32 वर्ष लक्ष्मी कुमारी 26 वर्ष सहित दो बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई. परिजनों ने बताया कि सुबह खाना खाने के कई घंटे के बाद अचानक एक-एक करके परिवार के पांचो सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी. उल्टी एवं पुरे शरीर में तेज दर्द जैसी समस्याएं होने लगी. इसके बाद परिजनों ने स्थानीय एक निजी क्लीनिक में इलाज के लिए भर्ती कराया. खबर लिखे जाने तक सभी का इलाज चल रहा था.

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के दासपुर थाना क्षेत्र के चांईपाट में मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान चांईपाट के बेलडांगा निवासी सुजय अधिकारी (28) के रूप में हुई है.प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार देर रात करीब 11 बजे सुजय अधिकारी गोपीगंज से चांईपाट की ओर मोटरसाइकिल से लौट रहे थे. फरिदपुर पेट्रोल पंप के सामने उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे बालू के ढेर तथा निर्माण सामग्री पर चढ़ गई. जोरदार टक्कर के बाद वह सड़क पर गिर पड़े और सिर समेत शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें आई.स्थानीय लोगों ने उन्हें सोनाखाली ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर बनी रही. बाद में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई. घटना के बाद तनाव की स्थिति बन गई.स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क किनारे बालू और निर्माण सामग्री रखे जाने के कारण दुर्घटना हुई. वहीं, कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि युवक तेज गति से मोटरसाइकिल चला रहा था.हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच शुरू कर दी है.

दान किए गए रक्त और प्लाज्मा की दूसरे राज्यों में तस्करी के आरोप

पश्चिम बर्दवान : पश्चिम बंगाल से स्वेच्छा से दान किए गए रक्त और प्लाज्मा को दूसरे राज्यों में अवैध रूप से भेजे जाने के आरोपों के बाद राज्य स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को व्यापक जांच अभियान शुरू किया. कोलकाता, नदिया, दुर्गापुर सहित राज्य के कई जिलों के अस्पतालों और निजी ब्लड बैंकों में एक साथ छापेमारी की गई.आरोप है कि रक्तदान शिविरों में एकत्र किए गए रक्त और प्लाज्मा का एक हिस्सा करोड़ों रुपये के बदले राज्य के बाहर भेजा जा रहा है. इन आरोपों की सत्यता की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अस्पतालों और ब्लड बैंकों के दस्तावेजों, स्टॉक रजिस्टर तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों की गहन जांच कर रहे हैं.राज्य के स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखर्जी ने बताया कि कई स्थानों पर एक साथ जांच अभियान चलाया जा रहा है. यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

हाई स्पीड कॉरिडोर परियोजना के डीपीआर पर समीक्षा बैठक आयोजित

परियोजना के तकनीकी, भूमि अधिग्रहण एवं पर्यावरणीय पहलुओं पर हुई विस्तृत चर्चा

पाकुड़:उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्रीमती मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में समाहरणालय में पश्चिम बंगाल- मोरग्राम - किशनगंज हाई स्पीड कॉरिडोर परियोजना के लिए तैयार किए जा रहे विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन डीपीआर के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की माननीय विधायक श्रीमती निसात आलम उपस्थित रहे.
बैठक में एनएचएआई द्वारा नियुक्त परामर्शी संस्था एम/एस वॉयंट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की. इस दौरान प्रस्तावित हाई स्पीड कॉरिडोर के संभावित अलाइनमेंट, सड़क की तकनीकी संरचना, पुल-पुलियों के निर्माण, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय प्रभावों तथा अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई.प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि प्रस्तावित हाई स्पीड कॉरिडोर का 13.83 किलोमीटर हिस्सा पाकुड़ जिले से होकर गुजरेगा, जिससे जिले के 19 गांव प्रभावित होंगे. परियोजना के लिए आवश्यक सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है.बैठक में माननीय विधायक श्रीमती निसात आलम ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास, बेहतर सड़क संपर्क एवं आर्थिक गतिविधियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है. उन्होंने डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया में स्थानीय आवश्यकताओं एवं जनहित के पहलुओं को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण सहित अन्य प्रक्रियाओं के दौरान प्रभावित ग्रामीणों के हितों का विशेष ध्यान रखा जाए तथा परियोजना का क्रियान्वयन सभी संबंधित विभागों के समन्वय से आगे बढ़ाया जाए.

निम्न दबाव से दीघा सहित तटीय पर्यटन स्थलों पर संकट

पूर्व मेदिनीपुर : बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के प्रभाव से दक्षिण बंगाल में जारी वर्षा और तेज हवाओं ने पूर्व मेदिनीपुर के समुद्री पर्यटन स्थलों की रौनक फीकी कर दी है. मंगलवार सुबह से ही तूफानी बारिश के वजह से दीघा, शंकरपुर, मंदारमणि और ताजपुर में समुद्र अत्यधिक उफान पर होने के कारण पर्यटक होटलों में ही रहने को विवश हैं.अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार, निम्न दाब के प्रभाव से क्षेत्र में लगातार वर्षा हो रही है. ज्वार के कारण समुद्र का जल सामान्य से अधिक भीतर तक पहुंच गया है, जिससे समुद्र तट पर जाना और समुद्र स्नान करना जोखिमपूर्णहो गया है. सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी है.प्रतिकूल मौसम के कारण पर्यटकों की समुद्र स्नान, समुद्र तट पर भ्रमण, सूर्योदय और सूर्यास्त देखने सहित अन्य पर्यटन योजनाएं प्रभावित हुई हैं.

8 दिनों बाद पकड़ाया 5:5 फीट लंबा स्पेक्टैकल कोबरा वन विभाग ने किया रेस्क्यू

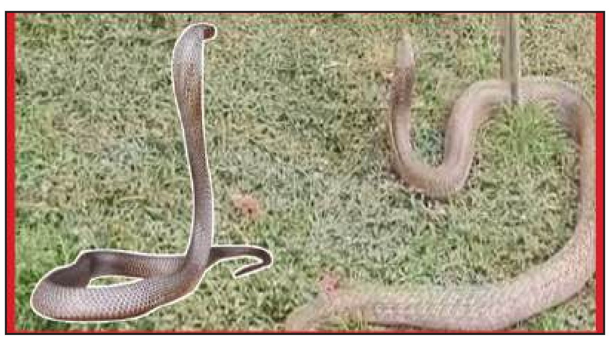

महेशपुर: प्रखंड के माधव मरांडी के घर में पिछले आठ दिनों से दहशत का कारण बना करीब 5.5 फीट लंबा स्पेक्टैकल कोबरा आखिरकार वन विभाग की स्नेक रेस्क्यू टीम के हत्थे चढ़ गया. इस खतरनाक विषैले सांप के पकड़े जाने के बाद पूरे परिवार के साथ-साथ आसपास के ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली. कई दिनों से लोग डर के साए में रह रहे थे और घर के आसपास निकलने से भी घबराते थे.आठ दिनों तक घर के आसपास छिपा रहा कोबरा ,माधव मरांडी ने बताया कि कोबरा पिछले आठ दिनों से कभी घर के आंगन, कभी मुर्गीखाने तो कभी आसपास की झाड़ियों में छिपा रहता था. हर दिन उसके दिखने की खबर से परिवार की चिंता बढ़ती जा रही थी. बच्चों और महिलाओं को अकेले बाहर निकलने से मना कर दिया गया था.परिवार के मुताबिक इस दौरान कोबरा ने एक-एक कर कुल 12 मुर्गियों को अपना शिकार बना लिया. इतना ही नहीं, अंडों पर बैठकर उन्हें से रही एक मुर्गी को भी उसने डस लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. लगातार हो रहे नुकसान और सांप के डर से परिवार पूरी तरह सहम गया था.**वन विभाग की टीम ने संभाला मोर्चा:**मामले की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की स्नेक रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची.
करीब 5.5 फीट लंबा और बेहद फुर्तीला स्पेक्टैकल कोबरा बार-बार अपनी जगह बदल रहा था, जिससे उसे पकड़ना आसान नहीं था. रेस्क्यू टीम ने पूरे धैर्य और सावधानी के साथ अभियान चलाया. काफी देर की मशक्कत के बाद आखिरकार सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया गया.**रेस्क्यू के बाद गांव में लौटी राहत:**जैसे ही कोबरा को सुरक्षित पकड़ लिया गया, माधव मरांडी के परिवार और आसपास के ग्रामीणों ने राहत महसूस की. लोगों ने स्नेक रेस्क्यू टीम की सराहना करते हुए कहा कि समय पर कार्रवाई नहीं होती तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था.
विशेषज्ञों की अपील खुद पकड़ने की कोशिश न करें
रेस्क्यू टीम और वन विभाग के विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि अगर घर, खेत या आसपास कोई विषैला सांप दिखाई दे तो उसे पकड़ने या मारने की कोशिश बिल्कुल न करें. ऐसी स्थिति में तुरंत वन विभाग या प्रशिक्षित स्नेक रेस्क्यू टीम को सूचना दें. सही समय पर दी गई जानकारी से न केवल लोगों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि सांप को भी सुरक्षित तरीके से उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सकता है.

नौकरी दिलाने का झांसा देकर 10 लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने का नामजद अरोपी को भेजा गया जेल

महेशपुर: थाना क्षेत्र के मुर्गाडांगा गांव में मिनी आंगनबाड़ी केंद्र में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 10 लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने का नामजद आरोपित महेशगढ़िया गांव निवासी होपनी हांसदा को महेशपुर पुलिस ने बीते रात को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया. स्वास्थ्य परीक्षण करा कर पाकुड़ जल भेज दिया गया. बताते चले कि आरोपित महिला के खिलाफ बीते दो मई 2026 को थाना क्षेत्र के चेतनटोला, मुर्गाडांगा निवासी सह वादिनी सुशांति किस्कू ने थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज करवाई थी. आरोपित होपनी हांसदा मुर्गाडांगा गांव कि आंगनबाड़ी सेविका है. वादिनी ने आवेदन में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2023 में आरोपित ने क्षेत्र के कई लोगों को यह कहकर अपने झांसे में लिया कि जल्द ही मिनी आंगनबाड़ी केंद्र शुरू होने वाला है, जिसमें सेविका एवं सहायिका के पदों पर बहाली की जाएगी. इसी प्रलोभन में आकर करीब 10 लोगों से 50 हजार करके एवं 30 हजार करके वसूली की गई थी.

एसपी अमित कुमार ने किया कोटालपोखर थाने का वार्षिक निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कोटालपोखर : साहिबगंज जिले में पुलिस व्यवस्था को अधिक चुस्त-दुरुस्त, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से सोमवार देर शाम पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने कोटालपोखर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने थाने की संपूर्ण कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रख-रखाव, लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति और प्रशासनिक व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया.निरीक्षण के क्रम में एसपी ने थाने में संधारित सभी पंजियों की गहनता से जांच की. जांच के दौरान जहाँ भी कमियाँ पाई गईं, उन्हें अविलंब दुरुस्त करने का सख्त निर्देश थाना प्रभारी को दिया गया. एसपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ङ्थाना केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का केंद्र नहीं है, बल्कि यह आम जनता के विश्वास का प्रतीक है. इसलिए प्रत्येक कार्य पूरी पारदर्शिता, समयबद्धता और जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए.पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए एसपी ने घोषणा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को विभाग की ओर से पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा. उन्होंने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और फरियादियों के साथ संवेदनशील व सहयोगात्मक व्यवहार पर विशेष जोर दिया. साथ ही कड़ा संदेश देते हुए चेतावनी दी कि कर्तव्य में लापरवाही या सरकारी रिकॉर्ड में किसी भी तरह की गड़बड़ी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी.
इस वार्षिक निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़हरवा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल, बड़हरवा प्रभाग के पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार, कोटालपोखर थाना प्रभारी पवन कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी व जवान मुख्य रूप से उपस्थित रहे.

मादक पदार्थों की बिक्री के विरोध में महिलाओं का प्रदर्शन

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के बेलदा थाना क्षेत्र के देउली अस्पताल रोड इलाके में कथित रूप से मादक पदार्थ और शराब की अवैध बिक्री के विरोध में स्थानीय महिलाओं ने लाठी-डंडों के साथ प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान एक पान-चाय की दुकान में तोड़फफोड़ किए जाने का भी आरोप है. घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया.स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि संबंधित दुकान पर लंबे समय से अवैध रूप से मादक पदार्थों की बिक्री की जा रही थी तथा रात के समय वहां नियमित रूप से शराब पीने वालों का जमावड़ा लगता था. उनका कहना है कि इससे क्षेत्र का युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में आ रहा है और अनेक परिवारों का वातावरण प्रभावित हो रहा है.महिलाओं ने बताया हमने रविवार को दुकान संचालक को इस गतिविधि को बंद करने की चेतावनी दी थी. इसके बावजूद सोमवार देर रात फिर से कथित रूप से नशे का अड्डा संचालित होने की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंची.प्रदर्शनकारी महिलाओं ने कड़ी चेतावनी दी कि देउली और आसपास के क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की मादक पदार्थों की बिक्री या नशे का अड्डा संचालित नहीं होने दिया जाएगा.

सारंडा में 30 घंटे से मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त : कारो नदी उफान पर

जमशेदपुर : सारंडा क्षेत्र में पिछले करीब 30 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है. किरीबुरू, मेघाहातुबुरु, गुवा, बड़ाजामदा, छोटानागरा, करमपदा और गंगदा समेत कई इलाकों में भारी जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है. जगह-जगह सड़कें अवरुद्ध हैं और नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. लगातार बारिश के कारण कारो नदी उफान पर है, जिससे नदी किनारे बसे लोगों में दहशत बढ़ गई है. मौसम का यही रुख जारी रहा तो निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति और गंभीर होने की आशंका है. भारी बारिश का सबसे ज्यादा असर गुवा-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग पर दिखाई दे रहा है. पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप स्थित बोकना पुल पूरी तरह पानी में डूब गया है. पुल के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी गुजर रहा है, जिसके कारण इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया है. लोगों को आने-जाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ रहा है. गुवा और बड़ाजामदा के बीच हाथी चौक होकर वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध है, लेकिन बोकना पुल वाला मुख्य मार्ग फिलहाल पूरी तरह बंद है. बारिश के बीच सड़क पर पेड़ गिरने से परेशानी और बढ़ गई है. गुवा-बड़ाजामदा मार्ग पर एक विशाल पेड़ गिरने से सड़क पूरी तरह अवरुद्ध हो गई. वहीं, गुवा वन कार्यालय के सामने मुख्य सड़क पर भी एक बड़ा साल का पेड़ गिर गया है. इसके कारण यातायात बाधित हो गया और लोगों को गुवा बाजार आने-जाने के लिए दूसरे रास्तों का उपयोग करना पड़ रहा है. बड़ाजामदा मिडिल स्कूल और फुटबॉल मैदान के आसपास भारी जलभराव के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है. लगातार बढ़ते पानी से स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है. सारंडा के करमपदा, छोटानागरा और गंगदा समेत अन्य निचले इलाकों में भी पानी भर गया है. कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित है और ग्रामीणों के बीच भय का माहौल बना हुआ है. लगातार हो रही बारिश का गंभीर असर सेल की गुवा लौह अयस्क खदान पर पड़ा है.
खदान के विभिन्न हिस्सों में पानी भरने से उत्पादन कार्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है. जीरो प्वाइंट समेत कई स्थानों पर भारी जलभराव के कारण मशीनें और वाहन पानी एवं मलबे में फंस गए हैं.
इससे खनन कार्य लगभग ठप होने की स्थिति में पहुंच गया है. गुवा प्रबंधन की 15 नंबर शॉवेल मशीन, डोजर, कैंपर वाहन समेत कई भारी उपकरण पानी में फंस गए हैं. खदान के भीतर बने शेल्टर हाउस, स्टोर और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों में भी पानी प्रवेश कर गया है. कई भारी वाहनों का आधा हिस्सा पानी में डूबा हुआ है. इससे करोड़ों रुपये की मशीनरी को नुकसान की आशंका बनी हुई है. बारिश का असर ग्रामीण इलाकों के कच्चे मकानों पर भी पड़ने लगा है. छोटानागरा पंचायत के दुबिल गांव निवासी रूइदास आईन्द के मिट्टी के घर की एक पूरी किनारे की दीवार बारिश के दौरान अचानक ढह गई. हादसे में परिवार के सभी सदस्य बाल-बाल बच गए और किसी को चोट नहीं लगी. हालांकि मकान को भारी नुकसान पहुंचा है. परिजनों का कहना है कि बारिश इसी तरह जारी रही तो घर की अन्य कमजोर दीवारें भी गिर सकती हैं. दीवार ढहने के बाद मकान का एक हिस्सा पूरी तरह खुल गया है. परिवार को बारिश के साथ-साथ सांप, बिच्छू और अन्य विषैले जीव-जंतुओं के घर में प्रवेश करने का भी डर सता रहा है. बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर परिजन विशेष रूप से चिंतित हैं. लगातार बारिश के कारण परिवार अपना सामान लेकर किसी सुरक्षित स्थान पर भी नहीं जा पा रहा है. स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि बारिश जारी रही और पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो कई अन्य घर भी जलमग्न हो सकते हैं.

बरहरवा में अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार, लोडेड देसी पिस्टल व संदिग्ध पदार्थ बरामद

साहिबगंज : मंगलवार को बरहरवा थाना कार्यालय में पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सिरासिंन गाँव की ओर से एक व्यक्ति टैम्पो में अवैध हथियार व अवैध प्रदार्थ लेकर आ रहे है.बरहरवा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. उसके कब्जे से एक लोडेड देसी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस तथा दो प्रकार के संदिग्ध पदार्थ बरामद किए गए हैं.पुलिस के अनुसार 28 जुलाई 2026 को सूचना मिली थी कि बरहरवा प्रखंड के ग्राम सिरासिन क्षेत्र में एक लाल टेंपो से अवैध हथियार एवं अन्य अवैध पदार्थ ले जाए जा रहे हैं. सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर गश्ती दल एवं फुटानी मोड़ स्थित पुलिस चेकनाका पर तैनात जवानों को वाहन की जांच का निर्देश दिया गया.तलाशी के दौरान पुलिस ने टेंपो से एक पांच जिंदा कारतूस से लोडेड देसी पिस्टल, सफेद रंग का एक संदिग्ध पदार्थ तथा गुलाबी रंग का एक अन्य संदिग्ध पदार्थ बरामद किया. बरामद हथियार एवं पदार्थों के संबंध में जब चालक से वैध कागजात मांगे गए तो वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका और संतोषजनक जवाब भी नहीं दे पाया.गिरफ्तार व्यक्ति ने अपना नाम एकराम मोमिन, पिता गियासुद्दीन मोमिन, निवासी धरमडांगा, पोस्ट-बेवा, थाना फरक्का, जिला मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) बताया.पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बरहरवा थाना लाया, जहां बरहरवा थाना कांड संख्या 194/26, दिनांक 28.जुलाई.2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-इ)(र), 26 एवं 35 में मामला दर्ज किया गया. पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है.
मामले के अन्य पहलुओं की जांच जारी है.**बरामद सामान:**
पांच जिंदा कारतूस से लोडेड एक देसी पिस्टलसफेद रंग का संदिग्ध पदार्थ
गुलाबी रंग का संदिग्ध पदार्थछापेमारी दल में बरहरवा थाना प्रभारी सह पुलिस अवर निरीक्षक सुमित कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक जलेन्दर रजक, हवलदार धर्मेन्द्र मड़ैया, हवलदार सुनील टुडू तथा बरहरवा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

सरस्वती सदन अपने स्थापना के प्लैटिनम जुबिली वर्ष (1951-2026) के अवसर पर एक विशेष समारोह का आयोजन

साहिबगंज : शहर की प्रतिष्ठित संस्था अनन्त कुमार सरस्वती सदन अपने स्थापना के प्लैटिनम जुबिली वर्ष (1951-2026) के अवसर पर एक विशेष समारोह का आयोजन करने जा रही है. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्था की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, ज्ञान-संस्कृति के संरक्षण में उसके योगदान तथा संस्थापक श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया के प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करना है.आयोजकों ने बताया कि 'एक अमर स्मृति एक गौरवशाली विरासत' विषय पर आयोजित इस समारोह में श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया के समाजसेवा, शिक्षा और सांस्कृतिक उत्थान में दिए गए योगदान को याद किया जाएगा. उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है और आज भी उनकी सोच नई पीढ़ी को ज्ञान एवं सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है.संस्था के अनुसार, भारतीय संस्कृति में ज्ञान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज की चेतना, संस्कृति और बौद्धिक विरासत के संवाहक होते हैं. इसी उद्देश्य के साथ स्थापित अनन्त कुमार सरस्वती सदन पिछले 75 वर्षों से साहिबगंज में ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित करते हुए साहित्य, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया का जन्म उत्तर प्रदेश के हाथरस के एक प्रतिष्ठित एवं संस्कारित मारवाड़ी परिवार में हुआ था. बाल्यकाल में वे अपने पिता मटरूमल लोहिया के साथ साहिबगंज आए, जहाँ उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई और बाद में उन्होंने समाज के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया.इस प्लैटिनम जुबिली समारोह के मुख्य अतिथि साहिबगंज के उपायुक्त दीपक कुमार दुबे होंगे. कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद, साहित्यकार, समाजसेवी तथा विभिन्न क्षेत्रों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे. समारोह के दौरान संस्था की 75 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा संस्थापक श्रद्धेय धन्नालाल जी लोहिया को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी. फोटो न 1

न्यूज कॉर्नर

डीएम ने टेकूना फॉर्म का स्थल भ्रमण किया

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा पशुपालन विभाग के अतिमहात्वकांक्षी योजना गोट-सीमेन स्टेशन (बकरी प्रजनन केन्द्र) के चाहर दिवारी में हो रहे कठिनाई के समाधान हेतु टेकूना फॉर्म, गया का मंगलवार को स्थल भ्रमण किया गया.निरीक्षण में एडीएम (राजस्व) पारितोष कुमार, सहायक समाहर्ता, जिला पशुपालन पदाधिकारी, सदर एसडीओ, सीओ बोधगया एवं गया समेत निर्माण एजेन्सी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.निरीक्षण के क्रम में डीएम ने संबंधित सीओ को सरकारी भूमि से अतिक्रमण जल्द से जल्द हटाने का निर्देश दिया.साथ ही भविष्य में अतिक्रमण नहीं हो, इसे सुनिश्चित करेंगे.विदित हो कि डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के गोट सेमेन स्टेशन, जो कि राष्ट्र का दुसरा गोट सेमेन स्टेशन है.इससे पूरे दक्षिण बिहार में किसानो के आय में इजाफा होगा. इस गोट सेमेन स्टेशन बनने से गोट में भी ए आई / कृत्रिम गर्भाधान करने की प्रक्रिया आरम्भ होगी.

डीएम ने सभी मुखिया के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की बैठक

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा गया जिला के सभी मुखिया के साथ पंचायत विकास संवाद कार्यक्रम का आयोजन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंगलवार को किया गया, जिसमें प्रखण्ड स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित हुए.डीएम द्वारा जिले के सभी माननीय मुखिया जी को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर एक-एक जनकल्याणकारी योजना का चयन कर समेकित प्रतिवेदन सूचीबद्ध करते हुए उपलब्ध कराने हेतु निदेश दिया गया ताकि क्षेत्र में भ्रमण के दौरान उक्त चयनित योजना का अनुश्रवण किया जा सके.साथ ही यह भी निदेशित किया गया है कि पंचायत में जो भी प्रमुख समस्याएं हैं, उसे सूचीबद्ध करते हुए संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को उपलब्ध करायेंगे.बीडीओ द्वारा सभी योजनाओ/ प्रस्ताव को समेकित कर तीन दिनों के अन्दर जिला पंचायत राज कार्यालय, गया को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे.सभी पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि अपने-अपने विभाग से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराना सुनिश्चित करेंगे.

डीएम ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएँ

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने समाहरणालय स्थित नवनिर्मित प्रतीक्षालय में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 100 से अधिक आमजनों की समस्याएँ सुनीं.इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, पेंशन योजना, मुआवजा, घरेलू हिंसा, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने डीएम के समक्ष रखा.डीएम ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और प्रत्येक विभागीय पदाधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें.

लाइन डे का आयोजन किया गया

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : मंगलवार को पुलिस लाइन, गया में एसएसपी सुशील कुमार की अध्यक्षता में लाइन डे का आयोजन किया गया.इस अवसर पर पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके त्वरित, निष्पक्ष एवं विधिसम्मत निराकरण हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए.साथ ही पुलिसकर्मियों के कल्याण, अनुशासन, कार्यकुशलता, सेवा-हित एवं कार्यालयीन कार्यों के प्रभावी निष्पादन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए. वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को जनहित एवं कानून-व्यवस्था संधारण के प्रति पूर्ण निष्ठा, संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया.

ग्रामीण एसपी ने पर्यवेक्षण गृह का निरीक्षण किया

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के एसएसपी सुशील कुमार के निर्देशन में ग्रामीण एसपी दिव्यांजलि जायसवाल द्वारा पर्यवेक्षण गृह का निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों, उपलब्ध सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया गया. इस क्रम में संबंधित पदाधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने, निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने तथा पर्यवेक्षण गृह में रह रहे बच्चों के हितों, सुरक्षा एवं समुचित देखभाल से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का प्रभावी एवं संवेदनशील ढंग से संचालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

आमजनों की शिकायतें सुनी गई

युवा शक्ति न्यूज

गया : सीटी एसपी अभिनव के द्वारा मंगलवार को जनता दरबार में आमजनों की शिकायतें सुनी गई.जिसमें फरियादी अपनी-अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए.सीटी एसपी के द्वारा सभी लोगों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना गया और उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए.वहीं ग्रामीण एसपी दिव्यांजलि जायसवाल के द्वारा जनता दरबार में आमजनों की शिकायतें सुनी गई. जिसमें फरियादी अपनी-अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए.ग्रामीण एसपी के द्वारा सभी लोगों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना गया और उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए.

32 साल बाद घर लौटे केनारचट्टी के साधु शर्मा

युवा शक्ति न्यूज

वजीरगंज(गया) : प्रखंड के केनारचट्टी गांव निवासी साधु शर्मा के 32 वर्षो बाद वापस लौटने पर गांव में खुशी की लहर है.साधु शर्मा के आगमन की सूचना मिलते ही नंदवंशी सामाजिक मंच के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने उनसे मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना.इस अवसर पर नंदवंशी समाज के प्रखंड अध्यक्ष मनोज शर्मा उर्फ विद्यासागर, जिला उपाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी प्रभाकर कुमार, मिथलेश शर्मा, विजय नंदवंशी, मोहन शर्मा, शैलेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे.32 साल बाद अपने परिजन को वापस देख परिजनों और पूरे गांव में जश्न का माहौल है.सभी ने ईश्वर का शुक्रिया अदा किया.

गृह विभाग, बिहार सरकार द्वारा जारी किया गया प्रेस विज्ञप्ति

औरंगाबाद: (बिहार) सोमवार दिनांक - 27 जुलाई 2026 को गृह विभाग, बिहार - सरकार द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया है! जिसमें कहा गया है कि नीट / यूजी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के संदर्भ में चल रहे विरोध प्रदर्शनों एवं उससे उद्भूत परीक्षा व्यवस्था एवं उच्च शिक्षा क्षेत्र में जवाबदेही और सुधार की मांगों के मद्देनजर बिहार - सरकार द्वारा निम्नलिखित आश्वासन दिया गया है! जिसमें कहा गया है कि दिनांक - 26.07.2026 के संध्या 6:00 बजे से पहले तक बिहार राज्य के किसी भी हिस्से में इस विरोध प्रदर्शन में शामिल व्यक्तियों के विरुद्ध सरकार कोई भी दंडात्मक, प्रतिशोधात्मक अथवा प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी! उक्त प्रतिरोध के दौरान दिनांक - 26.07.2026 को संध्या 6:00 बजे के पूर्व व्यक्तियों के विरुद्ध दर्ज सभी प्राथमिकी, परिवाद या कारण बताओं नोटिस को वापस लेने के लिए विधिक प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाएगी! दिनांक - 26.07.2026 की संध्या 6:00 बजे के पूर्व दर्ज सभी कांडों में गिरफ्तार एवं निरोधित सभी व्यक्तियों को शीघ्र मुक्त किया जाएगा! दिनांक - 26.07.2026 की संध्या 6:00 बजे के पूर्व दर्ज कांडों में कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष कार्रवाई कांडों में नामित व्यक्तियों के विरुद्ध भविष्य में भी नहीं की जाएगी! ज्ञात हो कि यह प्रेस विज्ञप्ति गृह विभाग, बिहार - सरकार (भा.पु.से.) के विशेष सचिव, क्षत्रनील सिंह द्वारा जारी किया गया है!

झाड़ग्राम में बज गया जनगणना-2027 का बिगुल

1 अगस्त से शुरू ऑनलाइन स्व-गणना अभियान, घर बैठे भर सकेंगे अपना विवरण

झाड़ग्राम : देश की पहली पूरी तरह डिजिटल 'जनगणना-2027' के तहत पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले में तैयारियां तेज़ हो गई हैं. राज्य भर के साथ-साथ झाड़ग्राम में भी 1 अगस्त से 14 अगस्त तक 14 दिवसीय ऑनलाइन स्व-गणना अभियान का पहला चरण शुरू होने जा रहा है. इस व्यवस्था के तहत नागरिक अब घर बैठे अपने मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर के माध्यम से अपने परिवार का विवरण पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे. जिला अधिकारी डॉ. आकांक्षा भास्कर ने आज अपने कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 1 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक जिले के नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपने परिवार और सदस्यों से संबंधित जानकारी दर्ज कर सकेंगे. उन्होंने बताया कि झाड़ग्राम जिले की अनुमानित जनसंख्या 13,57,835 है. जनगणना कार्य को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले में 3,626 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) बनाए गए हैं. इसके अलावा, 1,912 प्रगणकों और 326 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है. किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त रिजर्व कर्मियों की भी व्यवस्था की गई है. जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को

प्रशिक्षित करने के लिए 54 प्रशिक्षण बैचों का गठन किया गया है, जिनके माध्यम से चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा.

डॉ. भास्कर ने बताया कि इस बार नागरिकों se.census. gov.in पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने का अवसर दिया गया है.

स्व-गणना के लिए सबसे पहले पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा. इसके बाद परिवार का पंजीकरण, भाषा का चयन, जीपीएस के माध्यम से आवास का सत्यापन तथा डिजिटल मानचित्र पर घर का स्थान चिन्हित करना होगा. इसके पश्चात निर्धारित प्रश्नावली में परिवार और उसके सभी सदस्यों की जानकारी भरकर उसकी समीक्षा करनी होगी तथा अंतिम रूप से ऑनलाइन सबमिट करना होगा. डीएम ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना-2027 में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाएं. संवाददाता सम्मेलन के दौरान एडीएम गोविंदो दत्ता, डीपीएलओ बिजय सरकार, ड़ीपीआरडीओ सुरोजीत भट्ट, राज्य स्तरीय जनगणना अधिकारी चन्दन दाँव, मोईनक साहा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे. संवाददाता सम्मेलन के पश्चात जनजागरूकता के उद्देश्य से एक प्रमोशनल सेल्फी ज़ोन तथा पूर्व की जनगणनाओं से संबंधित दुर्लभ तस्वीरों की विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ आकांक्षा भास्कर नें फीता काट कर किया.

आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा फेरबदल, 14 पुलिस अधिकारियों का किया गया तबादला

पश्चिम बर्दवान : आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट (एडीपीसी) में पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है.

पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश (सीओ संख्या 2979/2026) के अनुसार 28 जुलाई 2026 से 14 पुलिस अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं. सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है.

जारी आदेश के अनुसार कोक ओवन थाना के प्रभारी एसआई (यूबी) बिजय दलापति को डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी), एडीपीसी भेजा गया है.वहीं, हीरापुर थाना में तैनात एसआई (यूबी) अंजन मंडल को कोक ओवन थाना का नया प्रभारी बनाया गया है.

चुरुलिया आउट पोस्ट के प्रभारी एसआई (यूबी) बुद्धदेव गाइन का तबादला आसनसोल दक्षिण थाना किया गया है. बिधाननगर आउट पोस्ट के प्रभारी एसआई (यूबी) सुकांत दास को जामुड़िया टीजी का प्रभारी नियुक्त किया गया है.

दुर्गापुर थाना के एसआई (यूबी) सुराफुद्दीन मंडल को चुरुलिया आउट पोस्ट का प्रभारी बनाया गया है, जबकि डिटेक्टिव डिपार्टमेंट में तैनात एसआई (यूबी) सौमेन कुंडू को बिधाननगर आउट पोस्ट का प्रभारी बनाया गया है.

स्पेशल ब्रांच से एसआई (यूबी) स्वरूप मुखर्जी का तबादला हीरापुर थाना किया गया है. जामुड़िया टीजी के प्रभारी एसआई (एबी) अनूप कुमार हाटी को दुर्गापुर ईएफ लाइंस भेजा गया है. दुर्गापुर थाना के एसआई (यूबी) सुरजीत सरकार को स्पेशल ब्रांच में नियुक्त किया गया है.हीरापुर थाना के एसआई (यूबी) देबाशीष पंडित तथा पांडवेश्वर थाना के एसआई (यूबी) सुभाशीष बनर्जी को डिटेक्टिव डिपार्टमेंट में भेजा गया है. स्पेशल ब्रांच के एसआई (यूबी) देवदास मुखर्जी को पांडवेश्वर थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि बाराबनी थाना के एसआई (यूबी) खांडेकर समसुजोहा का तबादला स्पेशल ब्रांच में किया गया है.इसके अलावा लाइन ओआर, एडीपीसी में तैनात पीएसआई (यूबी) स्वपन नाग का पूर्व स्थानांतरण आदेश (सीओ संख्या 2771/2024, दिनांक 2 अगस्त 2024) रद्द कर उन्हें दुर्गापुर थाना में नियुक्त किया गया है.

रामपुर चेकपोस्ट अवैध वसूली मामले दो आरोपितों को चार दिनों की न्यायिक हिरासत

पश्चिम बर्दवान : राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर कुल्टी के चौरंगी मोड़ स्थित रामपुर चेकपोस्ट पर कथित 'डंडा टैक्स' के नाम पर अवैध वसूली मामले में गिरफ्तार दो मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को दो दिनों की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद मंगलवार को एक बार फिर आसनसोल जिला अदालत में पेश किया गया. गिरफ्तार पुलिसकर्मियों के नाम अरिंदम बनर्जी और नाजिमुल हक है. आसनसोल -दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी) ने ट्रकों से कथित रूप से अवैध वसूली करने के आरोप में इन्हें गिरफ्तार किया था.सूत्रों के अनुसार, इससे पहले रविवार को दोनों आरोपितों को वर्चुअल माध्यम से आसनसोल अदालत में पेश किया गया था, जहां अदालत ने उन्हें दो दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया था.मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के परिवहन विभाग ने दोनों मोटर व्हीकल इंस्पेक्टरों को पहले ही निलंबित कर दिया है. पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है. वहीं, अदालत ने दोनों आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर चार दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया.

पुरुलिया रेलवे स्टेशन से नाबालिग बरामद

पुरुलिया : राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने पुरुलिया रेलवे स्टेशन से एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित बरामद कर उसे आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद संरक्षण गृह भेज दिया.पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई सोमवार की शाम पुरुलिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफ फार्म संख्या-दो पर एक नाबालिग बालिका अकेले और उद्देश्यहीन अवस्था में घूमती हुई मिली. ड्यूटी पर तैनात जीआरपी कर्मियों ने उसे अपने संरक्षण में लेकर स्टेशन स्थित बाल हितैषी कक्ष में पहुंचाया,

पुरुलिया में 322 किलोग्राम गांजा बरामद, सात गिरफ्तार

पुरुलिया : पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 322 किलोग्राम गांजा बरामद किया है तथा इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है. बरामद मादक पदार्थ की कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है.पुलिस के अनुसार, सोमवार देर रात गोविंदपुर-बालासोर राष्ट्रीय राजमार्ग-18 पर पुरुलिया शहर के प्रवेश मार्ग के निकट बेलकुड़ी रामकृष्ण मिशन के पास अभियान चलाया गया. इस दौरान एक ट्रक और उसके आगे-पीछे चल रही दो छोटी गाड़ियों को रोककर तलाशी ली गई.

जांच में ट्रक के निचले हिस्से में विशेष रूप से बनाई गई गुप्त कोठरी का पता चला. स्थानीय प्रशासन और प्रत्यक्षदर्शियों की उपस्थिति में कोठरी खोली गई, जिसमें छोटे-छोटे पैकेटों में छिपाकर रखा गया 322 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ. इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र से मौके पर ही मादक पदार्थ का वजन किया गया.पुलिस ने इस कार्रवाई में शामिल सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है. इनमें तीन पश्चिम बंगाल, एक ओडिशा और तीन बिहार के निवासी बताए गए हैं.

सभी आरोपितों की आयु 32 से 48 वर्ष के बीच है.पुरुलिया जिला पुलिस ने बताया कि इस अभियान में विशेष अभियान दल (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) की महत्वपूर्ण भूमिका रही. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मादक पदार्थ को गुप्त कोठरी बनाकर दूसरे राज्य में पहुंचाने की तैयारी थी. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसका अंतिम गंतव्य क्या था. साथ ही इस अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है.

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर पुलिस दल को बधाई दी. उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध राज्य की कानून-व्यवस्था एजेंसियां समन्वित और प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं तथा ऐसे अपराधों के प्रति 'शून्य सहिष्णुता' की नीति अपनाई गई है.

अवैध शराब बिक्री के आरोप में एक गिरफ्तार, भारी मात्रा में देशी एवं विदेशी शराब बरामद

पश्चिम बर्दवान : दुर्गापुर के कोक ओवन थाना क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. आरोपित की पहचान करंगपाड़ा निवासी कमलेश हाजरा के रूप में हुई है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सरकारी नियमों के तहत वैध लाइसेंस या आबकारी विभाग की अनुमति के बिना शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है. इसके बावजूद कमलेश हाजरा पर लेनिन सरणी स्थित एक दुकान से रात के समय शराब बेचने का आरोप था.

मंगलवार को मिली सूचना के आधार पर कोक ओवन थाना पुलिस ने संबंधित दुकान पर छापेमारी की. कार्रवाई के दौरान आरोपित को हिरासत में लिया गया. पूछताछ के बाद उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया. छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी मात्रा में देशी और विदेशी शराब बरामद की है.पुलिस के अनुसार, आरोपित के खिलाफ आबकारी अधिनियम तथा अन्य संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

राजस्थान से लौटते समय लापता हुआ पांशकुड़ा का प्रवासी श्रमिक, जांच तेज

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के पांशकुड़ा थाना क्षेत्र के देहाटी गांव निवासी प्रवासी श्रमिक संतु मंडल राजस्थान से घर लौटते समय रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए हैं. परिवार की शिकायत पर हावड़ा रेल जीआरपी तथा पांशकुड़ा जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है. पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है, लेकिन मंगलवार सुबह तक उनका कोई सुराग नहीं मिल सका है.परिजनों के अनुसार, संतु मंडल 16 जुलाई को रथयात्रा के दिन काम की तलाश में राजस्थान के जोधपुर गए थे. कुछ दिन बाद उन्होंने घर लौटने का निर्णय लिया. परिवार ने कहा कि 23 जुलाई की रात 11:55 बजे जोधपुर-हावड़ा एक्सप्रेस में सवार होने के बाद उन्होंने अपने चचेरे भाई को फोन कर इसकी जानकारी दी थी, जिससे परिवार निश्चिंत हो गया. अगले दिन सुबह लगभग 10 बजे संतु ने फिर फोन किया और बताया कि दो व्यक्ति उनका पीछा कर रहे हैं. कुछ देर बाद उन्होंने दोबारा फोन कर कहा कि उनका रेल टिकट छीन लिया गया है तथा तत्काल 500 रुपये भेजने को कहा. परिजनों ने फोनपे के माध्यम से 500 रुपये भेज दिए, लेकिन इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया. तब से परिवार का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है.घटना के बाद परिजन पहले पांशकुड़ा थाना पहुंचे, जहां से उन्हें हावड़ा रेल जीआरपी से संपर्क करने की सलाह दी गई. इसके बाद हावड़ा रेल जीआरपी में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई. साथ ही पांशकुड़ा जीआरपी में भी शिकायत दी गई है.पुलिस ने संतु मंडल की तलाश शुरू कर दी है और रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है. हालांकि अब तक उनका कोई पता नहीं चल सका है.इधर, एकमात्र पुत्र के लापता होने से उनकी विधवा मां गहरे सदमे में हैं. उन्होंने प्रशासन से शीघ्र संतु मंडल का पता लगाकर उन्हें सुरक्षित घर लौटाने की गुहार लगाई है.

ग्रामीणों का आरोप- बच्चों व बुजुर्गों में श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ा

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा में पत्थर खनन के विरोध में पारंपरिक हथियारों के साथ सैकड़ों ग्रामीणों ने मंगलवार को डीसी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया. ग्रामीण पारंपरिक हथियारों के साथ जुलूस की शक्ल में डीसी कार्यालय पहुंचे और खनन बंद करने की मांग की. इस आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की पुत्री दुखनी सोरेन ने किया. प्रदर्शन के दौरान खनन बंद करो, क्रशर भगाओ, फेफड़े और खेत बचाओ, हमारा गांव, हमारा राज और ना लोकसभा, ना विधानसभा, सबसे बड़ा ग्रामसभा जैसे नारे लगाए गए. ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि खनन कार्य शुरू करने से पहले ग्रामसभा की सहमति नहीं ली गई. उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले भी जिला प्रशासन को शिकायतें सौंपी गई थीं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. प्रदर्शन के दौरान ग्रामीण अपने साथ एक लंगड़ी भेड़ भी लेकर पहुंचे. उनका दावा था कि पत्थर क्रशर से उड़ने वाली धूल और प्रदूषण का

असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशुओं पर भी पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि गांव में दिव्यांग मवेशी जन्म ले रहे हैं और बच्चों व बुजुर्गों में श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है.प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि निर्धारित सीमा से अधिक खनन, धूल, प्रदूषण और विस्फोटों से खेती, पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है. उनका यह भी कहना है कि ग्रामसभा की सहमति के बिना खनन कार्य किया गया. ग्रामीणों ने मांग की है कि पत्थर खनन और क्रशर संचालन तत्काल बंद किया जाए, अन्यथा आंदोलन और तेज किया जाएगा. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पटमदा के ओड़िया मौजा के लायाडीह, चिरूडीह और ओड़िया टोला में पिछले लगभग 20 वर्षों से बड़े पैमाने पर पत्थर खनन जारी है. उनका दावा है कि खाता संख्या 624 के प्लॉट संख्या 4546 की 10 एकड़ और प्लॉट संख्या 988 की 8 एकड़ भूमि के लिए स्वीकृति होने के बावजूद, निर्धारित सीमा से कहीं अधिक क्षेत्र में खनन किया जा रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि खदान के आसपास स्कूल, आवासीय मकान और धार्मिक स्थल स्थित हैं. इसके अतिरिक्त, गांव के बीच से 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन भी गुजरती है. ऐसे में खनन के दौरान होने वाले विस्फोटों से किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है. प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि अविलंब पत्थर खनन और क्रशर संचालन बंद नहीं कराया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे.

विद्युत संरचनाओं की सुरक्षा एवं चोरी की रोकथाम को लेकर मुख्य सचिव ने की समीक्षा

औरंगाबाद: (बिहार) सोमवार दिनांक - 27 जुलाई 2026 को मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में राज्य के सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विद्युत आपूर्ति उपकरणों की सुरक्षा, विद्युत संरचनाओं की चोरी की रोकथाम तथा इस संबंध में की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई.इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में औरंगाबाद जिला से जिला पदाधिकारी, श्रीमती अभिलाषा शर्मा (भा.प्र.से.) के साथ उप विकास आयुक्त, कुमारी अनुपम सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, गौरव सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर, अमित राजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, श्वेतांक लाल, सिविल सर्जन तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

इस बैठक में अवगत कराया गया कि कृषि फीडर, 33 के.वी. एवं 11 के.वी. विद्युत लाइन, वितरण ट्रांसफार्मर (डी.टी.आर.), एल.टी. ए.बी. केबल, कंडक्टर एवं अन्य विद्युत संरचनाओं की चोरी अथवा क्षति से विद्युत आपूर्ति बाधित होती है, राजस्व की हानि होती है, मरम्मत कार्य में अतिरिक्त समय एवं व्यय लगता है, तथा किसानों एवं आम उपभोक्ताओं को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है.

समीक्षा के दौरान बताया गया कि राज्य में अब - तक 1,228 स्थलों पर विद्युत संरचनाओं की क्षति दर्ज की गई है, तथा 798 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं. इस दौरान लगभग 42 किलोमीटर 33 के.वी. लाइन, 2,748 किलोमीटर

11 के.वी. लाइन तथा 1,177 किलोमीटर एल.टी. ए.बी. केबल क्षतिग्रस्त अथवा चोरी से प्रभावित हुई है. वहीं 1,680 वितरण ट्रांसफार्मर क्वायल अथवा तेल चोरी के कारण प्रभावित हुए हैं. बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार औरंगाबाद जिले में अब - तक विद्युत संरचना क्षति के 02 स्थल चिन्हित हुए हैं, तथा 02 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं. जिले में लगभग 3.70 किलोमीटर 11 के.वी. विद्युत लाइन एवं 02 किलोमीटर एल.टी. ए.बी. केबल प्रभावित हुई है, जबकि ट्रांसफार्मर की क्वायल अथवा तेल चोरी की कोई घटना दर्ज नहीं हुई है.मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्युत संरचना की चोरी एवं क्षति की घटनाओं की रोकथाम हेतु पुलिस एवं विद्युत विभाग के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाए. चोरी प्रभावित क्षेत्रों, कृषि फ़ीडरों एवं विद्युत उपकेंद्रों के आसपास नियमित गश्ती, सतत निगरानी एवं विशेष चौकसी सुनिश्चित की जाए. साथ ही दर्ज प्राथमिकी का त्वरित अनुसंधान, अभियोजन की प्रभावी कार्रवाई तथा संगठित रूप से चोरी करने वाले गिरोहों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए. सीमावर्ती एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का भी निर्देश दिया गया. ध्यातव्य हो इस बैठक के उपरांत जिला पदाधिकारी, श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में विद्युत अवसंरचनाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विद्युत विभाग एवं पुलिस - प्रशासन के बीच सतत समन्वय बनाए रखा जाए.

विद्युत संरचनाओं की चोरी अथवा क्षति की किसी भी घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, तथा दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | बुधवार | 29 जुलाई, 2026

चैंपियन चानू की तिकड़ी

आज एक चैंपियन बेटी और चैंपियन की दहलीज पर खड़े बेटे की खेल-सफलताओं को सलाम करेंगे, जो मणिपुर जैसे हिंसाग्रस्त और जातीय तनाव से दपदपाते राज्य से आते हैं. बेटी मीराबाई चानू विश्व विख्यात भारोत्तोलक हैं. उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों के 96 साल के इतिहास में एक नया मील-पत्थर स्थापित किया है, जब उन्होंने लगातार तीसरी बार (2018, 2022, अब 2026) स्वर्ण पदक जीता है. यह संयोग ही है कि तीनों बार भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक चानू बेटी ने ही जीता है. यकीनन मां भारती उल्लास और गर्व से डबडबा रही होंगी, क्योंकि 'जन गण मन' की धुन सुनते और 'तिरंगे' के सम्मान को देख कर बेटी चानू की आंखें भी भर आई थीं. ऐसा कीर्तिमान रचने वाली चानू अपने भार-वर्ग में विश्व की प्रथम महिला भारोत्तोलक हैं. मणिपुर के ही ऋषिकांत सिंह ने भी 60 किग्रा. भार-वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का रजत पदक जीता और यकीनन भारत को गौरवान्वित किया. उन्होंने कुल 264 किलो वजन उठाया. यदि उनके घुटने में कोई दिक्कत न होती और उन्हें संघर्ष नहीं करना पड़ता, तो वह भी 'स्वर्णिम चैंपियन' होते! क्लीन एंड जर्क में उनकी आखिरी दो कोशिशें चूक गईं, नहीं तो ऋषिकांत के गले में भी स्वर्ण पदक झूल रहा होता! बहरहाल हम इस उपलब्धि से भी खुश हैं और 'महान' करार देते हैं. हमने शुरुआत में ही लिखा था कि बेटा चैंपियन बनने की दहलीज पर खड़ा है, ऋषिकांत ने उसे बहुत कुछ सटीक साबित कर दिया. वैसे वह 2025 की कॉमनवेल्थ वेट लिफ्टिंग चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं, जहां उन्होंने 271 किग्रा. वजन उठा कर 'राष्ट्रीय कीर्तिमान' स्थापित किया. उन्होंने अब राष्ट्रमंडल खेलों की इस प्रतिस्पर्द्धा में स्नैच में 121 किग्रा. वजन उठा कर बेशक उस कीर्तिमान की बराबरी की है. वाह, शाबाश!! बेटा ऋषि!! क्या यह चैंपियन वाला प्रदर्शन नहीं है? मीराबाई चानू और ऋषिकांत दोनों ही गरीब घरों और छोटे गांवों से आते हैं. अभाव सहे हैं, तकलीफें झेली हैं, संकट में घिरे जीवन को जिंदा रखा है और यही उनकी मजबूती और आंतरिक, मानसिक ताकत रही है. ऋषि के पिता टैक्सी चलाते थे और ऋषि 40 किमी. साइकिल चला कर प्रशिक्षण के लिए जाते थे. चानू ने बचपन में बांस के डंडे ढोये हैं. वे ही उनका प्रथम, बुनियादी अभ्यास था, जिसने उन्हें विश्वस्तरीय भारोत्तोलक बना दिया. चानू ने 2020-21 के टोक्यो ओलिंपिक खेलों में भारोत्तोलन का रजत पदक जीता था, लेकिन 2024 के पेरिस ओलिंपिक खेलों में वह पदक से चूक गईं, नतीजतन निराशा, हताशा, पराजय महसूस की होगी. शरीर ने भी कई जगह जवाब दे दिया, लिहाजा चानू को ऑपरेशन और इलाज के एक लंबे दौर से भी गुजरना पड़ा. अंततः 2025 की कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में चानू ने स्वर्ण पदक जीत कर अपनी वापसी की धमाकेदार घोषणा की. राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीन बार चैंपियन बनने के जरिए चानू ने साबित कर दिया कि अब वह 2028 के ओलिंपिक खेलों के लिए तैयार हैं. मणिपुर और भारतीय भारोत्तोलन के ये दोनों खिलाड़ी वाकई योद्धा हैं. आज तक 48 किग्रा. भार-वर्ग में स्नैच में 85 किलो और क्लीन एंड जर्क में 105 किलो, अर्थात कुल 190 किलो का वजन किसी भी महिला खिलाड़ी ने नहीं उठाया है. एक ही दिन में, एक ही प्रतिस्पर्द्धा के दौरान, ये तीनों कीर्तिमान भी अब चानू के नाम हैं. इन दोनों खिलाड़ियों के हुनर, अभ्यास, मेहनत, संकल्प को बार-बार सलाम है. ये वाकई 'गुदड़ी के लाल' हैं. चानू को खेल के तमाम प्रतिष्ठित सम्मान दिए जा चुके हैं, लेकिन 'अर्जुन अवार्ड' शेष है. बचपन में उसी के सपने देखते वह इतनी बड़ी खिलाड़ी बनी हैं, तो इस सम्मान से भी वंचित क्यों रखा जाए? बहरहाल राष्ट्रमंडल खेलों की अभी शुरुआत हुई है. अभी तो भारत के हिस्से कई और पदक आने हैं, हालांकि कुश्ती, बैडमिंटन, निशानेबाजी सरीखे मुकाबलों को इन खेलों से बाहर कर दिया गया है, न जाने क्यों? और जब ये खेल ओलिंपिक खेलों में शामिल हैं, तो राष्ट्रमंडल के स्तर पर यह शरारत क्यों की गई? बहरहाल भारत भी अब खेल और चैंपियन खिलाड़ियों का गढ़ बनता जा रहा है. टी-20 क्रिकेट के हम विश्व चैंपियन और नंबर वन टीम हैं. स्क्वॉश में अनाहत सिंह जूनियर स्तर पर विश्व चैंपियन बनी हैं. शतरंज के विश्व चैंपियन गुकेश भी भारतीय हैं. कई सुखद खबरें आनी शेष हैं! बहरहाल, भारत को अगर खेल के क्षेत्र में चमकना है, तो खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को माकूल सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी.

साधन पथ प्रदर्शक हैं गुरु, किन्तु साध्य नहीं

– डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

सद्गुरु पूजनीय, वंदनीय और पथ प्रदर्शक हैं, वह शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला और परमात्म प्राप्ति हेतु साधन का दिग्दर्शन कराने वाला महापुरुष है. वह केवल गुरु ही है, जो अपने शिष्य में पिंड से लेकर ब्रह्मांड तक दर्शन की क्षमता विकसित करता है, गुरु ही अपने शिष्य को कर्म ज्ञान और भक्ति का यथार्थ दर्शन कराता है, जिसके सहारे शिष्य अध्यात्म के उस शिखर पर पहुंच सकता है, जहां जाने के बाद सांसारिक सुख-समृद्धि और वैभव तुच्छ दिखाई देने लगते हैं किंतु वह साध्य नहीं है और न ही ध्येय हो सकता है. ध्येय है, सर्वव्यापी, निर्विकार, निराकार और नियंता, परब्रह्म परमात्मा. गुरु का महत्व समझाते हुए अक्सर इन पंक्तियों को भी उद्धृत किया जाता है. संत कबीरदास का यह प्रसिद्ध दोहा गुरु की महिमा का बखान करता है- ***गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पायँ. बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बतायँ.*** (गुरु और ईश्वर दोनों एक साथ खड़े हों तो पहले किसे प्रणाम करना चाहिए? ऐसे में गुरु के चरण पहले छूने चाहिए क्योंकि गुरु ने ही हमें ईश्वर तक पहुँचने का सही मार्ग और ज्ञान दिया है.) यह सद्गुरु की महिमा है किंतु इस उक्ति का अभिप्राय ऐसा नहीं लिया जाना चाहिए कि गुरू ने गोविंद का पथ बतलाया है इसलिए उन्हें ही पकड़ कर बस वहीं ठहर जाना चाहिए बल्कि इसको इस रूप में लिया जाना चाहिए कि हम उस गुरु को पहले वंदन करें जो गोविन्द को बताता पर हट गए कि देख यह सीधा सरल रास्ता गोविन्द की ओर ही जा रहा है, तू इसे पकड़ ले. तो हम उस गुरु को प्रथम प्रणिपात करें, जिन्होंने गोविन्द को पा लेने का मार्ग बताया और अलग हट गए, कि देख गोविन्द तुझे ऐसे मिलेंगे. सद्गुरु कहता है कि अब मेरी आवश्यकता रह ही नहीं जाती है. मेरे द्वारा जो पथ बताया गया है, उस पथ पर ही चलते चलते चले जाना है. सद्गुरु कहता है कि अब तू चलता चला जा उस पथ पर, जो मैंने तुझे बताया है. वास्तविकताओं में भी पथ का दिग्दर्शन कराने के बाद पथ प्रदर्शक की भूमिका आखिर क्या रह जाती है? सद्गुरु ने हमें जो रास्ता बता दिया उसके अनुसार हम अपनी यात्रा शुरू कर दें, यही उचित है. किंतु यदि हम चले नहीं और उस पथ प्रदर्शक या गुरु के पास रुक रह जाएं तो क्या हम अपनी मंज़िल पर पहुंच सकेंगे? उत्तर होगा नहीं. इन पंक्तियों का सार तत्व यही है कि हम अपने गुरु के जो रास्ता बताया है, उस पर चलना शुरू कर दें तो परमात्मा रूपी मंज़िल मिलेगी. यही है गुरु पूजा और दक्षिणा भी यही है कि उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए गुरु आज्ञानुसार परमात्मतत्व कीर्तन, जप, ध्यान और स्मरणरत रहें. पंथ प्रदर्शक सत्गुरु के बताए अनुसार साधन के माध्यम से ही साध्य परमात्मा को पाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है. सारभूत तत्व यही है कि उस गुरु का हम बड़ा आभार जो कि गोविन्द का पथ बताकर रास्ते से परे हट गए. गुरु मनुष्य की अंधकार से प्रकाश की आध्यात्मिक यात्रा का प्रेरक तत्व है. गुरु एक सीढ़ी है, जिसके सहारे ऊपर जाया जा सकता है, किंतु यह मंज़िल नहीं है जहां जाकर सब यात्राएं विराम पा लेती है. गुरु तैरना सिखा देता है ताकि दरिया को पार किया जा सके, किंतु यदि कोई व्यक्ति जरूरत के वक्त भी गुरु के उस ज्ञान को अंगीकार नहीं करे तो वह डूबने से आखिर कैसे बचेगा? वस्तुत: गुरु एक सीढ़ी है, सीढ़ी के सहारे ऊपर तो चढ़ा जा सकता है किन्तु उसे ही थामे रखकर वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति नहीं की जा सकती. आचार्य रजनीश कहते हैं, गुरु एक सीढ़ी या निसेनी है, जिसपर चढ़कर ऊपर पहुंच जाओ और उसे फिर गिरा दो किंतु यदि तुम उस निसेनी को ही थाम कर ही बैठे रह गए तो जिस उद्देश्य के लिए निसेनी पर चढ़ कर ऊपर पहुंचे हो तो उसे कभी पूरा नहीं कर पाओगे. यह प्रश्न भी किया जा सकता है कि निसेनी यदि गिरा दोगे तो फिर नीचे कैसे आओगे? कहा जाना चाहिए कि उस अनंत की यात्रा उस सोपान की यात्रा है, उस परम पुरुष तक पहुंचने की यात्रा जो कि अध्यात्म का चरम लक्ष्य है, हमारे ऋषियों-महर्षियों ने वेदादिकों में इसका गुणगान किया है और महात्मा पुरुषों ने इसकी बहुभांति विवेचना भी की है. गुरु: एक माध्यम है, जिसके द्वारा गोविन्द का ज्ञान होता है इसलिए गुरु ने गोविन्द की प्राप्ति के लिए जो साधन बताए हैं, हम वह साधन करें तो उस परमात्म तत्व की प्राप्ति की ओर बढ़ा जा सकता है. किंतु यदि हम गुरु द्वारा बताए गए साधन नहीं करें और गुरु के नाम का ही जाप करते रहें तो हमें क्या प्राप्त होगा? इसलिए निसेनी गिरा देने का अर्थ इतना ही है कि गुरु को नहीं पकड़ते हुए गुरु ने जो उपदेश दिया है उस पर अमल कर आत्मसात करें. साथ ही उन्होंने जो कुछ कहा है अथवा उनके द्वारा जो साधन बताया गया है, उसे पूरी श्रद्धा से अंगीकार करें. शास्त्र कहते हैं कि शिक्षा गुरु तो अनेक हो सकते हैं किंतु दीक्षा गुरु केवल एक होना चाहिए, किंतु प्रश्न पैदा होता है कि वह कैसा हो? हमारे शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि वह अपने शिष्यों के प्रति निरपेक्ष भाव से भावित और ब्रह्म साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करने वाला हो, न कि गुरु दक्षिणा के नाम पर धन की अपेक्षा रखने वाला हो. आज देखा जाता है कि ज्यादातर महात्मा अपने अनुयायियों को अपने पंथ से जोड़े रखने और स्वयं के प्रति पूज्यता के भाव को बनाए रखने के लिए गुरु की महत्ता को अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से बखान करते हुए शिष्यों को बांधे रखते हैं. ऐसा व्यक्ति संत कहला सकता है किंतु वह सद्गुरु नहीं हो सकता. सद्गुरु तो पथ प्रदर्शक है, शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला. ऐसा वह गुरु वंदनीय और प्रथम प्रणाम करने योग्य है, वह ब्रह्म स्वरूप है.

कांवड़ यात्रा : भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

– डॉ. आशीष वशिष्ठ

सावन महीने की शुरुआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है. सावन माह में शिवभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं. कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर बोल बम का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति. यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप. कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है. धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते हैं, उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर स्थापित कर दिया जाता है. धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात् शिव बांस में समाहित हैं. कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं. भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा. दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं. कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है. भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है. इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं! वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है. आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं. प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्राय: किया जाता है. यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि कांवड़ यात्रा का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है. कांवड़ शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता. किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है. वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है. अर्थात् कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि कांवड़ शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है. कंवार शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ कंधा है. कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं. इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं. इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना. यह कोई साधारण परंपरा नहीं है. इसके पीछे गहराई से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं. कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है. इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था. रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है. हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है. जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है. इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है. जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है. कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है. श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला. पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीर्थ क्षेत्र में दशानन रावण से जुड़ी कई लोक कथाएं प्रचलित हैं. यहां नोएडा के पास बिसरख गांव को रावण की जन्मस्थली बताया जाता है. मेरठ को मयराष्ट्र बताते हुए उसे रावण की ससुराल बताया जाता है. यहीं, बागपत स्थित पुरा महादेव मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर खुद रावण ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर शिवजी का जलाभिषेक किया था, जबकि रावण से भी सैकड़ों वर्ष पहले भगवान परशुराम ने इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना की थी और 108 कलश से उनका अभिषेक किया था. स्कंद पुराण में शिव उपासना के लिए रामोपाख्यान सर्ग में एक जिक्र आता है, जहां शिवगण नंदी और रावण की बातचीत होती है. इस स्थान पर नंदी कहते हैं कि जो प्राणी जलाशय से शिवालय तक पैदल ही गमन करता है और फिर जल ले जाकर शिवालय को धोकर साफ करता है, वह बिना किसी विधान की पूजा के शिवलोक को प्राप्त कर लेता है. यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्कंद पुराण में कांवड़ यात्रा का जिक्र नहीं है लेकिन ये जरूर लिखा है कि 'जलाशय से जल लेकर शिवालय तक की यात्रा'- संभवतः आगे चलकर यही व्याख्या कांवड़ यात्रा के संदर्भ में ली गई होगी. हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरुआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है. शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है. उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं. वहीं, कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार 'क' अक्षर अग्नि को द्योतक है और 'आवर' का अर्थ ठीक से वरण करना. प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट्र और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं. गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है. अतः सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है. कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है. कंधे पर गंगा को धारण किए श्रद्धालु इसी आस्था और विश्वास को जीते हैं. यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है. वास्तव में, कांवड़ यात्रा का यह धार्मिक उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर भी है. कांवड़िये इस यात्रा के माध्यम से न केवल अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करते हैं बल्कि यह यात्रा उन्हें एकजुटता और भाईचारे का भी अनुभव कराती है. इस दौरान भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है, जो भारतीय संस्कृति की गहराई और विविधता को दर्शाता है. सही मायनों में, कांवड़ यात्रा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में निहित सिद्धांतों की पुनर्स्थापना है. कांवड़ यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं है, ये महादेव को शीतल जल अर्पित करने की परंपरा है, ये लोक-उत्सव है, समानता का सन्देश है क्योंकि चारों तरफ भगवा ही भगवा दिखता है जो सनातन संस्कृति का प्रतीक है.

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 29 जुलाई

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 29 जुलाई है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह चन्द्रमा है. आपका जन्मांक कर्क राशि के अन्तर्गत आता है. इस माह का अधिपति ग्रह चन्द्रमा है. आप जीवनभर चन्द्रमा ग्रह के प्रभाव में रहेंगे. आपके जीवन में एकाग्रता का अभाव रहेगा. आपका मुख्य ध्येय लक्ष्य की प्राप्ति करना होगा. आप किसी कार्य या वस्तु के लिए स्वयं को नहीं कहने में असमर्थता-सा महसूस करेंगे. आप सहयोगी प्रवृत्ति के होंगे. प्रेम, सौन्दर्य और ललित कलाओं में आप अधिक रूचि लेंगे. आपका दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा. आप में प्रदर्शन की भावना अधिक रहेगी. मुसीबतों के समय में आप सदैव मुस्कराते रहेंगे. आप की मानसिक शक्ति, शारीरिक शक्ति की अपेक्षा बेहतर होगी. आपको जनसम्पर्क का लाभ मिलेगा. आप घरेलू जीवन में भी रूचि लेंगे. आप किसी भी विषय या समस्या पर तुरन्त निर्णय लेने में स्वयं को असमर्थ-सा महसूस करेंगे. चन्द्रमा तत्व की प्रधानता के कारण आपमें स्त्रीत्व का गुण रहेगा. आप एक स्थान पर ज्यादा देर तक नहीं रहेंगे. कठिनाइयों में कमी हेतु अपने इष्ट देवी-देवता की पूजा अर्चना नियमित करें. अपने दैनिक जीवन में सफेद एवं क्रीम रंग से सम्बन्धित वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें. सफेद रंग की वस्तओं का दान भी करें. गाय को नियमित रूप से मीठी रोटी या घी लगी रोटी व गुड़ खिलावें. समाज सेवा नि:स्वार्थ भाव से करें. अपने हित के लिए असत्य का सहारा न लेवें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ सों सोमाय नम:	मास	:	अप्रैल, सितम्बर एवं नवम्बर
व्रत	:	सोमवार	वर्ष	:	2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	सफेद एवं क्रीम
दिनांक	:	2, 11, 20, 29	जन्मरत्न	:	मोती
अंक	:	1, 4, 7	उपरत्न	:	मून स्टोन

यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 जून से 27 जुलाई

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : किसी योजना की शुरुआत, रचनात्मक कृत्यों की ओर रुझान, निराशा का समापन, लाभ का सुअवसर प्राप्त, शारीरिक कष्ट में कुछ कमी, दूसरों की सलाह मान्य.

वृषभ : नवीन समस्याओं का समाधान, घरेलू वातावरण सुखद, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, इच्छित घटना घटित, मित्रों से सहयोग, मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न.

मिथुन : योजना अधूरी, विरोधी पक्ष से प्रतिष्ठा पर आघात, धन हानि की आशंका, स्वजनों से विवाद, नवीन समस्याएँ उपस्थित, यात्रा में परेशानी.

कर्क : सामयिक कार्यों के बनने से खुशी, निजी इच्छा की पूर्ति, लाभ हेतु प्रयास, नव स्थलों की यात्रा का विचार, आनन्द की अनुभूति, यश प्रतिष्ठा में वृद्धि.

सिंह : अभिलाषा की पूर्ति का सुयोग, साहसिक प्रयास प्रगति पर, स्वविवेक से लिया गया निर्णय लाभप्रद, भौतिक सुख के साधन में वृद्धि, यात्रा सुखद, धनागम भी.

कन्या : ग्रहयोग बेहतर, व्यक्तिगत समस्या का समाधान, पारस्परिक सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर, आय के नवीन स्रोत उपस्थित.

तुला : मानसिक तनाव, आर्थिक व्यावसायिक हानि, अध्ययन में व्यतिक्रम, अकल्पित घटनाओं को लेकर चिन्ता, यात्रा में परेशानी, जोखिम से नुकसान, सूझ-बूझ जरूरी.

वृश्चिक : दिन शुभ, विवाद का निर्णय पक्ष में, नवसम्पर्क से खुशी, साहसिक कार्य प्रगति पर, स्वास्थ्य में सुधार, शुभ-विचारों से आत्मिक शांति, नूतन पदाधिकार की प्राप्ति.

धनु : कठिनाइयों का निवारण, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति, स्वजनों के माध्यम से किसी विवाद का समापन, बौद्धिक क्षमता का विकास, संत समागम.

मकर : दिनचर्या व्यवस्थित, आत्मबल में वृद्धि, दाम्पत्य जीवन में सुख-शांति, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न, संभावित यात्रा सफल.

कुम्भ : सोचे हुए कार्य अधूरे, जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिन्ता, एकाग्रता का अभाव, लाभ का मार्ग अवरुद्ध, पारिवारिक मतभेद उजागर, अकेलेपन की अनुभूति.

मीन: आर्थिक व्यावसायिक उन्नति, मित्रों से गलतफहमियां दूर होने को, प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क, पठन-पाठन में रुचि, सामाजिक गतिविधियों की ओर रुचि.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब ईंह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

(अंतराष्ट्रीय बाघ दिवस विशेष – 29 जुलाई 2026)

वन्यजीव खत्म तो जंगल खत्म और इंसान की सांसे भी खत्म

–डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पृथ्वी पर मौजूद हर जीव अपनी अलग पहचान और भूमिका के साथ प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देता हैं. खाद्य श्रृंखला की हर कड़ी आवश्यक है, क्योंकि किसी एक जीव का भी असंतुलन पूरे पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर सकता हैं. आज के समय में मनुष्य को छोड़कर सभी जीव प्रकृति की रक्षा में अपनी भूमिका निभा रहे हैं. स्वच्छ हवा, साफ पानी और पर्याप्त भोजन सभी के जीवन के लिए जरूरी है, और ये तभी मिल सकते है जब पर्यावरण स्वस्थ और संतुलित हो. सूक्ष्म जीव मिट्टी को उपजाऊ बनाते है, जबकि पक्षी और वन्य प्राणी बीजों का प्रसार करके नए पौधों और वनों के विकास में सहायता करते हैं. जब जंगलों में जीव-जंतु सुरक्षित रहते है, तब वन हरे-भरे बने रहते है, मौसम का चक्र संतुलित रहता है, जलस्रोत सुरक्षित होते है और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता हैं. इससे प्रदुषण कम होता है, बीमारियों का खतरा घटता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती हैं. वास्तव में वन्यजीव प्रकृति के सच्चे संरक्षक है, क्योंकि वे पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं. मनुष्य के बिना प्रकृति स्वयं को तेजी से पुनर्जीवित कर सकती है, किंतु प्रकृति के अभाव में मानव जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है, इसलिए प्रकृति और वन्यजीवों का संरक्षण हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी हैं. सभी जीवों को अपने प्राकृतिक अधिवास में जीने का अधिकार है, लेकिन पिछले कुछ दशकों से बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप के कारण वन्यजीवों और मानवों के बीच संघर्ष बहुत ज्यादा बढ़ गया हैं. इसमें हानि दोनों को होती है, मनुष्य भी जान गवांते है और वन्यजीव भी. आजादी के पहले राजा-महाराजाओं और अंग्रेजों ने शिकार करके जंगली जानवरों की संख्या बेहद कम कर दी. अधिकतम प्रजातियां तो हमेशा के लिए विलुप्त भी हो गयी. तेजी से घटती वन्यजीवों की संख्या को बचाने सरकार ने कानून बनाये हैं. आयआयटी बॉम्बे और सस्त्रा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक रिसर्च में पाया गया कि साल 2015 - 2019 के बीच, देश में हर 1 वर्ग किलोमीटर जंगल बढ़ने के बदले लगभग 18 वर्ग किलोमीटर जंगल खत्म हो गए. प्राकृतिक घने और पुराने जंगल तेज़ी से खत्म हो रहे है, अगर यही स्थिति रही तो, इसमें रहनेवाले वन्यजीव भी बुरे तरीके से प्रभावित होंगे ही, अर्थात उनका जीवन संकट में होगा. आज देश में बढ़ते शहरीकरण के कारण, पारंपरिक खेती कम हो रही है, शहरों के आसपास के गाँवो में कांक्रीट के जंगल बढ़ रहे है, जिसके कारण जंगल सिकुड़ रहे और मानवीय गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं. जंगलों के पास, प्रकृति की गोद में लोगों को आबाद करने के लिए फार्महाउस बनाने का ट्रेंड चल पड़ा हैं. विकास के नाम पर जंगलों के बीच से महामार्ग बनाएं जा रहे और जंगलों को काटकर उत्खनन का काम चल रहा हैं. इससे सीधे तौर पर वन्यजीवों के प्राकृतिक अधिवास नष्ट हो रहे हैं. साल-दर साल प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं. जिन वनों में बाघ रहते है, वहां का पारिस्थितिक तंत्र अधिक समृद्ध और संतुलित होता हैं. बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि पूरे जंगल के संरक्षक हैं. जीवित रहने के लिए उन्हें विशाल, सुरक्षित और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त आवास चाहिए. ऐसे क्षेत्रों की रक्षा से असंख्य वन्य प्राणी, वनस्पतियां, सूक्ष्म जीव और पूरी जैव-विविधता सुरक्षित रहती हैं. बाघ शाकाहारी जीवों की संख्या नियंत्रित करते हैं, जिससे वनस्पतियों का अत्यधिक दोहन रुकता है और प्राकृतिक संतुलन बना रहता हैं. सुरक्षित जंगल अधिक कार्बन सोखते है और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में मदद करते हैं. साथ ही, ये घने वन वर्षा जल के प्रवाह को नियंत्रित कर बाढ़ की तीव्रता घटाते है और करोड़ों लोगों को मीठा पानी देते हैं. इसलिए बाघों और उनके आवासों की रक्षा पूरे पर्यावरण की रक्षा हैं. यह संरक्षण मानव जीवन, कृषि, जलस्रोतों और भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं. हर साल 29 जुलाई को अंतराष्ट्रीय बाघ दिवस खतरे में पड़ी बड़ी बिल्लियों की प्रजातियों और उनके प्राकृतिक अधिवास को बचाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु मनाया जाता हैं. बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है, बाघ बचाओ, जंगल बचाओ, प्रकृति बचाओ यह नारा दिया जाता है, क्योंकि यह बचेंगे तो ही हम बचेंगे, यह समझना बहुत जरुरी हैं. ग्लोबल टाइगर फोरम के अनुसार, दुनिया भर के जंगल में सिर्फ़ 5,660 टाइगर बचे हैं. देश के नेशनल टाइगर कंज़र्वेशन अथॉरिटी की रिपोर्ट स्टेटस ऑफ़ टाइगर्स इन इंडिया : को-प्रिडेटर्स एंड प्रे 2022 के अनुसार, इनमें से 3,682 भारत में पाए जाते हैं. हर साल सड़क दुर्घटनाओं, खेतों में करंट से, खुले कुएं में गिरकर और शिकार द्वारा असंख्य वन्यजीवों की बेदर्दी से असमय मौत होती हैं. विदर्भ क्षेत्र (महाराष्ट्र) के समाचारपत्रों में अक्सर वन्यजीवों के मौत की खबर सुर्खियां बनी रहती है, विशेषकर बाघों के मौत की. आये दिन बाघों की मौत चिंता का विषय है, पिछले छह माह में महाराष्ट्र में कुल 24 बाघों की मौत हो चुकी हैं. साल 2025 के दौरान मध्यप्रदेश राज्य में कुल 54 बाघों की जान चले गयी और महाराष्ट्र राज्य के वनमंत्री गणेश नाईक ने बताया कि, महाराष्ट्र राज्य में 41 बाघों की मौत हुयी. वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर अनुसार, हर बाघ की पहचान उसकी धारियों के अलग पैटर्न से होती है, ठीक वैसे ही जैसे हर इंसान के फिंगरप्रिंट अलग होते हैं. मादा बाघ अपने शावकों से संवाद करने के लिए कानों के पीछे बने सफेद निशानों का उपयोग करती है, जो उनके लिए संकेतों की तरह काम करते हैं. दुनिया के आधे से अधिक बाघ भारत में पाए जाते है, जो देश की समृद्ध जैव-विविधता का बड़ा प्रमाण हैं. बाघ अलग-अलग परिस्थितियों में गुर्राने, दहाड़ने, कराहने, फुफकारने और हांफने जैसी आवाज़ों से संवाद करते हैं. माना जाता है कि बाघ लगभग 20 लाख वर्षों से पृथ्वी पर मौजूद है, लेकिन पिछले सौ वर्षों में मानवीय हस्तक्षेप, जंगलों की कटाई और अवैध शिकार के कारण इनकी संख्या में लगभग 97 प्रतिशत की कमी आई हैं. इसी वजह से इन्हें लुप्तप्राय प्रजाति माना गया है, आज भी अवैध शिकार इनके लिए बड़ा खतरा हैं. वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर एशिया में इनके संरक्षण के लिए लगातार काम कर रहा हैं. वर्ष 2016 में कुछ क्षेत्रों में बाघों की संख्या बढ़ने की खबर मिली, लेकिन दक्षिण-पूर्व एशिया में इनकी आबादी अब भी घट रही हैं. मनुष्य जैसे बुद्धिमान प्राणी के पास आज कानूनी अधिकार, उन्नत तकनीक, प्रसार माध्यम, सरकार, न्याय प्रणाली, सोशल मीडिया, रिश्तेदार, मित्र-परिवार और समाज है, फिर भी उच्चशिक्षित और जागरूक मनुष्य होकर भी अनेक मौकों पर वह खुद को ठगा सा महसूस करता हैं. अपनी समस्या को लेकर सरकारी दफ्तरों, नेताओं और न्यायालय के चक्कर काटकर भी बहुधा संतोषजनक समाधान नहीं पाता हैं. बरसात में बाढ़ की समस्या, गर्मी में अकाल, लू और जल की कमी, ठंडी में कोहरे और हाइपोथर्मिया की समस्या और प्राकृतिक आपदाएं. अगर इंसान सर्व सुविधा सम्पन्न होकर ऐसी परिस्थितियों में विवश हो जाता है, तो फिर इसके मुकाबले वन्यपशुओं की स्थिति का तो अंदाजा भी लगाना मुश्किल हैं. फिर सोचिए जरा मूक वन्यजीवों के नजरिये से, जिन्हे मनुष्य से नहीं बल्कि प्रकृति से केवल भूख-प्यास की पूर्ति की आस है और प्रकृति समस्त जीवों के भरणपोषण में बहुत सक्षम है, अगर मानवी हस्तक्षेप न हो तो. फिर हम वन्यजीवों को परेशान कर रहे है क्या? या वन्यजीव हमें परेशान कर रहे है? बढ़ते वन्यजीव व मानवी संघर्ष के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है? वक्त रहते इसका गहराई से विचार करना बहुत जरुरी हैं.

न्यूज कॉर्नर

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद भाजपा की टिप्पणी, वास्तविक छात्रों की सुरक्षा होनी चाहिए, दंगाइयों की नहीं

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कहा कि कथित नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर हुए प्रदर्शनों से संबंधित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश ने वास्तविक छात्र प्रदर्शनकारियों और हिंसा में शामिल लोगों के बीच स्पष्ट अंतर कर दिया है. पार्टी ने इस बात पर जोर दिया कि असहमति स्वीकार्य है, दंगा नहीं. भाजपा ने यह टिप्पणी तब की जब सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दर्ज प्राथमिकियों की जांच जारी रखें, लेकिन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न करें, तथा जिन प्रदर्शनकारियों की उम्र 18 वर्ष से कम है और जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है उन्हें रिहा किया जाए. अदालत ने नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर हाल में हुए देशव्यापी आंदोलन से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, सुप्रीम कोर्ट ने बहुत परिपक्वता और संवेदनशीलता के साथ इस मामले पर विचार किया है. इसका सभी को स्वागत करना चाहिए. पूनावाला ने कहा, छात्र और आगजनी या दंगा करने वाले लोग अलग-अलग हैं. छात्रों की सुरक्षा होनी चाहिए, आगजनी करने वालों की नहीं. अदालत ने यह कहा है. असहमति ठीक है, दंगा नहीं. छात्र ठीक हैं, आगजनी करने वाले नहीं. विरोध-प्रदर्शन ठीक है, लेकिन उकसावा नहीं.

पंजाब में प्रश्नपत्र लीक को लेकर मालीवाल का केजरीवाल पर हमला

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि पिछले पांच साल में पंजाब में छह प्रमुख परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, फिर भी केजरीवाल खामोश हैं. मालीवाल ने कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) को 'आप' की बी टीम करार देते हुए कहा कि इसका गठन केजरीवाल के सहयोगियों द्वारा किया गया है. संसद भवन परिसर में मालीवाल ने संवाददाताओं के साथ बातचीत में आरोप लगाया कि पंजाब में पिछले पांच साल के दौरान छह प्रमुख परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं. उन्होंने आरोप लगाया, पंजाब में पिछले पांच साल में छह प्रमुख परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं और इसके अलावा कई परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप लगे हैं. यहां तक कि 19 जुलाई को भी फार्मेसी परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई. हालांकि, आम आदमी पार्टी ने पंजाब में प्रश्नपत्र लीक के आरोपों को खारिज किया है. कॉजपा पर निशाना साधते हुए मालीवाल ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने कॉकरोच जनता पार्टी का गठन करवाया, और जब जवाबदेही पर सवाल उठते हैं तो दोनों चुप्पी साध लेते हैं. उन्होंने दावा किया, कॉजपा उनकी (आप) की 'बी टीम' है क्योंकि इसका गठन उनके सहयोगियों द्वारा और उनके वित्तपोषण से किया गया.

सोशल मीडिया मंचों के नियमन पर संसदीय समिति ने इंस्टाग्राम समेत अन्य कंपनियों को किया तलब

नई दिल्ली: सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों के नियमन पर चर्चा के लिए संसदीय समिति ने तीन अगस्त को इंस्टाग्राम समेत प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों के प्रतिनिधियों और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) तथा गृह मंत्रालय के अधिकारियों को तलब किया है. संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बताया कि समिति ने मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप), गूगल, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और स्नैपचैट के प्रतिनिधियों को यह बताने के लिए बुलाया है कि वे महिलाओं, बच्चों, किसानों, ग्रामीण लोगों, श्रमिकों और आम जनता की निजता की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करते हैं तथा सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाते हैं. यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब हाल ही में सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम का इस्तेमाल कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन के प्रचार और लोगों को जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर किया था. नीट-यूजी पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर हुए इस प्रदर्शन के वीडियो, रील और लाइव अपडेट सोशल मीडिया मंचों पर व्यापक रूप से साझा किए गए थे. सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर 36 दिनों तक चला आंदोलन शनिवार को समाप्त हुआ था. सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें स्वीकार किए जाने और धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद यह आंदोलन खत्म हुआ. मंगलवार को जारी नोटिस के अनुसार, बैठक के एजेंडे में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, गृह मंत्रालय और सोशल एवं डिजिटल मीडिया मंच - स्नैपचैट, गूगल, एक्स (पूर्व में ट्विटर), मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के प्रतिनिधियों द्वारा सोशल मीडिया और डिजिटल मंच तथा उनका नियमन विषय पर जानकारी देना शामिल है. निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तीन अगस्त 2026 को शाम चार बजे हमारी संसद की सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार समिति ने मेटा (इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सऐप), एक्स (ट्विटर), स्नैपचैट और गूगल को तलब किया है.

प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी को लेकर चर्चित ट्रांसजेंडर मेकअप आर्टिस्ट जानमोनी के खिलाफ मामला दर्ज

कोझिकोड (केरल): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में चर्चित ट्रांसजेंडर मेकअप आर्टिस्ट और रियलिटी शो में भाग ले चुकी जानमोनी दास के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कोझिकोड साइबर पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष नव्या हरिदास द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया है. प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी ने अशांति फैलाने और सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने के इरादे से विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से प्रधानमंत्री के खिलाफ मानहानिकारक और अपमानजनक टिप्पणियां कीं. पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना) और धारा 356(2) (आपराधिक मानहानि), तथा केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120(ओ) (बार-बार या अवांछित संचार के माध्यम से उपद्रव फैलाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है. यह मामला प्रधानमंत्री मोदी और उनके माता-पिता को लेकर की गई कथित टिप्पणियों के लिए जानमोनी की ओर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के एक दिन बाद दर्ज किया गया है. जानमोनी ने कहा था कि उनका इरादा किसी को जानबूझकर ठेस पहुंचाने का नहीं था. इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में दास ने कहा कि यदि उनकी टिप्पणी से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगती हैं. उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ऐसा बयान देने से पहले उन्हें तथ्यों की पुष्टि कर लेनी चाहिए थी. नयी दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन पर मीडिया के एक वर्ग से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जानमोनी दास की आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था, जिसके बाद उनकी तीखी आलोचना हुई.

सांप्रदायिक तनाव के बीच सुनसरी के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू जारी

काठमांडू: भारत सीमा से लगे नेपाल के सुनसरी जिले के कुछ हिस्सों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी कर्फ्यू जारी रहा. जिले में सांप्रदायिक हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे, जिसके बाद से वहां तनाव बरकरार है. जिला प्रशासन कार्यालय (डीएओ) सुनसरी ने बताया कि मंगलवार को कई इलाकों में सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक कर्फ्यू और निषेधाज्ञा लागू रहेगी. डीएओ की ओर से जारी सूचना के अनुसार, हरिनगर और देवगंज ग्रामीण नगरपालिकाओं के पूरे क्षेत्र में प्रतिबंध लागू किए गए हैं, जबकि हरिनगर, भुटहा, कप्तानगंज, घुस्की और देवानगंज के पांच बाजार क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया है. प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में रैलियों, प्रदर्शनों, सार्वजनिक बैठकों, धरने और चार से अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी है. जिले में प्रतिबंध सोमवार को पहली बार लगाए गए थे, जब रविवार को कप्तानगंज क्षेत्र में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी. पुलिस के मुताबिक, दो धार्मिक समुदायों के जश्न के दौरान हुए विवाद के बाद आपस में भिड़े समूहों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सुरक्षाकर्मियों समेत 12 से अधिक लोग घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है.

'तुम्हारे पांवों के नीचे कोई जमीन नहीं...'

मां सुषमा स्वराज के अंदाज में लोकसभा में गरजीं बांसुरी, शायरी से विपक्ष पर प्रहार

नई दिल्ली: लोकसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के दौरान बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज का संबोधन सिर्फ तथ्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसमें उनकी मां सुषमा स्वराज की शायराना शैली की भी झलक देखने को मिली. उन्होंने अपने भाषण में दुष्यंत कुमार की पंक्तियों- 'तुम्हारे पांवों के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं' से विपक्ष पर तीखा हमला बोला. उनके इस अंदाज ने सदन में मौजूद कई सदस्यों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया.

संसद में सुषमा स्वराज अपने प्रभावशाली भाषणों और सधे हुए शेरो-शायरी वाले अंदाज के लिए जानी जाती थीं. पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के गालिब के शेर 'हम को उन से वफा की है उम्मीद...' के जवाब में उन्होंने बशीर बद्र का मशहूर शेर 'कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता' सुनाकर सदन में अपनी अलग पहचान बनाई थी. बांसुरी स्वराज के भाषण में भी उसी शैली की झलक दिखाई दी, जिसने कई सांसदों को उनकी मां की संसदीय शैली की याद दिला दी.

उधर बिल पर चर्चा करते हुए बांसुरी स्वराज ने कहा कि एंटी पेपर लीक विधेयक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की संवेदनशीलता और युवाओं के भविष्य के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं पेपर लीक को घोर अपराध बताया है और यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि सरकार की स्पष्ट नीयत का प्रतिबिंब है. उनके मुताबिक, संगठित हो चुके परीक्षा माफिया पर सख्त कार्रवाई के लिए यह कानून बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा कि विधेयक जांच प्रक्रिया को मजबूत करेगा और केंद्र सरकार को विशेष टास्क फोर्स गठित करने का अधिकार भी देगा.

बीजेपी सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'परीक्षा पर चर्चा' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास किया है, ताकि वे 'एग्जाम वॉरियर' बन सकें. उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में आईआईटी, मेडिकल संस्थानों समेत उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार हुआ है और एससी-एसटी छात्रों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसे उन्होंने सामाजिक न्याय को मजबूत करने वाला कदम बताया.

बांसुरी स्वराज ने कहा कि इस मुद्दे पर बहस पूर्वाग्रह नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि किसी आरोपी को बेल सरकार नहीं, बल्कि स्वतंत्र न्यायपालिका देती है. इसके साथ ही उन्होंने यूपीए शासनकाल से लेकर राजस्थान, पश्चिम बंगाल और हाल ही में पंजाब में फार्मेसी ऑफिसर भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ के कथित इस्तेमाल जैसे मामलों का जिक्र करते हुए विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया. उन्होंने सवाल किया कि यदि यह सिद्धांत की लड़ाई है, तो अलग-अलग राज्यों में सरकार बदलते ही विपक्ष का रुख क्यों बदल जाता है. अपने संबोधन के अंत में बांसुरी स्वराज ने कहा कि यह राजनीति का नहीं, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य का विषय है. उन्होंने शिक्षा माफिया को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि वे संसद के सामूहिक संकल्प से बड़े नहीं हैं. साथ ही सभी दलों से एंटी पेपर लीक विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने की अपील की. अपना भाषण उन्होंने 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ समाप्त किया.

संसद के बाहर भाजपा सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षामंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली: पंजाब में कथित पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया. सांसदों ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की. भाजपा सांसदों का आरोप है कि पंजाब में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है. उनका कहना है कि इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए. प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए दो बड़े नीति सुधारों का अनावरण किया

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए दो महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों का अनावरण किया है. इनका उद्देश्य अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता हुए कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि प्रदान करने की प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है. रक्षा मंत्री ने पिछले पांच दशकों में आईसीजी की असाधारण सेवा की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ये दूरदर्शी नीतियां बल के मनोबल और प्रचालनगत क्षमता को और सुदृढ़ करेंगी, क्योंकि यह 2027 में अपनी स्वर्ण जयंती की ओर बढ़ रहा है. उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के आईसीजी को एक आधुनिक, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार समुद्री बल के रूप में मजबूत करने के संकल्प की पुष्टि की.

पहली नीति निर्देश आईसीजी में अधिकारियों की भर्ती के लिए जेंडर-न्यूट्रल ढांचा लागू करके एक व्यापक, महिला-केंद्रित दृष्टिकोण स्थापित करती है. नीति की मुख्य विशेषताओं में महिला उम्मीदवारों को उनके पुरुष समकक्षों के समान अल्पकालिक सेवा नियुक्तियों (एसएसए) और स्थायी नियुक्तियों (पीए) में शामिल करना शामिल है. एसएसए का विकल्प पुरुष उम्मीदवारों के लिए भी खोल दिया गया है. यह नीति प्रारंभिक प्रशिक्षण चरण से ही कैरियर में प्रगति के समान अवसर सुनिश्चित करती है. विद्यमान महिला पीए अधिकारियों को भी पात्रता शर्तों की पूर्ति के अधीन उच्च पदों पर पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा. एसएसए पर कार्यरत वर्तमान महिला अधिकारियों को भी निर्धारित शर्तों की पूर्ति के अधीन अपनी सेवा को पीए में परिवर्तित करने का विकल्प प्रदान किया जाएगा.

असम में बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा केंद्र: मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार असम में बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है. प्रधानमंत्री मोदी ने संसद भवन परिसर में असम के केंद्रीय मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों से मुलाकात के बाद यह बात कही. इस साल अब तक, बाढ़ की वजह से राज्य में 68 लोगों की मौत हो चुकी है. प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की. केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है. मैं सभी की सुरक्षा और कल्याण की कामना करता हूं. पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल तथा विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने भी इस बैठक में हिस्सा लिया.

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के मुताबिक शिवसागर, गोलाघाट, चराइदेव, जोरहाट, नगांव और कामरूप (मेट्रोपॉलिटन) जिलों में कुल 4,45,495 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं. एएसडीएमए के मुताबिक, बाढ़ पीड़ितों के लिए कुल 90 राहत शिविर संचालित किये जा रहे हैं और इनमें 28,695 लोगों ने आश्रय लिया है. इसके अलावा, 94 राहत वितरण केंद्र भी काम कर रहे हैं.

बुलेटिन के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और सिविल डिफेंस के जवानों समेत कई एजेंसियां बचाव और राहत कार्य में शामिल हैं तथा प्रभावित इलाकों में 67 नौकाएं तैनात की गई हैं. एएसडीएमए के मुताबिक, बाढ़ की वजह से 37,139.52 हेक्टेयर में लगी फसल जलमग्न हो गई और 26,679 मवेशी बह गए. अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ.

गृह मंत्री सदन में आकर जवाब दें कि पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया: गोगोई

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में परीक्षा प्रश्नपत्र निरोधक कानून को मोदी सरकार की विफलता का स्मारक करार दिया और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में इसका जवाब देना चाहिए कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था. उन्होंने सदन में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा की शुरुआत करते हुए सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए और यह दावा किया कि 2024 में लाया गया मूल कानून भी पेपर लीक रोकने में नाकाम रहा था और नया प्रस्तावित कानून भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं होगा. उन्होंने कहा, मंत्री (जितेंद्र सिंह) के वक्तव्य और विधेयक के प्रावधानों से स्पष्ट है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीर नहीं है और यह केवल दिखावे का विधेयक है. उनके मुताबिक, 2024 में जब इसी तरह का विधेयक लाया गया था तब सरकार ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए दावा किया था कि पेपर लीक नहीं होगा, लेकिन उसी वर्ष नीट-यूजी पेपर लीक मामले में 45 लोगों को आरोपी बनाया गया,

जिनमें से अधिकतर को जमानत मिल चुकी है. उनका कहना था कि मामले के कथित मास्टरमाइंड को भी जमानत मिल गई.

कांग्रेस सांसद ने संसद परिसर में भाजपा के कुछ सदस्यों द्वारा प्रधान का स्वागत किए जाने का हवाला देते हुए कहा कि इस सरकार को शर्म आनी चाहिए कि संसद में पूर्व मंत्री का ऐसा स्वागत किया गया मानो वह पाकिस्तान से जंग लड़कर आए हों. उन्होंने आरोप लगाया कि कैबिनेट की बैठक में पेपर लीक माफिया, कोचिंग माफिया और परीक्षा प्रणाली में धांधली पर चर्चा करने के बजाय प्रधानमंत्री 'इंस्टाग्राम' पर ध्यान देने की बात करते हैं.

भाजपा ने प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया: अखिलेश

नई दिल्ली: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा कि उसने प्रधान का त्यागपत्र लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बचा लिया. सदन में सपा के नेता ने लोकसभा में 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि जो राम मंदिर में चढ़ावा चोरी नहीं रोक पाए, वो पेपर लीक भला कैसे रोक पाएंगे. यादव ने जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन का हवाला दिया और कहा कि सरकार झुकती है, सिर्फ झुकाने वाला चाहिए. उन्होंने कहा, पूर्व शिक्षा मंत्री (प्रधान) जब लोकसभा में लौटे तो सदन के बाहर उनका स्वागत किया गया. इससे हमें कोई शिकायत नहीं है. माननीय सदस्यों को कितनी राहत मिली होगीएक प्रधान जी को हटाकर आपने (भाजपा) प्रधानमंत्री बचा लिया.

सपा नेता ने कहा, नयी पीढ़ी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने भाजपा को झुकाने के लिए विवश कर दिया. उन्होंने कहा कि जब सरकार घबरा जाती है और डर जाती है, तब मांगों को स्वीकार कर लेती है. यादव ने कहा कि यह ऐसा पहला आंदोलन था जिसमें बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी जुड़ गए थे.

उन्होंने राम मंदिर कथित चढ़ावा चोरी मामले का उल्लेख करते हुए भाजपा पर कटाक्ष किया, जो लोग चढ़ावा को चोरी होने से नहीं बचा पाए, वो पेपर लीक कैसे रोक पाएंगे. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य में पेपर लीक की कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां से प्रधानमंत्री मोदी चुनकर आते हैं, वहां ऐसी स्थिति है. उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में कर्मचारियों को आउटसोर्स पर रखने का उल्लेख करते हुए कहा, डर लगता है कि कहीं पूरी सरकार को आउटसोर्स न कर दिया जाए. यादव ने कहा कि सरकार ने शिक्षा और शैक्षणिक संस्थाओं को एक रंग में रगने का प्रयास किया है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर रही है कि ताकि पिछड़े, दलित और गरीबों के बच्चे नहीं पढ़ पाएं. उनका कहना था कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 26,386 प्राथमिक विद्यालय बंद किये गए हैं.

पति-पत्नी दोनों को घर व बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाना चाहिए : हाईकोर्ट

मुंबई : मुंबई हाईकोर्ट ने कहा है कि समानता का दावा चुनिंदा तरीके से नहीं किया जा सकता और यदि पति एवं पत्नी दोनों कमाते हैं तो घर चलाने और बच्चे की शिक्षा का खर्च दोनों को मिलकर उठाना चाहिए. अदालत ने यह टिप्पणी अलग रह रही पत्नी और नाबालिग बेटे के लिए तय मासिक भरण-पोषण राशि कम करते हुए की. न्यायमूर्ति एम. एम. साथये की एकल पीठ ने पिछले सप्ताह दिए आदेश में पारिवारिक अदालत के जनवरी 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें पति को पत्नी और बेटे के लिए प्रति माह 50,000 रुपये भरण-पोषण खर्च देने का निर्देश दिया गया था.

हाईकोर्ट ने यह राशि घटाकर 25,000 रुपये प्रति माह कर दी.

अदालत ने कहा कि पति मुंबई के अंधेरी स्थित उस मकान की ईएमआई चुका रहा है, जिसमें पत्नी और बेटा रह रहे हैं, जबकि नवी मुंबई के पनवेल स्थित दूसरे मकान की ईएमआई भी वही भर रहा है. वहीं, वह स्वयं बिहार में रह रहा है. अदालत ने कहा कि पत्नी इन दोनों मकानों की ईएमआई में कोई योगदान नहीं दे रही है.

पति ने अपनी याचिका में अनुरोध किया था कि मासिक भरण-पोषण की राशि 50,000 रुपये से घटाकर 25,000 रुपये की जाए. उसने पत्नी से बिहार में उसके साथ रहने या कम से कम पनवेल स्थित मकान में रहने का अनुरोध किया था, ताकि वह अंधेरी वाला मकान बेचकर अपना आर्थिक बोझ कम कर सके, लेकिन पत्नी ने इससे इनकार कर दिया.

संसद परिसर में पप्पू यादव का सांकेतिक प्रदर्शन, सिर पर पट्टी बांधकर लाठी लेकर पहुंचे

नई दिल्ली: निर्दलीय लोकसभा सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव प्रदर्शनकारी छात्रों की पिटाई पर सांकेतिक विरोध जताते हुए मंगलवार को सिर पर पट्टी बांधकर और लाठी लेकर संसद परिसर पहुंचे. उन्होंने दावा किया कि छात्रों पर जुल्म किया जा रहा है और उसके विरोध में उन्होंने यह कदम उठाया है. संसद में लाठी लेकर पहुंचने से जुड़े सवाल पर कहा, यह तो दिखाना होगा कि छात्रों को लाठी से मारा जा रहा है. बिहार में तो एके-47 से छात्रों को मारा जा रहा है. उन्होंने दावा किया कि सिर्फ छात्रों के साथ नहीं, बल्कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ पुलिस ने हाथापाई की. बिहार के पूर्णिया से लोकसभा सदस्य ने यह आरोप भी लगाया कि दरभंगा से सांसद गोपाल जी ठाकुर ने पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को 'पाग' पहनाकर मिथिला का अपमान किया है क्योंकि प्रधान एक 'चोर' हैं. 'पाग' मिथिला की एक पारंपरिक टोपी है.

न्यूज कॉर्नर

मिर्जापुर में कुख्यात सांसी गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार, यात्रियों के सूटकेस, नगदी और जेवरात करते थे चोरी

मिर्जापुर: जिले में जीआरपी को बड़ी सफलता मिली है. टीम ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों के बैग, सूटकेस, नगदी और जेवरात चोरी करने वाले कुख्यात सांसी गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के खिलाफ वाराणसी, प्रयागराज, मिर्जापुर, फतेहपुर और लखनऊ में मुकदमा दर्ज हैं. जीआरपी उपाधीक्षक अरुण कुमार पाठक ने बताया कि मिर्जापुर रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में यात्रियों के कीमती सामानों को चुराने वाले अंतरराज्यीय सांसी गैंग के चार सदस्यों को प्लेटफार्म नंबर दो पर ट्रेन से गिरफ्तार किया गया है. इनके कब्जे से कीमती मोबाइल, पीली धातु की दो अंगूठी, तीन सफेद धातु के पायल और नगदी बरामद की गई है. जीआरपी के अनुसार, सांसी गैंग के 150 सदस्य ट्रेनों में 7-8 के ग्रुप में भ्रमणशील होकर घटनाओं को अंजाम देते हैं.

नीतीश कुमार ने बांकीपुर उपचुनाव पर श्रवण कुमार से लिया फीडबैक, नेताओं से की भेंट

पटना: बांकीपुर उपचुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को जीत दिलाने के लिए जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के नेता चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक सक्रिय रहे. इस बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को अपने 7, सर्कुलर रोड स्थित आवास पर वरिष्ठ मंत्री और जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार से बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का फीडबैक लिया. इस दौरान विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ भी मौजूद रहे. बांकीपुर उपचुनाव में प्रचार के अंतिम दिन बड़ी संख्या में पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार से मुलाकात की.

लखनऊ में विधायक निवास परिसर में पूर्व मंत्री की भवन से गिरकर मौत

लखनऊः उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नानक राम भुर्जी (68) की मंगलवार को हजरतगंज क्षेत्र स्थित दारुलशफा नए विधायक निवास परिसर के ऊपरी तल से गिरकर मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के अनुसार, विधायक निवास के कार्यालय परिसर में स्थानीय पुलिस को सूचना दी कि परिसर के पीछे एक ऊपरी तल से एक व्यक्ति गिर गया है. पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और भुर्जी को अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

पुलिस मुठभेड़ में गोकशी करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

नोएडा: उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुध नगर के दनकौर थाने की पुलिस ने मंगलवार तड़के एक मुठभेड़ के दौरान कथित गोकशी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया. पुलिस ने इसकी जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी है उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि उसके तीन साथी मौके से फरार हो गए. पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय रवि शंकर निम ने बताया कि आरोपी की पहचान मेहताब के तौर पर की गयी है और वह दीवा राजपुर का रहने वाला है. उन्होंने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस को एक बाइक के पास चार संदिग्ध युवक दिखाई दिए. पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने फायरिंग कर दी.

कलम खरीदने के लिए घर से निकली छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या

नवादा: बिहार के नवादा स्थित पकरीबरावां थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में 8 वर्षीय छात्रा का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है. प्रारंभिक जांच में दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है, जिससे लोगों में आक्रोश का माहौल है. वहीं घटना की सूचना मिलते ही पकरीबरावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है. एसडीपीओ सुजय विद्यार्थी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. परिजनों के अनुसार, छात्रा सोमवार शाम घर से कलम लेने के लिए निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी. परिजनों द्वारा काफी खोजबीन की गई पर उसका कोई सुराग नहीं मिल सका. मंगलवार की सुबह घर से लगभग 500 मीटर दूर उसका शव बरामद हुआ.

मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर सैकड़ों विद्यार्थियों ने किया विरोध प्रदर्शन

फतेहपुर: उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के एक सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज के सैकड़ों विद्यार्थियों ने मूलभूत सुविधाओं की कथित तौर पर कमी को लेकर मंगलवार को करीब पांच घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया. इसके बाद शिक्षा अधिकारियों ने उन्हें 24 घंटे के भीतर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया. एक अधिकारी ने बताया कि तख्तियां और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें लेकर तथा तिरंगा लहराते हुए सर्वोदय इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने सुबह सात बजे कॉलेज का गेट खुलते ही प्रदर्शन शुरू कर दिया. विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि खराब सुविधाओं को लेकर बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद पिछले कई महीनों से कोई कार्रवाई नहीं की गई.

पटना के वीआईपी इलाके में युवक का शव मिला

पटना: पटना के वीआईपी इलाके में स्थित मिलर स्कूल मैदान से मंगलवार सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है. कोतवाली थाने के प्रभारी (एसएचओ) अजय कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हालांकि मृतक के सटीक उम्र की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन उसकी उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच प्रतीत होती है. हम उसकी पहचान और पृष्ठभूमि का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं.'' उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. उन्होंने कहा कि मौत के सही कारण का पता वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा. मामले की आगे की जांच जारी है. मिलर स्कूल उस इलाके में स्थित है, जहां कई विधायकों और मंत्रियों समेत अनेक विशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) के सरकारी आवास हैं.

बांकीपुर उपचुनाव का प्रचार थमा, राजग ने दिखाई एकजुटता, नीरज कुमार की जीत का किया दावा

पटनाः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन द्वारा खाली की गई पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए मंगलवार शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थम गया. अब 30 जुलाई को मतदान होगा. प्रचार के अंतिम दिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी प्रमुख घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन कर गठबंधन की एकजुटता का प्रदर्शन किया और राजग प्रत्याशी नीरज कुमार की भारी मतों से जीत का दावा किया.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान क्षेत्र की जनता से मिले व्यापक समर्थन से यह स्पष्ट हो गया है कि बांकीपुर की जनता विकास और सुशासन के मुद्दे पर राजग के साथ खड़ी है. उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में आयोजित रोड शो, जनसंपर्क अभियान और विभिन्न चुनावी कार्यक्रमों में मतदाताओं का उत्साह इस बात का संकेत है कि नीरज कुमार बड़े मतांतर से विजयी होंगे.

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वयं बांकीपुर के मतदाताओं से बिहार में विकास की निरंतरता बनाए रखने के लिए राजग प्रत्याशी नीरज कुमार के पक्ष में मतदान करने की अपील की है. उन्होंने कहा कि राजग के सभी सहयोगी दल पूरी मजबूती और चट्टानी एकता के साथ चुनाव मैदान में हैं. पटना और बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में बीते वर्षों में हुए विकास कार्यों के कारण जनता का विश्वास राजग सरकार और उसके प्रत्याशी पर कायम है.

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेता चुनावी प्रबंधन के सहारे माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता उनके इरादों को अच्छी तरह समझ चुकी है. उन्होंने दावा किया कि विपक्षी उम्मीदवार पांच हजार वोटों के भीतर सिमट जाएंगे. उन्होंने कहा कि बांकीपुर से नितिन नवीन का वर्षों पुराना आत्मीय और पारिवारिक संबंध रहा है तथा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सहित राजग के सभी शीर्ष नेता एकजुट होकर चुनाव प्रचार में जुटे हैं, जिससे राजग की स्थिति और मजबूत हुई है.

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि बांकीपुर लंबे समय से भाजपा और राजग का मजबूत गढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि नितिन नवीन का राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ता कद बिहार के लिए गौरव का विषय है. पार्टी ने एक साधारण और संघर्षशील कार्यकर्ता नीरज कुमार को उम्मीदवार बनाकर संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान किया है. उन्होंने दावा किया कि नीरज कुमार इस बार नितिन नवीन की पिछली जीत के रिकॉर्ड से भी अधिक मतों के अंतर से विजय हासिल करेंगे.

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले के पटना और वर्तमान आधुनिक पटना की तस्वीर में बड़ा अंतर है. उन्होंने कहा कि मरीन ड्राइव सहित राजधानी में हुए आधारभूत संरचना के विकास कार्य राजग सरकार की उपलब्धियां हैं. उन्होंने विपक्ष के उन नेताओं पर भी कटाक्ष किया, जो चुनाव के अंतिम चरण में अचानक सक्रिय हो जाते हैं. आलोक सिंह ने कहा कि जनता विकास, सुरक्षा और स्थिर शासन के पक्ष में मतदान करेगी तथा बांकीपुर के मतदाता पूरे उत्साह के साथ राजग प्रत्याशी को विजयी बनाने के लिए तैयार हैं.

संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में राजग नेताओं ने दावा किया कि गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है और सभी सहयोगी दल एकजुट होकर प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रहे हैं. नेताओं ने कार्यकर्ताओं से मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने की अपील भी की.

उल्लेखनीय है कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए 30 जुलाई को मतदान होगा, जबकि मतगणना निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बाद में कराई जाएगी. चुनाव प्रचार समाप्त होने के साथ ही अब प्रत्याशियों का ध्यान मतदाताओं से अंतिम संपर्क और मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर केंद्रित हो गया है.

बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले में चिकित्सक गिरफ्तार

पटनाः बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने मार्च 2024 में आयोजित बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-3) के प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच के सिलसिले में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. आरोपी की पहचान जहानाबाद जिले के रहने वाले डॉ मनीष कुमार के रूप में हुई है. ईओयू ने उन्हें रविवार को पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किया. टीआरई-3 मामले की जांच में अब तक ईओयू 296 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है. ईओयू द्वारा जारी बयान के अनुसार, जांच में पता चला है कि डॉ. मनीष कुमार का संबंध डॉ. शिव से था, जो संजीव कुमार सिंह उर्फ संजीव मुखिया का पुत्र है. संजीव मुखिया नीट (यूजी)-2024 प्रश्नपत्र लीक मामले का कथित मास्टरमाइंड है, जिसकी जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है.

सरकार बनने पर नीट छात्र आंदोलन में घायल, जेल गए युवाओं को पेंशन और नौकरी देंगे: तेजस्वी

पटनाः बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी की सरकार बनने पर हालिया नीट-यूजी छात्र आंदोलन के दौरान घायल हुए, प्राथमिकी का सामना करने वाले तथा जेल जाने वाले छात्रों और युवाओं के लिए सरकारी पेंशन तथा सरकारी नौकरी की व्यवस्था की जाएगी.

पटना के बांकीपुर उपचुनाव में अपनी पार्टी की उम्मीदवार रेखा गुप्ता के रोड शो पर निकलने से पहले संवाददाताओं से बातचीत में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता ने छात्र आंदोलन को लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया और कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों तथा युवाओं के खिलाफ जिस प्रकार पुलिस कार्रवाई हुई, वह चिंताजनक है. उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान अनेक छात्रों को लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा, कई घायल हुए, कई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और कुछ को जेल भी जाना पड़ा.

तेजस्वी ने कहा कि युवाओं ने अपने अधिकारों तथा बेहतर परीक्षा व्यवस्था की मांग उठाई थी, इसलिए राजद की सरकार बनने पर उन्हें सम्मानजनक सहायता देने के लिए पेंशन और सरकारी नौकरी की व्यवस्था की जाएगी. उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली निष्पक्ष, सुरक्षित और पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए, तथा युवाओं को रोजगार मिलना चाहिए और भ्रष्टाचार पर सख्ती से रोक लगनी चाहिए. तेजस्वी ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर संघर्ष करने वाले छात्रों के साथ राजद हर परिस्थिति में खड़ा रहेगा.

राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जनता के दबाव के कारण सरकार को प्राथमिकी वापस लेनी पड़ीं. हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल प्राथमिकी वापस लेना पर्याप्त नहीं है और पूरे घटनाक्रम की न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि प्रदर्शन के दौरान क्या परिस्थितियां बनीं और पुलिस कार्रवाई किस आधार पर की गई. उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले युवाओं के खिलाफ हुई कार्रवाई की निष्पक्ष जांच आवश्यक है.

कानपुर में हिस्ट्रीशीटर का पुलिस ने निकाला जुलूस, जनता के सामने हाथ जोड़कर मांगी माफी

कानपुर: चकेरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार को बिच्छू गैंग के सरगना और 12 संगीन मुकदमों में वांछित हिस्ट्रीशीटर गौरव जैन को एक मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने आरोपी गौरव जैन का चकेरी थाने से लेकर हरजिंदर नगर, लाल बंगला, सब्जी मंडी और जगईपुरवा तक जुलूस निकाला. इस दौरान वह स्थानीय लोगों से हाथ जोड़कर अपनी करतूतों के लिए माफी मांगता और आइंदा अपराध न करने की मिन्नतें करता दिखा. दूसरी तरफ, कानपुर के बर्रा थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. मंगलवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों का घटनास्थल से बर्रा थाने तक करीब एक किलोमीटर लंबा पैदल जुलूस निकाला. इस दौरान आरोपी हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगते रहे और भविष्य में दोबारा ऐसी हरकत न करने की बात कहते नजर आए.

पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच आरोपी को करीब तीन किलोमीटर लंबा पैदल चलाया, पैर में

गोली लगने के कारण वह लंगड़ाते हुए पुलिसकर्मियों के साथ चल रहा था. इस दौरान रास्ते में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई, लोग जुलूस देखने के लिए छतों पर चढ़ गए, घरों व दुकानों के बाहर निकल आए.

थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र के अनुसार, आरोपी एक हत्या के प्रयास के मामले में पिछले एक महीने से फरार चल रहा था.

वाराणसी में महिला आयोग की अध्यक्ष ने सुनी महिलाओं की फरियाद

वाराणसी : राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान मंगलवार को वाराणसी में जनसुनवाई कीं. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध न के बराबर है. महिलाओं में जागरूकता और रिपोर्ट दर्ज कराने की हिम्मत बढ़ी है. अब महिलाएं निडर होकर थानों और महिला आयोग तक अपनी शिकायतें पहुंचा रही हैं. पहले जो महिलाएं घर में भी अपनी बात नहीं कह पाती थीं, वो अब बेझिझक अपनी समस्याएं उठा रही हैं. इस दौरान पुलिस की ओर से महिलाओं के साथ बरती जा रही असंवेदनशीलता को लेकर भी उन्होंने बयान दिया. उन्होंने कहा कि पुलिस पर ब्लेम किया जाता है. जबकि ऐसा नहीं है, कारण उसका ये है कि पुलिस लोगों को संतुष्ट नहीं कर सकती है. वह चाहते हैं तुरंत कंप्लेंन करें, आरोपी की गिरफ्तारी हो जाए. ऐसा नहीं हो सकता. कुछ

कानूनी प्रावधान होते है.

उन्होंने कहा, लोग कहते हैं कि पुलिस मैनेज हो गई. मतलब ये क्या है पुलिस, पुलिस हर किसी से मैनेज हो जाएगी क्या. जिसको रोटी खाने का नहीं है वह भी आकर के सवाल करता है. उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक होने की जरूरत है कि पुलिस किस तरीके से काम कर रही है. बाकी पुलिस को विलन बनाने की जरूरत नहीं है वह अपना काम कर रही है.

किशनगंज में पकड़े गए दो बांग्लादेशी नागरिकों से आईबी की पूछताछ में फर्जी दस्तावेज–घुसपैठ नेटवर्क के मिले सुराग

किशनगंजः बिहार के सीमावर्ती किशनगंज जिले में गिरफ्तार दो बांग्लादेशी नागरिकों के मामले की जांच लगातार गहराती जा रही है. नेपाल, बंग्लादेश और पश्चिम बंगाल की सीमाओं से जुड़े इस संवेदनशील क्षेत्र में हुई गिरफ्तारी के बाद खुफिया ब्यूरो (आईबी) ने मामले की कमान संभालते हुए दोनों आरोपितों से गहन पूछताछ की है. प्रारंभिक जांच में अवैध घुसपैठ, फर्जी भारतीय दस्तावेज तैयार कराने और सीमा पार सक्रिय नेटवर्क से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं. अब आईबी और स्थानीय पुलिस पूरे गिरोह की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है.

आईबी अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को किशनगंज के कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ला के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-1) खुसरू सिराज ने इंटेलिजेंस यूनिट के साथ

प्रेम पुल के समीप संयुक्त वाहन जांच अभियान चलाया. इसी दौरान मोटरसाइकिल से जा रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया गया. पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने उसे घेरकर पकड़ लिया. पूछताछ में उसके साथ मौजूद महिला भी बांग्लादेशी नागरिक निकली.

जांच के दौरान दोनों आरोपित भारत में वैध रूप से रहने संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके. पूछताछ में गिरफ्तार आरोपित मो. हसन शेख उर्फ असनउल्ला मल ने बताया कि उसकी पत्नी तय्यबा इस्लाम उर्फ तंजीला अख्तर किशनगंज जिले के महीनगांव निवासी जाकिर हुसैन के घर पर रह रही थी. जांच एजेंसियों को संदेह है कि जाकिर हुसैन दोनों बांग्लादेशी नागरिकों को पनाह देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर उनकी गतिविधियों में सहयोग कर रहा था. इस पहलू की भी गंभीरता से जांच की जा रही है.

पूछताछ में हसन शेख ने खुलासा किया कि भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए उसने एक दलाल को 15 हजार रुपये दिए थे. दलाल ने उसे असम के रास्ते भारत-बांग्लादेश सीमा पार कराई, जिसके बाद वह ट्रेन से किशनगंज पहुंचा. जांच में यह भी सामने आया कि उसने उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के भैरवा थाना क्षेत्र से फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बनवाया था. इसी आधार पर आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य भारतीय पहचान पत्र तैयार कराए गए, जिनका उपयोग वह भारत में अपनी पहचान छिपाने के लिए कर रहा था.

बाबा गरीबनाथ कॉरिडोर को मंजूरी, काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर होगा विकास

मुजफ्फरपुर: उत्तर बिहार के प्रमुख आस्था केंद्र बाबा गरीबनाथ धाम के विकास को लेकर बिहार सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. राज्य सरकार ने बाबा गरीबनाथ कॉरिडोर परियोजना के पहले चरण को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है. पर्यटन विभाग ने पहले चरण के लिए 6.19 करोड़ की मंजूरी दी है, जबकि 2 करोड़ की पहली किस्त भी जारी कर दी गई है. सावन माह समाप्त होने के बाद कॉरिडोर निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा. सरकार का दावा है कि इस परियोजना के पूरा होने से श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और मुजफ्फरपुर धार्मिक पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित होगा. पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि बाबा गरीबनाथ धाम का विकास वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर की तर्ज पर किया जाएगा.

कॉरिडोर परियोजना के पहले चरण में मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का व्यापक सौंदर्यीकरण किया जाएगा. इसके तहत मंदिर के शिखर और अग्रभाग को नया स्वरूप दिया जाएगा. श्रद्धालुओं के प्रवेश को सुगम बनाने के लिए गांधी चौक और साहू पोखर की ओर दो भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे. इसके अलावा आधुनिक शौचालय, आकर्षक लाइटिंग, पाथवे, रेलिंग, चहारदीवारी और आरती डेक का निर्माण भी किया जाएगा.

परियोजना में साहू पोखर के विकास को भी विशेष महत्व दिया गया है. पोखर के आसपास सौंदर्यीकरण और सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके. इस पूरी परियोजना

का कार्यान्वयन बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम करेगा और इसे 12 महीनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. बाबा गरीबनाथ धाम उत्तर बिहार का सबसे बड़ा शिवधाम माना जाता है. सावन के महीने में यहां लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं. कॉरिडोर बनने के बाद श्रद्धालुओं की आवाजाही अधिक सुगम होगी और उन्हें आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी. साथ ही स्थानीय व्यापार, होटल, परिवहन और अन्य व्यवसायों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. सरकार का मानना है कि यह परियोजना मुजफ्फरपुर को धार्मिक पर्यटन के राष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूत पहचान दिलाएगी.

कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी मिलने पर बाबा गरीबनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने खुशी व्यक्त की. उन्होंने कहा, मंदिर परिवार और श्रद्धालु लंबे समय से इस परियोजना की प्रतीक्षा कर रहे थे. सरकार के इस निर्णय से मंदिर की भव्यता और सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी. स्थानीय लोगों ने भी इसे मुजफ्फरपुर के विकास और धार्मिक पर्यटन के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है.

उत्तर बिहार का देवघर कहे जाने वाले बाबा गरीबनाथ धाम का इतिहास लगभग 200 वर्ष पुराना माना जाता है. झारखंड के गठन के बाद देवघर राज्य से अलग हो गया, जिसके बाद बाबा गरीबनाथ धाम को बिहार के प्रमुख बाबाधाम के रूप में विशेष पहचान मिली. आज उत्तर बिहार ही नहीं, नेपाल और सीमावर्ती उत्तर प्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं.

प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक बताते हैं कि जिस स्थान पर आज मंदिर स्थित है, वह कभी चचान परिवार की जमीन थी. उस समय यहां घना जंगल था. जंगल की सफाई के दौरान मजदूर पीपल के पेड़ों की कटाई कर रहे थे. छह पेड़ काटे जा चुके थे, लेकिन जब सातवें पेड़ पर कुल्हाड़ी चली तो वहां से खून की धार निकलने लगी.

मंदिर से जुड़ी मान्यता के अनुसार कई दशक पहले हरिहर तमोली नामक व्यक्ति अपने पांच साथियों के साथ पहली बार पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे थे. इसी घटना के बाद पहलेजा से बाबा गरीबनाथ धाम तक कांवर यात्रा की परंपरा शुरू हुई. समय के साथ श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई और आज सावन के दौरान करीब दस लाख तक कांवरिये यहां जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं.

बिहार में बागमती नदी में उफान, मुजफ्फरपुर की 14 पंचायतों का संपर्क टूटा

मुजफ्फरपुर: नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बागमती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. मुजफ्फरपुर जिले में इस बढ़ते जलस्तर ने एक बार फिर बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं. खासतौर पर कटरा प्रखंड के उत्तरी हिस्से में स्थिति सबसे गंभीर है. करीब तीन फीट जलस्तर बढ़ने से कटरा प्रखंड की 14 पंचायतों का सड़क संपर्क प्रखंड मुख्यालय से टूट गया है. कटरा पीपा पुल के दोनों ओर सड़क पर दो फीट तक पानी का तेज बहाव हो रहा है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है. बसघट्टा, लखनपुर, पहसौल, खंगुराडीह, नगवारा, चंगेल, कटाई, यजुआर पूर्वी, यजुआर पश्चिमी, बेलपकौना, बंधपुरा, बरीं और तेहबारा समेत कई पंचायतें इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं.

प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को अब प्रखंड मुख्यालय पहुंचने के लिए महज 2 से 10 किलोमीटर की दूरी की जगह करीब 50 किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है. प्रशासन ने जलस्तर घटने के बाद मोटरसाइकिल आवागमन की व्यवस्था की थी, लेकिन रविवार शाम को नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से यह व्यवस्था भी मात्र एक दिन ही चल पाई. बकुची, पतारी, अंदामा, नवादा, गंगया, बरी, भवानीपुर और माधोपुर समेत कई गांवों में संभावित बाढ़ को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है.

न्यूज कॉर्नर

केंद्र सरकार ने चीनी की स्टॉक लिमिट तय की, नये नियम 1 अगस्त से लागू होंगे

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने चीनी की जमाखोरी रोकने के लिए बड़ा सख्त कदम उठाया है. सरकार ने बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चीनी कारोबारियों के लिए नई स्टॉक रखने की सीमा लागू किया है. सरकार के नए आदेश के तहत अब कोई भी चीनी डीलर 4,000 क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेगा. ये नियम 1 अगस्त से 30 नवंबर तक लागू रहेगा.उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) और सरकारी चीनी भंडार को इस नई स्टॉक सीमा से छूट दी गई है. केंद्र सरकार ने निर्देश दिया कि कोई भी चीनी डीलर 30 दिन से ज्यादा समय तक स्टॉक या भंडार न रखे. साथ ही चीनी की कीमतों को काबू में रखने की कोशिशों के तहत चार हजार क्विंटल की स्टॉक सीमा तय की गई है.उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार सभी चीनी डीलरों को खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के जरिए हर हफ्ते अपने चीनी स्टॉक की जानकारी देनी होगी और स्टॉक की स्थिति को अपडेट करना होगा. इसके अलावा केंद्र सरकार ने राज्यों को भी अधिकार दिया है कि अगर जरूरी हो तो वे केंद्र की ओर से तय सीमा से कम स्टॉक लिमिट लागू कर सकते हैं. इस कदम का मकसद बाजार में चीनी की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना, जमाखोरी पर अंकुश लगाना और कीमतों को कंट्रोल रखने में मदद करना है.

देश का औद्योगिक उत्पादन जून में 7.3 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली: अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है. विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन और बिजली तथा गैस आपूर्ति क्षेत्र की मजबूत वृद्धि के कारण जून में देश का औद्योगिक उत्पादन 7.3 फीसदी बढ़ा है. इससे पिछले महीने मई के 5.1 फीसदी के मुकाबले यह काफी बेहतर रहा. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जून माह में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर 7.3 फीसदी बढ़ा है. आंकड़ों के मुताबिक इस बढ़ोतरी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में 7.8 फीसदी और बिजली क्षेत्र में 10.6 फीसदी की तेजी का मुख्य योगदान रहा है.राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने जारी बयान में कहा, ''जून, 2026 के लिए आईआईपी की वृद्धि दर मई, 2026 के 5.1 फीसदी (जून में जारी त्वरित अनुमान) के मुकाबले 7.3 फीसदी है. मई के लिए आईआईपी का संशोधित अनुमान 5 फीसदी है. यह नई श्रृंखला पर आधारित औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का तीसरा मासिक आंकड़ा है.''आंकड़ों के मुताबिक सालाना आधार पर तुलना करें तो जून में खनन और संबद्ध क्षेत्र का उत्पादन एक फीसदी, विनिर्माण उत्पादन 7.8 फीसदी, जबकि बिजली और गैस आपूर्ति एवं जलापूर्ति क्षेत्र का उत्पादन 10.6 फीसदी तथा सीवरेज व अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र का उत्पादन 6.1 फीसदी बढ़ा. वहीं, विनिर्माण क्षेत्र की बात करें तो 23 उद्योग समूहों में 19 ने जून, 2025 की तुलना में जून, 2026 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की.मंत्रालय के मुताबिक जून, 2026 के लिए शीर्ष 3 सकारात्मक योगदानकर्ता हैं, जिसमें विद्युत उपकरणों का निर्माण (34 फीसदी) रहा.

पेटीएम पेमेंट्स बैंक होगा बंद, अब ऑफिशियल लिक्विडेटर संभालेगा कमान

नई दिल्ली: पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाई है. दिल्ली हाई कोर्ट ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने ये निर्देश दिया है कि लिक्विडेटर 8 जुलाई से बोर्ड की शक्तियों का इस्तेमाल करेगा. साथ ही कोर्ट ने गिरिकुमार नायर को ऑफिशियल लिक्विडेटर नियुक्त किया है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि हाई कोर्ट ने केंद्रीय बैंक के अनुरोध पर पेटीएम पेमेंट बैंक को बंद करने का आदेश देते हुए उसके संचालन की जिम्मेदारी ऑफिशियल लिक्विडेटर को सौंप दी है. आरबीआई ने कहा कि 8 जुलाई, 2026 के आदेश और उसके साथ 22 जुलाई 2026 के आदेश के तहत दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 और कंपनीज़ एक्ट, 2013 के प्रावधानों के तहत बंद किया जाए. आरबीआई के अनुसार कोर्ट ने इसके लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक गिरिकुमार एम. नायर को आधिकारिक लिक्विडेटर (परिसमापक) नियुक्त किया है, जो 8 जुलाई, 2026 से बैंक के बोर्ड की सभी शक्तियां संभाल रहे हैं. रिजर्व बैंक ने बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट की धारा 22(4) के तहत 24 अप्रैल, 2026 से पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के बैंकिंग लाइसेंस को रद्द कर दिया था. आरबीआई द्वारा नियमों के उल्लंघन के कारण पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द किए जाने के कुछ महीनों बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने बैंक को बंद करने का आदेश दिया है.

एलएंडटी का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 14 प्रतिशत बढ़कर 4,123 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 14 प्रतिशत बढ़कर 4,122.85 करोड़ रुपये हो गया.कंपनी ने एक साल पहले की समान अवधि में 3,617.19 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था. शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसका एकीकृत परिचालन राजस्व बढ़कर 67,941.74 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 63,678.92 करोड़ रुपये था. कंपनी ने शेयर बाजार को बताया, ''लार्सन एंड टुब्रो समूह ने 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए 67,942 करोड़ रुपये का एकीकृत राजस्व दर्ज किया, जो सालाना आधार पर सात प्रतिशत अधिक है.''कंपनी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार से राजस्व 34,393 करोड़ रुपये रहा और इसने कुल राजस्व में 51 प्रतिशत का योगदान दिया.कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस एन सुब्रमण्यन ने कहा, ''वित्त वर्ष की शुरुआत भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं की पृष्ठभूमि में हुई है. कंपनी मजबूत नकदी प्रवाह को बनाए रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना ध्यान केंद्रित करके गति बनाए रखने में सफल रही है. तिमाही का प्रदर्शन हमारे पोर्टफोलियो के लचीलेपन को दर्शाता है.''उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में फैले विविध पोर्टफोलियो के साथ, कंपनी को भरोसा है कि वह उभरते अवसरों का लाभ उठाते हुए वृद्धि को बनाए रखेगी.

स्विगी इंस्टामार्ट के सीईओ अमितेश कुमार झा का इस्तीफा, नंदिता सिन्हा लेंगी उनकी जगह

नई दिल्ली: ऑनलाइन फूड और क्विक कॉमर्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी स्विगी के इंस्टामार्ट प्लेटफॉर्म के कारोबार में बड़ा बदलाव हुआ है. इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमितेश कुमार झा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, उनकी जगह अब मिंत्रा की पूर्व सीईओ नंदिता सिन्हा कंपनी का कार्यभार संभालेंगी. कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि स्विगी के स्वामित्व वाले त्वरित वाणिज्य मंच इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमितेश कुमार झा ने इस्तीफा दे दिया है. कंपनी की सूचना के अनुसार नंदिता सिन्हा 03 अगस्त, 2026 से मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पद संभालेंगी. नंदिता सिन्हा इससे पहले मिंत्रा की सीईओ थीं.कंपनी के मुताबिक, झा ने स्विगी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (समूह) श्रीहर्ष मजेटी को भेजे अपने इस्तीफे में कहा, '' मैं संगठन के बाहर अन्य अवसरों को अपनाने के लिए इंस्टामार्ट के सीईओ पद से इस्तीफा दे रहा हूं.''वहीं, नई जिम्मेदारी के बारे में सिन्हा ने कहा, ''इंस्टामार्ट भारत में लोगों की रोजमर्रा की खरीदारी के केंद्र में है. मैं अपने सहयोगियों, भागीदारों और उपभोक्ताओं के साथ मिलकर इसकी वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं.''

फाइजर के पहली तिमाही का मुनाफा 6.6 प्रतिशत बढ़कर 204 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली: दवा कंपनी फाइजर लिमिटेड का 30 जून, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 6.6 प्रतिशत बढ़कर 204.47 करोड़ रुपये हो गया. फाइजर लिमिटेड ने एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी. कंपनी ने एक साल पहले समान तिमाही में 191.75 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था.पहली तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 653.17 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 603.05 करोड़ रुपये था.कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल खर्च एक साल पहले के 410.69 करोड़ रुपये की तुलना में अधिक यानी 421.33 करोड़ रुपये रहा.

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 1.11 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली: घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ. आज बाजार की चाल पर निफ्टी और बैंक निफ्टी के साथ एनएसई के अन्य सूचकांकों और स्टॉक्स के डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की मंथली एक्सपायरी का भी असर बना रहा. आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली गिरावट के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद पूरे दिन तेजड़िये और मंदड़िये एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश करते रहे, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 4.03 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 76,831.75 अंक के स्तर पर खुला. बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा. खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 152.70 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,988.48 अंक के स्तर तक पहुंचा. वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर इस सूचकांक ने 163.01 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,672.77 अंक के स्तर तक गोता भी लगाया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 69.86 अंक टूट कर 76,765.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ. सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 24.70 अंक फिसल कर 23,971.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलने के बाद पूरे दिन यह सूचकांक सीमित दायरे में ऊपर-नीचे होता रहा. खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 45.20 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,041.15 अंक के स्तर तक पहुंचा. वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर यह सूचकांक 41.35 अंक यानी 0.17 प्रतिशत फिसल कर 23,954.60 अंक

के स्तर तक गिर भी गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 10.60 की मामूली कमजोरी के साथ 23,985.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर के शेयरों की जमकर खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स 3.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह रियल्टी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए. दूसरी ओर, कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों पर आज जबरदस्त दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का कैपिटल गुड्स इंडेक्स 2.40 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ. इसी तरह बैंकिंग, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए. ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसकी वजह से निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ. दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 479.22 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 480.33 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया.

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,424 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 1,626 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,629 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,986 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 938 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,048 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में बंद हुए.आज दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीसीएस 4.46 प्रतिशत, एटरनल 4.23 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 3.82 प्रतिशत, नेस्ले 3.16 प्रतिशत और सिप्ला 2.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर 6.99 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 4.46 प्रतिशत, कोल इंडिया 4.06 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.28 प्रतिशत और एनटीपीसी 2.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

अमृतसर से हब एंड स्पोक इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेशन सुविधा का शुभारंभ

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने मंगलवार को अमृतसर एयरपोर्ट से हब एंड स्पोक मॉडल के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाओं की शुरुआत की. इसके साथ ही वाराणसी के बाद अब अमृतसर इस व्यवस्था से जुड़ने वाला देश का दूसरा एयरपोर्ट बन गया है. नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि मंत्रालय ने अमृतसर से हब एंड स्पोक अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन सुविधा का शुभारंभ किया है. यह सुविधा अब तक अमृतसर से केवल सात अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें के लिए उपलब्ध थीं. नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट के वैश्विक नेटवर्क का लाभ अमृतसर से ही मिल सकेगा. इससे वे 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक आसानी से यात्रा कर सकेंगे.केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इस अवसर पर अपने वीडियो संदेश के माध्यम से अमृतसर हवाई अड्डे पर उपस्थित सभी हितधारकों को बधाई देते हुए कहा कि हब एंड स्पोक केवल विमानन के संचालन का मॉडल नहीं है, बल्कि यह एक शानदार अवसर है. इसके लिए दिल्ली केंद्र के तौर पर काम करेगा जबकि अमृतसर पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार भी बनेगा.

उन्होंने कहा कि अमृतसर उन भारतीय शहरों में से एक है, जिन्हें प्रवासी भारतीयों से अपने मजबूत संपर्क और बड़ी क्षेत्रीय जनसंख्या को आकर्षित करने के साथ उन्हें विश्व से जोड़ने के लिए इस बदलाव से सबसे अधिक लाभ होगा. यात्री अब एक ही चेक-इन और एक ही बैगेज टैग के जरिए अपनी पूरी अंतरराष्ट्रीय यात्रा कर सकेंगे.नागर विमानन मंत्री ने कहा कि इससे यात्रा पहले की तुलना में अधिक आसान और सुविधाजनक होगी. हर साल लगभग 1.5 लाख यात्री अमृतसर से दिल्ली अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़ने के लिए जाते हैं, जबकि लगभग 1.5 लाख यात्री भी विदेश से दिल्ली होते हुए अमृतसर पहुंचते हैं. नई व्यवस्था से यात्री संख्या में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. मंत्रालय के मुताबिक नई प्रणाली के तहत अंतरराष्ट्रीय यात्री अमृतसर एयरपोर्ट पर ही चेक-इन, इमिग्रेशन और कस्टम्स की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे. वहीं, उनका सामान अंतिम अंतरराष्ट्रीय गंतव्य तक सीधे भेजा जाएगा. दिल्ली पहुंचने पर उन्हें दोबारा इमिग्रेशन या कस्टम्स की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा और वे सीधे अपनी अगली अंतरराष्ट्रीय उड़ान में सवार हो सकेंगे. भारत में हब एंड स्पोक मॉडल की शुरुआत 25 जून 2026 को वाराणसी एयरपोर्ट से हुई थी.

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. वहीं चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है. कीमत में आए उछाल के कारण चेन्नई और मुंबई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 870 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है. वहीं चेन्नई और मुंबई में सोने की कीमत में 950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है.

कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,33,710 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,45,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,870 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,45,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,33,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को मिला 158.66 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक

नयी दिल्ली: टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 158.66 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला, जबकि एक साल पहले यह 155.81 करोड़ रुपये था. कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है.चंद्रशेखरन को मिला यह अब तक का सर्वाधिक पारिश्रमिक है. टाटा संस ने 2022 से कार्यकारी पारिश्रमिक का खुलासा करना शुरू किया है. पिछले पांच वर्षों में उन्होंने कुल 671.4 करोड़ रुपये कमाए हैं.वित्त वर्ष 2025-26 के उनके पारिश्रमिक में 17.97 करोड़ रुपये वेतन एवं अन्य लाभ के हैं, जबकि 140.69 करोड़ रुपये मुनाफे से जुड़ा कमीशन रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 के बराबर है.इस पारिश्रमिक के साथ चंद्रशेखरन भारत के सबसे अधिक वेतन पाने वाले कॉरपोरेट दिग्गजों में शामिल हो गए हैं.

एचसीएल टेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सी. विजयकुमार को वित्त वर्ष 2025-26 में 176 करोड़ रुपये मिले, जबकि पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के सीईओ संदीप कालरा ने 2024-25 में 148 करोड़ रुपये कमाए थे. हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी चेयरमैन पवन मुंजाल को 2025-26 में 122 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला.टाटा संस के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) और कार्यकारी निदेशक सौरभ अग्रवाल वित्त वर्ष 2025-26 में 33.69 करोड़ रुपये के पारिश्रमिक के साथ कंपनी में दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले अधिकारी रहे. इसमें 26 करोड़ रुपये का कमीशन भी शामिल है.वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बोर्ड के बाकी सात सदस्यों को बैठक में शामिल होने के शुल्क के अलावा कोई पारिश्रमिक नहीं मिला. वहीं निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने टाटा संस के बोर्ड में शामिल होने के बाद से चली आ रही परंपरा के तहत इस बार भी कोई कमीशन नहीं लिया.

टाटा समूह की विभिन्न सूचीबद्ध कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली कंपनी टाटा संस के निदेशक मंडल ने 1,10,717 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की सिफारिश की है, जिस पर शेयरधारकों की मंजूरी बाकी है.

स्टॉक मार्केट में मेटालिक टेक्नोफोर्ज की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली: ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए पार्ट्स बनाने वाली वाली फोर्जिंग एंड मशीनिंग कंपनी मेटालिक टेक्नोफोर्ज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 77 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 12.99 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 87 रुपये के स्तर पर हुई.

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 90.90 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बन जाने पर ये टूट कर 82.65 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक भी आया. हालांकि बाद में खरीदारी होने से लोअर सर्किट ब्रेक हो गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 83.05 रुपये के स्तर पर बंद हुआ. इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 6.05 रुपये यानी 7.86 प्रतिशत का फायदा हो गया.

इस कंपनी का 49.96 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 8.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 17.07 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सात गुना सब्सक्राइब हुआ था.इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 64.88 लाख नए शेयर बेचे गए हैं. इसमें कोई भी ऑफर फॉर सेल नहीं है. आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, मौजूदा यूनिट को अपग्रेड करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी. मेटालिक टेक्नोफोर्ज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 4.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.03 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 12.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ.इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 51.50 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 75.64 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 97.98 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था. इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया. वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 10.81 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 27.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 31.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2023-24 में ये 7.72 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 17.40 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का नेटवर्थ उछल कर 33.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.

कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर उतार-चढ़ाव होता रहा. वित्त वर्ष 2023-24 में ये 7.37 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 16.40 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस मामूली गिरावट के साथ 15.92 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था.इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 7.29 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 16.08 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 21.95 करोड़ रुपये के स्तर पर था.

अपराध पर सख्ती और ...

हुए कहा कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें अगले कुछ महीनों में लागू की जाएंगी. इसके अलावा, दुर्गा पूजा से पहले अक्टूबर से पुलिसकर्मियों को 20 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता (डीए) दिया जाएगा. राशन भत्ता भी 1,500 से बढ़ाकर 2,000 प्रतिमाह करने की घोषणा की गई. पुलिस बल में लगभग 47,000 रिक्त पदों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने चरणबद्ध तरीके से एक लाख नए पुलिसकर्मियों की भर्ती की योजना की घोषणा की. उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूरा कर चुके 14,000 कांस्टेबलों की नियुक्ति दुर्गा पूजा से पहले कर दी जाएगी क्योंकि इससे जुड़ी कानूनी बाधाएं अब समाप्त हो चुकी हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 वर्ष से अधिक पुराने 4,000 पुलिस वाहनों को चरणबद्ध तरीके से नए वाहनों से बदला जाएगा. पहले चरण में 120 पुलिस थानों का आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिसे केंद्र सरकार के सहयोग से बढ़ाकर 250 से 300 थानों तक ले जाने की योजना है. इसके साथ ही आतंकवाद और संगठित अपराध की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की तर्ज पर राज्य स्तर पर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) गठित करने की भी घोषणा की गई. मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों की कार्य परिस्थितियों में सुधार के लिए कई अन्य फैसलों की भी घोषणा की. इनमें लंबे समय से गृह जिले से बाहर तैनात अधिकारियों का स्थानांतरण, महिला पुलिसकर्मियों को घर के निकट पोस्टिंग, गैर-राजनीतिक पुलिस कल्याण बोर्ड का गठन तथा बारिश के दौरान ड्यूटी करने वाले यातायात पुलिसकर्मियों को छाते, रेनकोट और रबर के जूते उपलब्ध कराने जैसी पहलें शामिल हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी स्वतंत्रता और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी. उनके अनुसार, अपराध के प्रति सख्ती और पुलिस बल के कल्याण-दोनों पर समान रूप से ध्यान देकर राज्य में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा.

राज्य सरकार के कर्मचारियों ...

पश्चिम बंगाल पुलिस मुख्यालय भवानी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने वित्त सचिव और वित्त मंत्री से अक्टूबर का वेतन दुर्गा पूजा से पहले जारी करने को कहा है. साथ ही, मैंने उन्हें पूजा वाले महीने में अतिरिक्त 20 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी करने का निर्देश दिया है. राज्य सरकार के कर्मचारियों को आमतौर पर हर महीने के अंतिम कार्य दिवस पर वेतन मिलता है. यदि यह निर्णय लागू होता है, तो कर्मचारियों को इस

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

वर्ष अक्टूबर के मध्य में होने वाले दुर्गा पूजा उत्सव से काफी पहले वेतन मिल जाएगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के बजट में की गई घोषणा के अनुसार, अतिरिक्त 20 प्रतिशत महंगाई भत्ता अक्टूबर से प्रभावी होगा. उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य के बीच डीए में 42 प्रतिशत का अंतर है.

उड़ी में एलओसी पर...

कि मंगलवार को जब जवान अपनी नियमित गश्त और ड्यूटी पर थे, तभी अचानक एक पुरानी माइन में जोरदार धमाका हो गया. धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाके में उसकी आवाज सुनी गई. इस विस्फोट की चपेट में आकर दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए.घायल जवानों की पहचान दफादार विजय कुमार (42 वर्ष) और नायक शरणप्पा अंगारी (28 वर्ष) के रूप में हुई है.

भारत की पाकिस्तान को...

इसके बाद, विदेश सचिव ने चीन की विदेश मामलों की उप मंत्री हुआ चुनयिंग से मुलाकात की. दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों पर समग्र रूप से चर्चा की और व्यापार और आर्थिक संबंधों, संस्कृति और जन-जन आदान-प्रदान के माध्यम से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणामों सहित, भारत और चीन को साझेदार और एक-दूसरे के लिए विकास के अवसर मानने वाले दोनों नेताओं के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के साधनों पर विचार-विमर्श किया.

नीट के टॉप 100 छात्रों...

अस्पताल में बिस्तरों और आईसीयू क्षमता बढ़ाई जाएगी. डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के आवास तथा कार्य वातावरण में भी सुधार किया जाएगा.मुख्यमंत्री ने निजी निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में भी बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अदाणी समूह न्यूटाउन में 2000 बिस्तरों वाला अंतरराष्ट्रीय स्तर का सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करेगा. इसके लिए भूमि हस्तांतरण और समझौते की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है. उन्होंने बताया कि अस्पताल में 1000 बिस्तर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए पूरी तरह निःशुल्क आरक्षित किए जाएंगे.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मेधावी छात्रों के सम्मान के साथ चिकित्सा शिक्षा, अस्पतालों के विस्तार और स्वास्थ्य अवसंरचना में बड़े निवेश की घोषणाएं राज्य सरकार की दीर्घकालिक स्वास्थ्य नीति की दिशा को स्पष्ट करती हैं. यदि ये योजनाएं निर्धारित समय में लागू होती हैं, तो आने वाले वर्षों में पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य व्यवस्था और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है.

कोलकाता एसटीएफ की...

एनएच-18 पर एक ट्रक को रोका. तलाशी के दौरान ट्रक से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया गया. उन्होंने जब्त मादक पदार्थ की मात्रा और अनुमानित कीमत की जानकारी नहीं दी.मुख्यमंत्री ने बताया कि गांजा ट्रक में चालक की सीट के पीछे विशेष रूप से बनाए गए एक गुप्त कक्ष में छिपाकर रखा गया था. ट्रक के साथ ओडिशा से आसनसोल की ओर जा रही दो एस्कार्ट गाड़ियों को भी पुलिस ने रोक लिया. कार्रवाई के दौरान कुल सात लोगों को हिरासत में लिया गया.मुख्यमंत्री ने पुलिस और अन्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों की त्वरित और समन्वित कार्रवाई की सराहना की. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और युवाओं व समाज की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गैरकानूनी गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है. उन्होंने पुलिसकर्मियों की सतर्कता और समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

आईएसएसएफ विश्व कप

सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता कांस्य

हांगझोउ: चीन के हांगझोउ में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप राइफल / पिस्टल / शॉटगन प्रतियोगिता में भारत की सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाला. दोनों ने फाइनल में कुल 441.2 अंक (220.6-220.6) हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया. इस स्पर्धा में चीन की दोनों टीमों ने स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए. भारतीय निशानेबाजों ने क्वालिफिकेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन किया. सोनम (317.2) और हिमांशु (317.4) ने मिलकर 634.6 अंक जुटाए और फाइनल में जगह बनाई. वहीं एलावेनिल वलारिवन (316.8) और पार्थ राकेश माने (317.4) की दूसरी भारतीय जोड़ी ने 634.2 अंक के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया. फाइनल में सोनम और हिमांशु ने संयमित प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक सुनिश्चित किया, जबकि एलावेनिल और पार्थ 378.8

अंक (एलावेनिल 190.5, पार्थ 188.3) के साथ चौथे स्थान पर रहे. पदक जीतने के बाद सोनम उत्तम मस्कर ने कहा कि यह प्रतियोगिता काफी चुनौतीपूर्ण रही और यह सफलता आगामी एशियाई खेलों तथा विश्व चैंपियनशिप के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगी. उन्होंने कहा कि बड़े मंच पर मिला अनुभव भविष्य की प्रतियोगिताओं में काफी मदद करेगा. अपने करियर के पहले सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में उतरने वाले हिमांशु ढिल्लों ने इसे यादगार उपलब्धि बताया. उन्होंने कहा कि कोच के मार्गदर्शन और अपने खेल पर भरोसा रखने से उन्हें सफलता मिली और पहला सीनियर विश्व कप पदक जीतना उनके लिए बेहद खास पल है. 23 वर्षीय महाराष्ट्र की सोनम उत्तम मस्कर इससे पहले 2024 में काहिरा विश्व कप और नई दिल्ली विश्व कप फाइनल में रजत पदक जीत चुकी हैं. वहीं हरियाणा के 20 वर्षीय हिमांशु ढिल्लों का यह पहला सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप पदक है. इससे पहले वह 2025 जूनियर विश्व कप और एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं. इस कांस्य पदक के साथ हांगझोउ आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदकों की संख्या चार हो गई है, जिसमें एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं.

ताइपे ओपन के क्वालीफायर में भारतीय खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन

ताइपे सिटी (ताइवान): भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वालीफायर में निराशाजनक रहा तथा मंगलवार को यहां केवल रौनक चौहान ही पुरुष एकल क्वालीफाइंग राउंड के दूसरे दौर में पहुंच पाए. क्वालीफायर में दूसरी वरीयता प्राप्त चौहान ने कनाडा के जोशुआ गुयेन को 21-15, 21-11 से हराया. उनका अगला मुकाबला चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ से होगा. रौनक को छोड़कर पुरुष एकल क्वालीफायर में भाग लेने वाले अन्य सभी भारतीय खिलाड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गए. रित्विक संजीव जापान के क्वालीफायर में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रिकी ताकेई से 10-21, 11-21 से, जबकि शंकर सुब्रमण्यम अमेरिका के गैरेट टैन से 17-21, 10-21 से हार गए. तुषार सुवीर ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ से 19-21, 21-16, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा. महिला एकल क्वालीफायर में भाग ले रही एकमात्र भारतीय खिलाड़ी चौथी वरीयता प्राप्त आकर्षी कश्यप भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और मलेशिया की किसोना सेल्वादुरे से 15-21, 19-21 से हार गईं. अच्युतादित्य राव डोड्डावरपु और अर्जुन रेड्डी पोचाना की भारतीय जोड़ी भी पुरुष युगल क्वालीफाइंग दौर में चीनी ताइपे की जोड़ी चेन बो युआन और लू मिंग चे से 5-21, 8-21 से हार गई.

राष्ट्रमंडल तैराकी : श्रीहरि 100 मीटर बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल में, साजन प्रकाश 50 मीटर बटरफ्लाई से बाहर

ग्लास्गो : भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की तैराकी स्पर्धा में 100 मीटर बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि अनुभवी साजन प्रकाश मंगलवार को यहां क्वालीफाइंग राउंड में हीट (शुरुआती दौर) से ही बाहर हो गए. नटराज 55.58 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में पांचवें और कुल 13वें स्थान पर रहे. प्रारंभिक दौर से 16 सबसे तेज तैराकों को आगे प्रवेश मिलता है. सेमीफाइनल देर रात होगा. नटराज का 50 मीटर के बाद टाइमिंग 26.26 सेकंड था. उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 53.77 सेकंड है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है. वहीं साजन अपनी हीट में आठवें और कुल मिलाकर 28वें स्थान पर रहने के बाद पुरुषों की 50 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए. 32 वर्ष के साजन क्वालीफाइंग के नौवें और अंतिम ग्रुप का हिस्सा थे. उन्होंने 24.94 सेकंड

का समय लिया और इस तरह से प्रतियोगिता से बाहर हो गए. वह अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी नहीं पहुंच सके जो 23.83 सेकंड है. यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है. दो बार के ओलंपियन साजन सोमवार को 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में आठवें और अंतिम स्थान पर रहे थे. उन्होंने 1:58.05 सेकंड का समय लिया था. उनका यह प्रदर्शन भी निराशाजनक था क्योंकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1:56.38 सेकंड है. 25 वर्ष के नटराज भारत की चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम में भी थे जो फाइनल में छठे स्थान पर रही थी . भारत के लिये राष्ट्रमंडल खेलों की तैराकी स्पर्धा में एकमात्र पदक प्रशांत करमाकर ने जीता है जो दिल्ली में 2010 में हुए खेलों में 50 मीटर फ्रीस्टाइल एस9 पैरा वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे थे.

गुकेश और सिंदारोव के बीच शतरंज विश्व चैम्पियनशिप मैच नवंबर-दिसंबर में जिनेवा में

जिनेवा: मौजूदा चैम्पियन डी गुकेश और चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के बीच फिडे विश्व चैम्पियनशिप मैच 2026 स्विटजरलैंड के जिनेवा में 25 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच खेला जायेगा. भारत के गुकेश और उजबेकिस्तान के सिंदारोव मैच के समय सिर्फ 20 वर्ष के होंगे जिससे यह विश्व चैम्पियनशिप के

इतिहास में सबसे युवा खिलाड़ियों के बीच खेला जाने वाला मुकाबला होगा. फिडे के अंतरिम अध्यक्ष विश्वनाथन आनंद ने इसका स्वागत करते हुए कहा, ''भारत, अमेरिका और साइप्रस समेत कई देशों ने फिडे विश्व चैम्पियनशिप मैच की मेजबानी की इच्छा जताई थी.'' विश्व चैम्पियनशिप मैच में 14 क्लासिकल मुकाबले होंगे और 7-5 अंक तक पहले पहुंचने वाला खिलाड़ी विश्व चैम्पियन बनेगा. कोई भी खिलाड़ी इतने अंक तक पहुंच जायेगा तो बाकी मुकाबले नहीं होंगे. स्कोर 7-7 से बराबर रहने पर कई टाइब्रेकर खेले जायेंगे. पांच बार के विश्व चैम्पियन आनंद ने कहा, ''सभी प्रस्तावों पर गौर करने के बाद यह तय किया गया कि मुकाबला तटस्थ स्थान पर हो. इसके लिये जिनेवा को चुना गया चूंकि यह शहर देशों और संस्कृतियों को करीब लाता रहा है.'' गुकेश ने 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब जीता था. वह सबसे युवा विश्व चैम्पियन हैं.

यूरोपीय टी20 फ्रेंचाइजी लीग 26 अगस्त से शुरू होगी

डबलिन: यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) ने मंगलवार को पहले सत्र का कार्यक्रम जारी किया जिसके अनुसार छह टीमें 26 अगस्त से 20 सितंबर तक नीदरलैंड और आयरलैंड में मुकाबले खेलेंगी. पहले मैच में जोंटी रोड्स की रोटरडम डॉकर्स का सामना स्टीव वॉ की एम्सटर्डम फ्लेम्स से द हेग में 26 अगस्त को होगा. दूसरा मैच 27 अगस्त को राहुल द्रविड़ की डबलिन गार्डियंस और ग्लेन मैक्सवेल की बेलफास्ट वोल्व्स के बीच होगा. टूर्नामेंट की शुरूआत वूरबर्ग में होगी जिसके बाद मैच डबलिन के मालाहिडे क्रिकेट क्लब पर खेले जायेंगे. इसी मैदान पर क्वालीफायर और फाइनल होंगे. ईटीपीएल के संस्थापक अभिषेक बच्चन, सौरव बनर्जी, प्रियंका कौल और धीरज मल्होत्रा हैं. इसका आयोजन क्रिकेट आयरलैंड, क्रिकेट स्कॉटलैंड और रॉयल डच क्रिकेट संघ के सहयोग से हो रहा है.

डोएशे और टी. दिलीप का अनुबंध समाप्त, जल्द होगा नये क्षेत्ररक्षक कोच के नाम का ऐलान: सैकिया

नयी दिल्ली: भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे और क्षेत्ररक्षण कोच टी. दिलीप का अनुबंध समाप्त हो गया है और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को पीटीआई से कहा कि बोर्ड इन दोनों के कार्यकाल को कोई विस्तार नहीं देने जा रहा है. बीसीसीआई श्रीलंका दौरे के लिए जल्द ही नए क्षेत्ररक्षण कोच के नाम की घोषणा करेगा. सैकिया ने बताया कि फिलहाल 'दो-तीन नामों पर चर्चा चल रही है.' सूत्रों के अनुसार भारत की महिला टीम और भारत-ए के पूर्व सहयोगी सदस्य शुभदीप घोष इस पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं और उनके टी. दिलीप तथा डोएशे की जगह लेने की संभावना है. सैकिया ने 'पीटीआई' से विशेष बातचीत में कहा, ''सहायक कोच डोएशे का भारतीय पुरुष टीम के साथ दो वर्ष का अनुबंध 10 जून को समाप्त हो गया था तो वही एक वर्ष का विस्तार पाने वाले क्षेत्ररक्षक कोच टी. दिलीप का अनुबंध आठ जून को खत्म हो गया.'' उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई ने दोनों को भारत के ब्रिटेन दौरे के समाप्त होने तक टीम के साथ बनाए रखा. लेकिन अब उनके

अनुबंध में कोई और विस्तार नहीं दिया जा रहा है. चूंकि उनका अनुबंध समाप्त हो चुका है, इसलिए इस्तीफा स्वीकार करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता.'' गौरतलब है कि डोएशे स्वयं भी पद छोड़ना चाहते थे. उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर के आग्रह पर टीम से जोड़ा गया था और उस समय उन्हें क्षेत्ररक्षण कोच की जिम्मेदारी दिए जाने का आश्वासन मिला था. लेकिन पिछले दो वर्षों में उन्हें कोई स्पष्ट भूमिका नहीं सौंपी गई. दिलीप को इंग्लैंड में 2025 की टेस्ट श्रृंखला से पहले एक सीनियर खिलाड़ी के आग्रह पर एक वर्ष का विस्तार मिला था. उनके प्रदर्शन से हालांकि टीम प्रबंधन संतुष्ट नहीं था. आयरलैंड और इंग्लैंड में सीमित ओवरों के दौरे में टीम के खराब क्षेत्ररक्षण के बाद उनके अनुबंध को आगे बढ़ाने की संभावना लगभग समाप्त हो गई थी. सैकिया ने किसी नाम का जिक्र किये बिना कहा, ''हम फिलहाल दो-तीन उम्मीदवारों से बातचीत कर रहे हैं और उम्मीद है कि अगले एक-दो दिनों में फैसला हो जाएगा. श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के साथ नया क्षेत्ररक्षण कोच होगा. असम के शुभदीप घोष राहुल द्रविड़ के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) कार्यकाल से पिछले छह-सात वर्षों से भारतीय क्रिकेट व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं. वह इस पद के सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं.

महान फुटबॉल खिलाड़ी जिनेदीन जिदान फ्रांस के कोच बने

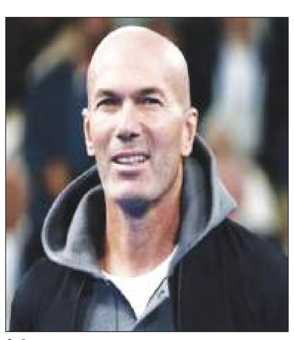

पेरिस: अपने करिश्माई खेल से महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में गिने जाने वाले जिनेदीन जिदान को फ्रांस का नया कोच बनाया गया है जो दिदियेर देसचैम्प्स की जगह लेंगे. फ्रांस फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष फिलिपे दियालो ने मंगलवार को एफएफएफ के मुख्यालय पर यह घोषणा की. जिदान के साथ चार साल का अनुबंध किया गया है. उन्होंने कहा,''यह असाधारण पल है. उस व्यक्ति की वजह से जो मेरे बगल में बैठा है. जिनेदीन फ्रेंच फुटबॉल के लीजैंड रहे हैं और कई साल से वह कहते आये हैं कि उनका एक सपना फ्रांस टीम की बागडोर संभालना है.'' 54 वर्ष के जिदान 2021 में रीयाल मैड्रिड छोड़ने के बाद से किसी टीम के कोच नहीं है. जिदान ने कहा, ''मेरे लिये यह एक सपना है. पांच साल जब मैं कोचिंग नहीं कर रहा था तो मेरे पास एक क्लब का प्रस्ताव था जिसे मैने फ्रांस टीम के लिये ठुकरा दिया. मैं सिर्फ फ्रांस का कोच बनना चाहता था.'' उन्होंने कहा, 'मेरे कई जज्बात इससे जुड़े हैं. मैं चुनौती के लिये तैयार हूं. इससे मुझे प्रेरणा मिलती है.'' स्पेन के हाथों विश्व कप सेमीफाइनल हारने के बाद देसचैम्प्स 14 साल के कार्यकाल के बाद फ्रांस टीम के कोच के पद से हट गए थे. जिदान ने कहा, ''आज मेरे पास इस टीम की बागडोर है और मैं इसे शिखर तक पहुंचाने में सब कुछ झोंक दूंगा. मुझे खेल से प्रेरणा मिलती है. मैं दस नंबर की जर्सी पहनता था और मुझे गोल करना पसंद था. मैं मैदान पर अगुवाई करता था और अब अपने अनुभव के दम पर मैदान के बाहर से अगुवाई करना चाहता हूं.'' 2016 में रीयाल मैड्रिड से जुड़े जिदान लगातार तीन साल युएफा चैम्पियंस लीग जीतने वाले पहले कोच बने. फ्रांस के महानतम खिलाड़ियों में से एक 'जिजोउ' ने 108 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 31 गोल किये. वह 1998 विश्व कप और 2000 यूरो चैम्पियनशिप में फ्रांस की खिताबी जीत के नायक रहे.

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, सारांश जैन को पहली बार मौका, रवींद्र जडेजा की वापसी

नयी दिल्ली: मध्य प्रदेश के अनुभवी ऑफ स्पिनर सारांश जैन को श्रीलंका में होने वाली श्रृंखला के लिए मंगलवार को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया, जो घरेलू क्रिकेट में पिछले एक दशक में उनके शानदार प्रदर्शन का नतीजा है. चयनकर्ताओं ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की. पीटीआई ने रविवार को एक रिपोर्ट में खुलासा कर दिया था कि वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण उनकी जगह 33 वर्षीय सारांश को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है. वाशिंगटन की मांसपेशियों में इंग्लैंड दौरे के दौरान खिंचाव आ गया था. दो टेस्ट मैच की यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है. पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो (एसएससी) में होगा. इस श्रृंखला की तैयारी के लिए भारत सात अगस्त से चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगा. वाशिंगटन की अनुपस्थिति में शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को दाएं हाथ के उंगली के स्पिनर

(ऑफ स्पिनर) की जरूरत थी, इसी वजह से सारांश को टीम में शामिल किया गया है. चंद्रकांत पंडित की कोचिंग में मध्य प्रदेश की रणजी ट्रॉफी विजेता टीम के प्रमुख सदस्य रहे लंबे कद के ऑफ-स्पिनर सारांश ने हाल ही में भारत ए के श्रीलंका दौरे के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मैचों में छह विकेट लेने के साथ एक पारी में नाबाद 70 रन भी बनाए थे. रविंद्र जडेजा और मानव सुथार दोनों बाएं हाथ के परंपरागत (ऑर्थोडॉक्स) स्पिनर हैं जबकि कुलदीप यादव बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर हैं, ऐसे में चयनकर्ताओं ने स्पिन विभाग में विविधता लाने के लिए ऑफ स्पिनर के रूप में सारांश का चयन किया. जडेजा की टीम में वापसी की है. उन्हें जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र घरेलू टेस्ट मैच से विश्राम दिया गया था. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान संन्यास लेने वाले आर अश्विन की जगह टीम में शामिल किए गए मुंबई के ऑलराउंडर तनुष कोटियन अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बनाए रख पाए जिससे उन्हें चयन समिति का समर्थन नहीं मिला. टीम में शामिल अन्य खिलाड़ियों का चयन अपेक्षित था. श्रीलंका ए के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट लेने वाले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने अपनी जगह बरकरार रखी है. तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है. टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले इस महीने के अंत में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा. अभी तक हालांकि किसी आधिकारिक स्टैंडबाय खिलाड़ी का नाम नहीं बताया गया है, लेकिन बुमराह के चोट से पूरी तरह से उबरने में विफल रहने की स्थिति में विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर और जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी विकल्प के तौर पर मौजूद हैं. **भारतीय टीम इस प्रकार है:** शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन.

विशाल टीके 400 मीटर दौड़ के सेमीफाइनल में पहुंचे

ग्लास्गो: राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक विशाल टीके ने राष्ट्रमंडल खेलों की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मंगलवार को पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के सेमीफाइनल में प्रवेश कर देश की पदक उम्मीदों को जीवित रखा.दक्षिण-एशियाई और प्रवासी इस स्पर्धा में एक अन्य भारतीय राजेश रमेश बेहद मामूली अंतर से अगले दौर में जगह बनाने से चूक गए. तमिलनाडु के 22 वर्षीय विशाल ने इसी वर्ष मई में 44.98 सेकंड का समय निकालकर 45 सेकंड की बाधा तोड़ने वाला पहला भारतीय बनने की उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया थ. उन्होंने पहले दौर की छठी हीट में 46.49 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया. इस हीट में सेंट विंसेंट एवं द ग्रेनाडाइंस के अमाल ग्लास्गो 46.03 सेकंड के समय के साथ पहले स्थान पर रहे. हीट के शीर्ष दो धावकों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया. राजेश रमेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा. तीसरी हीट में उन्होंने 47.43 सेकंड का समय निकाला और तीसरे स्थान पर रहे और वह बेहद करीबी अंतर से बाहर हो गए. सभी हीटों के परिणामों को मिलाकर देखा जाए तो विशाल का 46.49 सेकंड का समय सेमीफाइनल में पहुंचे 16 धावकों में 14वां सबसे तेज रहा. पुरुष 400 मीटर के सेमीफाइनल मुकाबले 30 जुलाई को आयोजित होंगे. जमैका के जैंड्रियन बार्न्स 45.13 सेकंड का समय निकालकर सबसे तेज क्वालीफायर रहे. हाल के वर्षों में विशाल भारत के सर्वश्रेष्ठ 400 मीटर धावकों में शामिल रहे हैं. पिछले वर्ष गुमी में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने भारत की स्वर्ण पदक विजेता चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम और रजत पदक जीतने वाली पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई थी. विशाल अगर अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड वाले प्रदर्शन को दोहरा सके, तो कड़े मुकाबले के बावजूद वह पदक के प्रबल दावेदार बन सकते हैं. अब उनकी नजर सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत की झोली में एथलेटिक्स का एक और पदक जोड़ने पर होगी.

घरेलू हिंसा से राष्ट्रमंडल चैंपियन बनने तक: शर्मिला की संघर्ष और स्वर्णिम सफलता की कहानी

ग्लास्गो: घरेलू हिंसा और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने वाली पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने 37 दिन की नवजात बेटी के साथ घर से निकाले जाने के दर्दनाक दौर को पीछे छोड़ते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर संघर्ष की मिसाल कायम की. वर्षों तक घरेलू हिंसा की यातना झेलना उनके लिए एक नई शुरुआत का कारण बनी. उस समय पोलियो से प्रभावित और मानसिक रूप से टूट चुकी शर्मिला को यह नहीं पता था कि जिंदगी उन्हें किस मुकाम तक ले जाएगी लेकिन एक दशक से अधिक समय बाद 40 वर्षीय शर्मिला ने राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की एफ-57 वर्ग की गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया. शर्मिला ने पीटीआई से बातचीत में अपने पहले पति के साथ बिताए कठिन दिनों को याद करते हुए कहा, ''सब लोग कहते थे कि एक दिन सब ठीक हो जाएगा, इसलिए मैं लंबे समय तक सब कुछ सहती रही.'' उन्होंने आरोप लगाया कि उनका पहला पति शराब का आदी था, कोई काम नहीं करता था और घर का सामान बेच देता था. दो बेटियों के जन्म पर वह उन्हें बेरहमी से पीटता था. यहां तक कि उनकी बड़ी बेटी भी घरेलू हिंसा का शिकार हुई. शर्मिला ने कहा, ''मेरे (पहले) पति की कोई आमदनी नहीं थी. वह घर का सामान बेच देता था. दो बेटियां होने की वजह से मुझे मारता था और मेरी बड़ी बेटी को भी पीटता था.'' उन्होंने बताया, ''जब मेरी दूसरी बेटी पैदा हुई तो वह बड़ी बेटी को भी मारने लगा. छोटी बेटी सिर्फ 37 दिन की थी, तभी उसने हमें घर से निकाल दिया. इसके बाद मेरा परिवार मुझे अपने साथ ले आया और मेरा तलाक करा दिया.'' दोनों बेटियों के साथ मायके लौटने के बाद शर्मिला ने अगले छह वर्षों तक संघर्ष करते हुए

अपनी जिंदगी को दोबारा संवारने की कोशिश की. उन्हें हालांकि मुश्किलों का सामना शादी से बहुत पहले से करना पड़ रहा था. दो वर्ष की उम्र में उन्हें पोलियो हो गया था, जिससे उनका दाहिना पैर हमेशा के लिए प्रभावित हो गया. उन्होंने कहा, ''जब मैं दो साल की थी, तब मुझे पोलियो हो गया. बुखार का इंजेक्शन लगाने के बाद मेरा दाहिना पैर प्रभावित हो गया.' शर्मिला का बचपन भी आर्थिक तंगी में बीता. उनकी मां दृष्टिबाधित थीं और उनकी शादी अपने से 20 वर्ष बड़े व्यक्ति से हुई थी. सीमित संसाधनों के बावजूद उनके माता-पिता ने बच्चों की पढ़ाई कभी नहीं रुकने दी. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ''घर में आर्थिक दिक्कतें थीं, लेकिन माता-पिता ने हमें पढ़ाया. पहली से दसवीं कक्षा तक मैं कभी दूसरे स्थान पर नहीं आई, हर परीक्षा में अव्वल रही.'' आर्थिक तंगी के कारण उनकी पढ़ाई बीच में ही छूट गई और कम उम्र में उनकी शादी कर दी गई. उनके जीवन में असली बदलाव दूसरी शादी के बाद आया. शर्मिला ने बताया, ''मेरे दूसरे पति ने ही मुझे खेलों से परिचित कराया. उनके पास जो भी था, उन्होंने मेरी खेल यात्रा पर लगा दिया.'' जब आर्थिक संसाधन कम पड़े तो उनकी मां ने भी अपनी जमीन बेचकर उनका साथ दिया. कोच टेक चंद (2018 एशियाई पैरा खेलों में बैठकर गोला फेंक स्पर्धा के कांस्य पदक विजेता रह चुके हैं) ने शर्मिला की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें इस स्पर्धा में आगे बढ़ाया. शुरुआत में शर्मिला को खुद भी भरोसा नहीं था कि वह कभी बड़ा खिताब जीत पाएंगी. उन्होंने कहा, ''शुरुआत में मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं जीत सकती हूं.'' उनका आत्मविश्वास हर प्रतियोगिता के साथ बढ़ता गया. 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में वह चौथे स्थान पर रहीं, इस वर्ष फज्जा अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और अब ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाकर अपने संघर्ष को ऐतिहासिक सफलता में बदल दिया. यह जीत सिर्फ एक स्वर्ण पदक नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के विश्वास और समर्थन की जीत भी थी, जिन्होंने उनके सबसे कठिन समय में उनका साथ दिया. आज उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा उनकी दोनों बेटियां हैं. 15 वर्षीय बड़ी बेटी भाला फेंक खिलाड़ी है, जबकि 12 वर्षीय छोटी बेटी लंबी कूद में अपना भविष्य बना रही है. शर्मिला ने गर्व से कहा, ''मेरी बेटियों ने मुझसे कहा है कि भारत में होने वाले अगले राष्ट्रमंडल खेलों में हम तीनों भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और तीनों पदक जीतकर लौटेंगे.''

निरुपमा देवी भारोत्तोलन की महिला 63 किग्रा स्पर्धा को पूरी करने में नाकाम

ग्लास्गो: राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण कर रहीं भारत की निरुपमा देवी का महिलाओं के 63 किग्रा वर्ग में मंगलवार को यहां अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हुआ जब वह छह में से केवल एक सफल प्रयास कर सकीं और कुल वजन दर्ज करने में नाकाम रहीं. पच्चीस वर्षीय निरुपमा पूरे मुकाबले के दौरान लय में नहीं दिखीं. उन्होंने छह प्रयासों में केवल स्नैच में 93 किग्रा का एक सफल प्रयास किया. उन्होंने स्नैच में 93 किग्रा वजन अपने दूसरे प्रयास में उठाया जबकि वह पहले प्रयास में ऐसा करने में नाकाम रहीं थी. वह तीसरे प्रयास में 95 किग्रा वजन उठाने में भी असफल रहीं. स्नैच चरण के बाद वह पांचवें स्थान पर थीं. पदक की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें क्लीन एवं जर्क में अच्छे प्रदर्शन की जरूरत थी. उन्होंने शुरुआती प्रयास के लिए 123 किग्रा वजन चुना. वह वजन को कंधों तक (क्लीन) लाने में सफल रहीं लेकिन उसे सिर के ऊपर स्थिर (जर्क) नहीं कर

सकीं. उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 126 किलोग्राम है. भारतीय साथियों के जोरदार उत्साहवर्धन के बीच निरुपमा ने दूसरे प्रयास में फिर 123 किग्रा वजन उठाने की कोशिश की. इस बार भी वह क्लीन करने में सफल रहीं लेकिन जर्क के दौरान संतुलन खो बैठीं और बारबेल उनके पीछे गिर गई. प्रतियोगिता में बने रहने और कांस्य पदक की उम्मीद कायम रखने के दबाव में वह तीसरे और अंतिम प्रयास में भी 123 किग्रा वजन उठाने में नाकाम रहीं. इसके साथ ही वह कुल वजन दर्ज नहीं कर सकीं और उनका अभियान समाप्त हो गया. कनाडा की तोक्यो ओलंपिक चैंपियन मॉड शेरोन ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए तीनों वर्गों (स्नैच, क्लीन एवं जर्क और कुल वजन) में राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड बनाए और लगातार तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया. शेरोन ने स्नैच में 102 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 130 किग्रा से रिकॉर्ड कुल 232 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता. इंग्लैंड की सारा डेविस स्मेल ने कुल 217 किग्रा (95 किग्रा और 122 किग्रा) वजन के साथ रजत पदक जीता जबकि नौरू की 17 वर्षीय फेमिली क्रिस्टी नोटे ने 216 किग्रा (100 किग्रा और 116 किग्रा) के साथ कांस्य पदक हासिल किया. राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक भारोत्तोलन भारत के लिए सबसे सफल खेल रहा है जहां उसने अब तक के 10 पदक में से छह पदक जीते हैं. इसमें पैरा पावरलिफ्टिंग का एक पदक भी शामिल है.

न्यूज कॉर्नर

सिरसा: महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

सिरसा: जिले क्षेत्र में एक महिला से घर में घुसकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के अनुसार पीड़िता अपने परिजनों के साथ महिला थाना में पहुंची और दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवाई. पीड़िता ने बताया कि बीती 25 जुलाई को वह घर पर अकेली थी. इस दौरान घर की दीवार फांदकर आरोपी ने उनके घर में प्रवेश किया और जबरदस्ती उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए. विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी. पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करवाने के उपरांत लीगल एडवाइजर एवं बयानों के आधार पर आरोपी चरणजीत सिंह खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी. जांच के दौरान पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है.उधर, पुलिस ने रानियां क्षेत्र में छात्रा के हाथ से बैग छीना-झपटी कर फरार हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है. रानियां थाना प्रभारी संतोख सिंह ने मंगलवार को बताया कि हिमांशी ने शिकायत में बताया कि वह रानियां कॉलेज में दाखिला करवाकर अपनी माता के साथ वापस घर की तरफ जा रही थी. इसी दौरान पीछे से बाइक सवार एक युवक आया और हाथ में लिए बैग को छीन कर फरार हो गया. पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई. जांच के पुलिस ने वारदात में संलिप्त आरोपी हरजीत सिंह को काबू कर लिया है.

किशोर की हत्या के दोषी को 20 वर्ष का कठोर कारावास व 45 हजार जुर्माना

नूंह: नूंह जिले में स्थित पोक्सो एक्ट मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत (फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट) ने वर्ष 2019 में एक 17 वर्षीय किशोर के साथ अप्राकृतिक यौन शोषण और उसकी हत्या के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा कुल 45 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है. यह फैसला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट, पोक्सो डॉ. आशु संजीव टिंजन की अदालत द्वारा सुनाया गया. पुलिस प्रवक्ता द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार 31 अक्टूबर 2019 की रात गांव दिहाना निवासी 17 वर्षीय किशोर रहस्यमय परिस्थितियों में अपने घर से लापता हो गया था. अगले दिन सुबह उसका शव गांव में एक भूसे के घर में फंदे से लटका हुआ मिला. मृतक के पिता इस्लाम ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने पहले उसके पुत्र के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाए और बाद में उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटकाकर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया.शिकायत और जांच के आधार पर थाना सदर नूंह में 11 नवंबर 2019 को एफआईआर दर्ज की . नूंह पुलिस द्वारा जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वैज्ञानिक साक्ष्य तथा अन्य महत्वपूर्ण सबूत एकत्र किए गए. जांच में पोक्सो एक्ट सहित भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 201 (सबूत मिटाने का प्रयास) के तहत अपराध सिद्ध होने के आधार मिले. इसके बाद अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सुनवाई पूरी होने के बाद आरोपी को आजीवन कारावास और 45 हजार रुपये का जुर्माना सुनाया. जुर्माना अदा न करने की स्थिति में अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा .

रोडरेज में कार चालक ने रॉड मारकर कर डाली ऑटो चालक की हत्या

गुरुग्राम: दुंडाहेड़ा क्षेत्र के राम चौक के पास रोड रेज की एक मामूली घटना खूनी संघर्ष में बदल गई. साइड देने को लेकर हुए विवाद में एक कैब चालक ने लोहे की रॉड से ऑटो चालक के सिर पर हमला कर दिया. गंभीर रूप से घायल ऑटो चालक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी कैब चालक को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि मृतक की पहचान अरविंद निवासी रायबरेली, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है. वह फिलहाल झाड़सा में रहकर ऑटो रिक्शा चलाता था. मृतक के भाई ने शिकायत पर थाना दुंडाहेड़ा में हत्या का मामला दर्ज किया गया. जानकारी के अनुसार पीपल चौक से सेक्टर-18 जाने वाले मुख्य कट के पास ऑटो चालक और कैब चालक के बीच वाहन की साइड को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट में बदल गई. इसी दौरान कैब चालक ने अपने वाहन से लोहे की रॉड निकालकर अरविंद के सिर पर कई वार किए. गंभीर रूप से घायल अरविंद सड़क पर गिर पड़ा. उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. मृतक के भाई ने शिकायत में बताया कि अस्पताल में अरविंद कुछ समय तक होश में था. उसने बताया कि साइड देने के विवाद के दौरान कार चालक ने रॉड से हमला किया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया.हैरानी की बात यह रही कि मारपीट के दौरान अधिकांश लोग मूकदर्शक बने रहे और कई लोग अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाते रहे. बाद में स्थानीय लोगों और राहगीरों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया तथा घायल को अस्पताल पहुंचाया.

व्यापारी का अपहरण कर आठ लाख से अधिक की फिरौती वसूलने वाले दो दोषियों को उम्रकैद

नूंह: जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. सुशील कुमार गर्ग की अदालत ने वर्ष 2017 में महाराष्ट्र के एक व्यापारी को कारोबार का झांसा देकर हरियाणा बुलाने, उसका अपहरण करने और उससे आठ लाख से अधिक की फिरौती वसूलने के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है. अदालत ने मामले में दोषी पाए गए मुबारिक निवासी गांव चाहल्का तथा रतिराम निवासी गांव पलड़ी, जिला नूंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने दोनों दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है. पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के सांगमनेर निवासी व्यवसायी संजय भगचंद असवाल ने अगस्त 2017 में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें एक कथित कारोबारी द्वारा सस्ते दामों पर जंबो बैग उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया गया था. बातचीत ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म इंडियामार्ट और व्हाट्सएप के माध्यम से हुई. आरोपी पक्ष ने उन्हें माल देखने के लिए हरियाणा बुलाया. शिकायतकर्ता 9 अगस्त 2017 को हरियाणा पहुंचे, जहां उन्हें एक कार में बैठाकर गांव पड़ा स्थित एक फार्म हाउस में ले जाया गया. वहां चार लोगों ने उन्हें बंधक बना लिया, उनकी तलाशी लेकर नकदी, मोबाइल फोन और सोने की अंगूठी छीन ली तथा रिहाई के बदले भारी रकम की मांग की. आरोपियों ने पहले 20 लाख की मांग की और जान से मारने की धमकी दी. भय और दबाव के माहौल में लंबे समय तक बंधक बनाए रखने के बाद आरोपियों ने 8 लाख रुपये की फिरौती पर सहमति जताई. अगले दिन शिकायतकर्ता ने अपने पुत्र को फोन कर रकम की व्यवस्था करने के लिए कहा . फिरौती की राशि मिलने के बाद आरोपियों ने उन्हें छोड़ दिया और राष्ट्रीय राजमार्ग पर उतार दिया. इसके बाद पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की.

सांगानेर क्षेत्र में 73 घरेलू गैस सिलेंडर, दो वाहन और एक मोटरसाइकिल जब्त

जयपुर: घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, कालाबाजारी एवं अवैध रिफिलिंग की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी, जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित सतर्कता दल ने सांगानेर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई कर अवैध गैस रिफिलिंग के मामले का खुलासा किया. सतर्कता दल ने मनोरियावाला साहीपुरा , सांगानेर क्षेत्र में दबिश देकर मौके पर अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग करते हुए 73 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए. कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन , कार तथा मोटरसाइकिल भी जब्त की गई. मौके पर एक व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की गई तथा उसके खिलाफ संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. जिला रसद अधिकारी ने बताया कि अवैध गैस रिफिलिंग और घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग गंभीर हादसों का कारण बन सकता है. रिहायशी क्षेत्रों में इस प्रकार की गतिविधियां आमजन के जीवन एवं संपत्ति के लिए बड़ा खतरा हैं. उन्होंने बताया कि जयपुर शहर में अवैध गैस रिफिलिंग, भंडारण एवं कालाबाजारी के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा संचालित ऑपरेशन प्रवर्तन अभियान लगातार जारी है. आमजन से भी अपील की गई है कि यदि कहीं अवैध गैस रिफिलिंग, भंडारण अथवा कालाबाजारी की गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि समय पर कार्रवाई कर जनसुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

मुख्यमंत्री ने धौलपुर को 177 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी

धौलपुर/जयपुर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि किसान, महिला, युवा और श्रमिक सहित प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है तथा धौलपुर जिले के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी. पिछले ढाई वर्षों में जिले में लगभग दो हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए गए हैं.

मुख्यमंत्री मंगलवार को धौलपुर जिले के राजाखेड़ा क्षेत्र की फूलपुर ग्राम पंचायत में आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास समारोह एवं जनसभा को संबोधित कर रहे थे. इस अवसर पर उन्होंने लगभग 177 करोड़ रुपये लागत के 17 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया. इनमें 155 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों का लोकार्पण तथा 21 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों का शिलान्यास शामिल है.मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है. किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ राज्य सरकार की ओर से तीन हजार रुपये अतिरिक्त दिए जा रहे हैं तथा फसल बीमा योजना का लाभ भी मिल रहा है. उन्होंने कहा कि प्रदेश के 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है. रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, गंगनहर, देवास, सोम-कमला-अंबा तथा माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से राजस्थान को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है.

उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. पिछले ढाई वर्षों में 1.78 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है. 1.32 लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है तथा 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी चल रही है. इसके अलावा निजी क्षेत्र में भी साढ़े चार लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं.गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान का संकल्प साकार हो रहा है. विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया जा रहा है तथा प्रदेश की कानून-व्यवस्था भी मजबूत हुई है.इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने धौलपुर जिले के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं. इनमें फूलपुर खेल मैदान के विकास, राजाखेड़ा में मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण, पार्वती नदी पर पुल निर्माण, कृषि उपज मंडी के लिए भूमि आवंटन, रहनावाली और लाठवाली माता मंदिरों के जीर्णोद्धार, सैंपऊ के कौलारी में आयुर्वेद औषधालय, पार्वती बांध से सैंपऊ तक नहर के दोनों ओर जल निकासी व्यवस्था, बसेड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के विस्तार तथा सलेमपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना शामिल है. समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे.

आईएएस अधिकारी बनकर नाबालिगों से दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर: महिला एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जोधपुर कमिश्नरेट की जिला पूर्व पुलिस ने स्वयं को आईएएस अधिकारी बताकर नाबालिग छात्राओं को झांसे में लेने और उनके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी के विरुद्ध अब तक तीन प्रकरण दर्ज हो चुके हैं. वह लड़कियों को बोर्ड परीक्षा में नंबर बढ़ाने, पेपर दिलाने और सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर फंसाता था. इसके बाद होटल बुलाकर रेप करता था.

डीसीपी पूर्व मनीष चौधरी ने बताया कि 26 जुलाई को एक पीड़िता ने मामला दर्ज कराया कि वर्ष 2024 में उसे एक अज्ञात नंबर से फोन आया. फोन करने वाले ने स्वयं को आईएएस अधिकारी बताते हुए बोर्ड परीक्षा में अंक बढ़वाने और सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया. इसके बाद आरोपी ने लगातार संपर्क कर उसे मिलने के लिए मजबूर किया तथा होटल ले जाकर नशीला पेय पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त अंशुमान भौमिया के निर्देश पर रातानाडा थानाधिकारी मोहम्मद शफीक खान के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई. टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी कलाऊ, थाना देचू जिला फलोदी, हाल अजीत कॉलोनी, रातानाडा निवासी उम्मेदाराम पुत्र गणपत राम विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी स्वयं को राज उदावत उर्फ अक्की नाम से आईएएस अधिकारी बताकर कोचिंग संस्थानों और स्कूलों में पढने वाली छात्राओं को निशाना बनाता था. वह पुस्तकालयों के आसपास भी घूमता रहता था और किसी तरह छात्राओं के मोबाइल नंबर हासिल कर उनसे संपर्क करता था. इसके बाद सरकारी नौकरी दिलाने, प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने, परीक्षा में अंक बढ़वाने तथा एयर होस्टेस बनाने का झांसा देकर उन्हें होटल या अपने किराये के कमरे पर बुलाता और उनके साथ दुष्कर्म करता था.

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने एक पीड़िता की छोटी बहन को एयर होस्टेस बनाने का झांसा देकर अपने किराये के कमरे पर बुलाया और उसके साथ भी दुष्कर्म किया.इसके अलावा एक अन्य युवती को अजमेर ले जाकर होटल में दुष्कर्म करने का मामला भी सामने आया है. पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तथाकथित राज उदावत की पहचान उम्मेदाराम के रूप में हुई.

कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने किया युवाओं से खिलवाड़, भाजपा बना रही पेपर लीक पर कड़ा कानून: मुख्यमंत्री

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं के साथ जो खिलवाड़ कभी कांग्रेस पार्टी करती थी वही काम दिल्ली व पंजाब में आम आदमी पार्टी ने किया. जबकि पेपर लीक जैसे मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल 2024 में कानून बनाया बल्कि अब उस कानून को और भी कठोर करने का काम किया जा रहा है ताकि भविष्य में पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लग सके.मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात मंगलवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में मंत्रीमंडल की बैठक के उपरांत आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास भाजपा का विरोध करने के अलावा और कोई काम नहीं है. उन्होंने कहा कि 2 दिन पहले तक आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदिया प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बड़े-बड़े दावे कर रहे थे कि यदि पंजाब में पेपर लीक जैसी घटना होती है तो हमारे शिक्षा मंत्री त्याग पत्र दे देंगे. आज पंजाब में फार्मेसी का पेपर लीक होने के चलते बच्चे प्रदर्शन कर रहे हैं तो मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल वातानुकूलित कमरों में ऐसे बैठे हैं जैसे इन्हें सांप सूंघ गया हो.

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले नौकरियों के लिए खर्ची-पर्ची के माध्यम से कांग्रेस पार्टी युवाओं से खिलवाड़ करती थी, उस समय पेपर भी खूब लीक होते थे. सन् 1986 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस विषय पर लोकसभा में चर्चा तो की लेकिन कानून बनाने के संबंध में किया कुछ नहीं. पंजाब में जब लोग कांग्रेस की कारगुजारियों से तंग हो गए तब केजरीवाल ने ईमानदारी का नारा देकर भोले-भाले लोगों को बहकाकर वोट ले लिए और पंजाब में सरकार बना ली. पंजाब में एक्साइज इंस्पेक्टर की भर्ती में जिस प्रकार धांधली हुई वह किसी से छिपी नहीं है लेकिन पंजाब सरकार ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की.

नायब सिंह सैनी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री को साथ बैठाकर और श्वेत पत्र जारी करके बताए कि उनकी सरकार में दिल्ली व पंजाब में कितने गरीब बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर और आई.ए.एस. बनाया. जबकि हमने हरियाणा में अपने साढ़े 11 साल में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों को मिशन बुनियाद तथा मिशन-100 के माध्यम से आईआईटी, आईआईएम. और एनआईटी के अलावा नीट की परीक्षाएं उत्तीर्ण करवाकर इनके सपने पूरे किए हैं. एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से 20 प्रतिशत डीजल बचाने का आह्वान किया था. उसी के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने सार्थक कदम उठाए हैं. इसी के तहत हरियाणा में 30

डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सैनी ने की बड़ी घोषणाएं

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डेयरी क्षेत्र को नई गति देने, किसानों की आय बढ़ाने और महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं. इन निर्णयों से डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सहकारिता आंदोलन को भी मजबूती मिलेगी. मुख्यमंत्री सैनी ने घोषणा की कि वीटा को दूध उपलब्ध कराने वाले महिला स्वयं सहायता समूहों तथा महिला सीएम पैक्स से जुड़ी महिलाओं को 10 रुपये प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी. उन्होंने गांवों में पंचायती भूमि पर 'सांझी डेयरी' स्थापित करने की भी घोषणा की. इन सामुदायिक डेयरियों में महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्य महिलाओं के पशुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे पशुपालन की लागत कम होगी और महिलाओं की आय में वृद्धि होगी. मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ महिला स्वयं सहायता समूहों और महिला सीएम पैक्स की सदस्य महिलाओं को दुग्ध पशु खरीदने के लिए रियायती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा, ताकि अधिक महिलाएं डेयरी व्यवसाय अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकें.

हरियाणा में बनेगा अल्पसंख्यक आयोग

सरकार ने दी हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग विधेयक, 2026 को मंजूरी

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने प्रदेश में हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग विधेयक, 2026 को मंजूरी प्रदान की. इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उनके लिए उपलब्ध संवैधानिक एवं वैधानिक संरक्षणों के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करने तथा उनके सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग का गठन करना है.आयोग में एक अध्यक्ष, पांच गैर-सरकारी सदस्य तथा सरकार द्वारा नियुक्त एक सचिव होगा. अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा. विधेयक में उनके त्यागपत्र, पद से हटाने तथा रिक्त पदों को भरने संबंधी प्रावधान भी किए गए हैं.

आयोग अल्पसंख्यक समुदायों को प्राप्त संवैधानिक एवं वैधानिक संरक्षणों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगा तथा उनके प्रभावी पालन के लिए सरकार को आवश्यक सुझाव देगा. इसके अतिरिक्त, आयोग अल्पसंख्यकों से संबंधित सरकारी नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की निगरानी करेगा, विभिन्न विषयों पर अध्ययन एवं अनुसंधान कराएगा, सरकारी सेवाओं में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व का आकलन करेगा तथा उनके कल्याण एवं विकास के लिए आवश्यक सिफारिशें करेगा. आयोग राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य करेगा. साथ ही, अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों एवं संरक्षणों से संबंधित शिकायतों की जांच कर संबंधित प्राधिकरणों के समक्ष आवश्यक कार्रवाई के लिए मामला उठाएगा.

आयोग को अपने वैधानिक दायित्वों के प्रभावी निर्वहन के लिए जांच के दौरान सिविल न्यायालय के समान शक्तियां प्राप्त होंगी. इसके अंतर्गत गवाहों को तलब करना एवं उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करना, दस्तावेज प्रस्तुत कराने का निर्देश देना, शपथ-पत्रों के आधार पर साक्ष्य स्वीकार करना, सार्वजनिक अभिलेखों को तलब करना तथा गवाहों एवं दस्तावेजों की जांच के लिए आयोग जारी करने जैसी शक्तियां शामिल होंगी. विधेयक में आयोग के लिए सचिव एवं आवश्यक कर्मचारियों की नियुक्ति, वार्षिक बजट तैयार करने, सरकार से अनुदान प्राप्त करने, लेखों का रखरखाव एवं लेखा-परीक्षा कराने तथा सरकार को वार्षिक एवं विशेष प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का प्रावधान भी किया गया है.

पुलिस हिरासत में यातना से हुई मौत मामले में आश्रितों को मिलेगा मुआवजा

चंडीगढ़: हरियाणा में पुलिस हिरासत में मौत होने पर मृतक के कानूनी उत्तराधिकारी/निकटतम परिजन को जेल नीति के अनुसार मुआवजा प्रदान करने को मंजूरी प्रदान की गई. मंगलवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में यह फैसला लिया गया.इस नीति का उद्देश्य निर्धारित परिस्थितियों में पुलिस हिरासत में मौत होने पर मृतक के परिवारों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है. साथ ही, इस नीति में स्पष्ट रूप से उन परिस्थितियों का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें मुआवजा देय होगा अथवा नहीं होगा. निर्णय के अनुसार, प्राकृतिक मृत्यु, जिसमें बीमारी के कारण हुई मृत्यु भी शामिल है, के मामलों में मुआवजा देय नहीं होगा. इसी प्रकार, यदि किसी व्यक्ति की पुलिस हिरासत से भागने के दौरान मृत्यु हो जाती है अथवा पुलिस हिरासत में रहते हुए किसी प्राकृतिक आपदा या प्राकृतिक विपदा के कारण मृत्यु होती है, तो ऐसे मामलों में भी मुआवजा प्रदान नहीं किया जाएगा.पुलिस हिरासत में अप्राकृतिक मृत्यु के मामलों में मृतक के कानूनी उत्तराधिकारी अथवा निकटतम परिजन को 7.50 लाख रुपये का मुआवजा प्रदान किया जाएगा.

हर घर तिरंगा–हर दुकान तिरंगा' अभियान चलाएगा कैट

जयपुर: कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी बैठक में देशभर से आए 200 से अधिक वरिष्ठ व्यापारी नेताओं ने व्यापार, उद्योग और भारतीय व्यापार महोत्सव-2026 की तैयारियों पर मंथन किया. बैठक में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा' अभियान को देशव्यापी स्तर पर चलाने का निर्णय लिया गया. कैट ने सभी व्यापारियों से अपने घरों, दुकानों और बाजारों में तिरंगा फहराने का आह्वान किया. साथ ही प्रमुख बाजारों में तिरंगा यात्राएं, देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम और आकर्षक झांकियां आयोजित की जाएंगी. राज्य एवं जिला इकाइयों को अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

बैठक में यह भी तय किया गया कि 12 से 15 अगस्त तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव-2026 को भी स्वतंत्रता उत्सव की थीम पर आयोजित किया जाएगा. महोत्सव में एमएसएमई, स्टार्टअप, हस्तशिल्प, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, टेक्नोलॉजी और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के उत्पाद प्रदर्शित होंगे, जिससे भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने और निर्यात को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा.कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत', 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' जैसे आह्वानों से व्यापार जगत को नई दिशा मिली है. उन्होंने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा.

सुडोकू–17

		2	1			6		
1	5		6	4			2	
	8	4		7		1		
		8		1	7	4		
	1	5				9	8	
		6	5	3		7		
		7		9		5	6	
	4			5	6		9	8
		9			4	3		

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू 16 का उत्तर

5	9	2	8	6	4	7	3	1
7	6	3	9	2	1	8	5	4
8	1	4	3	5	7	6	9	2
2	5	9	7	1	3	4	8	6
4	7	8	6	9	5	2	1	3
6	3	1	4	8	2	5	7	9
9	2	5	1	7	6	3	4	8
1	4	7	2	3	8	9	6	5
3	8	6	5	4	9	1	2	7

युवा शक्ति माथापच्ची- 41

1	2		3	■	4	■	5	
6		■	7			8		■
■	9			■	10		■	11
12		■	■	13	■	14		
	■	15					■	
16			■		■	■	17	
	■	18	19	■	20			■
■	21					■	22	23
24		■		■	25			

● **बाएं से दाएं**

1. अच्छी तरह निश्चित किया हुआ, 5. प्राण, बल, सामर्थ्य, 6. पुरुष, 7. कृपालु, दयालु, 9. बोझा ढोने वाला, 10. मोटी–लम्बी तंदुरी रोटी, 12. मर्यादा, ढंग, 14. मटका, घट, 15. किसी कार्य/वस्तु/व्यवसाय पर एक मात्र अधिकार, 16. पाप, 17. झरना, समुह, संतान, संविधान का स्वतंत्र अनुच्छेद, 18. महीना, 20. आखिरी, चरम, 21. डाकिया, हरकारा, 22. घर, भवन, 24. गति चलने का ढंग, 25. उद्धमी , फल की इच्छा के बिना काम करने वाला,

● **उपर से नीचे**

1. पुष्प, चाँद, 2. भिलावे का पेड, अग्निरहित, 3. द्रव्य पदार्थ, 4. इच्छा, मनोरथ, 5. षडयंत्र, धागे से बुना मछली/पक्षी पकडने का फंदा, 8. सूर्य, 11. विजयादशमी, 12. निकट, पडोस, चारो ओर, 13. मक्खन, 15. इकलौता, अकेला, 17, किरणयुक्त सूर्य, 19. वाहन पर बैठा व्यक्ति, किसी चिज पर चढा, 20. गिनती करने वाला, चिन्ह लगाने वाला, 21. घडी का सांठवा भाग, 23. हथेली, पेंदा, आधार,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 40 का हल

रा	ग	द	र	बा	री	■	■	का
त	ह	■	त	■	■	अं	श	क
■	वा	■	■	का	री	ग	र	■
वि	रा	ट	■	■	ग	र	द	न
चा	■	न	त	■	न	क्ष	■	ख
र	प	ट	ना	■	■	क	सा	ना
■	ब	ना	व	ट	■	■	घि	■
आ	ई	ना	■	■	आ	■	का	म
न	■	■	ब	ह	स	क	र	ना

निसान टेकटन का भारत में विश्व प्रीमियर, कोलकाता में नए शोरूम से हुई लॉन्चिंग

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भारत में अपने नए प्रीमियम सी-एसयूवी निसान टेकटन का विश्व प्रीमियर किया. इस अवसर पर कोलकाता के न्यू टाउन, राजारहाट स्थित ऑटोरेली निसान के नए फ्लैगशिप शोरूम में टेकटन को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया. कंपनी ने टेकटन को वन कार, वन वर्ल्ड रणनीति के तहत विकसित किया है. चेन्नई संयंत्र में निर्मित यह एसयूवी भारत के साथ-साथ मध्य-पूर्व और अफ्रीकी देशों में भी निर्यात की जाएगी. निसान टेकटन की शुरुआती कीमत 10.49 लाख रुपये (टी160 एमटी) और 14.99 लाख रुपये (टी280 एमटी एवं टी280 डीसीटी) रखी गई है. यह एसयूवी पूर्णतः टर्बोचार्ज्ड इंजन लाइनअप के साथ उपलब्ध है. टी280 इंजन 163 पीएस की शक्ति और 280 न्यूटन मीटर का टॉर्क प्रदान करता है. नई टेकटन में गूगल अंतर्निर्मित तकनीक के साथ गूगल मैप्स, गूगल असिस्टेंट और 200 से अधिक ऐप्स का समर्थन दिया गया है. इसके अलावा 10.1 इंच एचडी इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25 इंच डिजिटल कॉकपिट, 700 लीटर का बूट स्पेस, पैनोरमिक सनरूफ, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 48 रंगों की एम्बिएंट लाइटिंग और 55 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स शामिल हैं. सुरक्षा के लिहाज से टेकटन में 6 एयरबैग, 40 से अधिक मानक सुरक्षा फीचर्स और 17 से अधिक एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) सुविधाएं दी गई हैं. इनमें अनुकूली क्रूज़ नियंत्रण, स्वचालित आपातकालीन ब्रेकिंग, लेन कीप असिस्ट, ब्लाइंड स्पॉट वार्निंग और 360 डिग्री पार्किंग असिस्ट प्रमुख हैं. कोलकाता लॉन्च कार्यक्रम में अभिषेक अरोड़ा (निदेशक-डीलर नेटवर्क विकास) और अतुल अग्रवाल (निदेशक-आफ्टरसेल्स) उपस्थित रहे. इस अवसर पर ऑटोरेली निसान के डीलर प्रिंसिपल अशनुत चोपड़ा ने कहा कि नया शोरूम ग्राहकों को आधुनिक और प्रीमियम खरीद एवं सेवा अनुभव प्रदान करेगा तथा टेकटन को ग्राहकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है. निसान का कहना है कि टेकटन कंपनी की भारत में पुनरुत्थान रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह भारतीय ग्राहकों के लिए प्रीमियम डिजाइन, अत्याधुनिक तकनीक, दमदार प्रदर्शन और वैश्विक गुणवत्ता का नया विकल्प साबित होगी. देशभर में इसकी बुकिंग निसान के सभी डीलरशिप और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शुरू हो चुकी है.

महा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग मंत्री श्री तपस रॉय से की शिष्टाचार भेंट

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: महा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन (MAIMF) के संस्थापक एवं महासचिव श्री किशन किला के नेतृत्व में फेडरेशन के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल सरकार के माननीय उद्योग मंत्री श्री तपस रॉय से शिष्टाचार भेंट कर राज्य के औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन तथा उद्योग-जगत में समाज बंधुओं की सक्रिय भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक एवं विस्तृत चर्चा की. प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रतन लाल अग्रवाल, प्रख्यात उद्योगपति श्री अनिल विजयवर्गीय, श्री निर्मल कुमार अग्रवाल एवं श्री अमित केडिया शामिल थे. बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल में उद्योग एवं व्यापार के लिए उपलब्ध संभावनाओं पर चर्चा करते हुए राज्य के औद्योगिक विकास में मारवाड़ी समाज के उद्यमियों एवं निवेशकों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की इच्छा व्यक्त की. प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि उद्योग, व्यापार एवं निवेश के क्षेत्र में समाज का अनुभव और योगदान राज्य की आर्थिक प्रगति को नई गति प्रदान कर सकता है. माननीय उद्योग मंत्री श्री तपस रॉय ने राज्य सरकार द्वारा उद्योगों को प्रोत्साहन देने, निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन तथा उद्योग-अनुकूल वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से उठाए गए विभिन्न महत्वपूर्ण कदमों एवं नीतिगत पहलों की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने उद्योग जगत से पश्चिम बंगाल में निवेश बढ़ाने का आह्वान करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उद्योगों के विकास एवं निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. बैठक अत्यंत सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में सम्पन्न हुई. दोनों पक्षों ने पश्चिम बंगाल को औद्योगिक दृष्टि से और अधिक सशक्त एवं समृद्ध बनाने के लिए भविष्य में भी निरंतर संवाद एवं सहयोग बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की.

राजस्थान की संस्कृति का रंग बिखेरेगा 'सुरंगों राजस्थान 5.0'

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) एवं सीकर जिला वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 2 अगस्त 2026 को कोलकाता के सफायर बैंक्वेट, ई.एम. बाइपास में 'सुरंगों राजस्थान 5.0' सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. आयोजकों ने बताया कि यह महोत्सव पिछले चार वर्षों से कोलकाता में बसे राजस्थानी समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रहा है. कार्यक्रम में राजस्थान की लोक संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य, लोकनाट्य तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों की मनोहारी प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहेंगी. महोत्सव में राजस्थानी श्रृंगार, सामूहिक लोकनृत्य, राजस्थानी गीतों पर आधारित अंताक्षरी, लघु नृत्य-नाटिका (राम चरित्र), राजस्थानी व्यंजन, लोक लुभावनी प्रदर्शनी तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे. साथ ही वर्ष 2022 के बाद विवाह बंधन में बंधे नवविवाहित दंपतियों का विशेष सम्मान भी किया जाएगा. कार्यक्रम की मुख्य संयोजक सुनीता लोहिया, रश्मि सर्राफ, किरण सोडाणी एवं टीना सिंधी हैं. परिषद की महिला सदस्यों द्वारा आयोजन की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं. परिषद के अध्यक्ष (एमेरिटस) घनश्याम प्रसाद सोमासरिया एवं उपाध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल ने कहा कि यह आयोजन राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी में संस्कारों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है. उन्होंने समाज के सभी परिवारों से कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की. सचिव रवि शंकर सीकरिया ने कहा कि 'सुरंगों राजस्थान 5.0' के माध्यम से लोगों को राजस्थान की संस्कृति, कला, वेशभूषा, खान-पान और पारिवारिक मूल्यों का सजीव अनुभव प्राप्त होगा. यह आयोजन दर्शकों को राजस्थान की मिट्टी की सोंधी खुशबू और सांस्कृतिक गौरव से रूबरू कराएगा.

पश्चिम बंगाल राज्यसभा उपचुनाव

कुलदीप माइती की अहम भूमिका, भाजपा टिकट पर लड़ सकते चुनाव ?

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी राज्यसभा उपचुनाव को लेकर राजनीति तेज हो गई है. आपको बता दें कि बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी इस समय कई सीट को लेकर भाजपा कोर टीम के साथ बैठक कर रहे हैं. आपको बात दें कि हाल में 4 टीएमसी राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं. इस सांसद भाजपा ज्वाइन कर उच्च सदन पहुंच चुके हैं. चौथी सीट को लेकर राजनीति गहमागहमी तेज हो गई है और चुनाव में संगठन के जुझारू नेता और जनसेवक कुलदीप माइती अहम भूमिका निभाएंगे. दिसंबर 2026 तक कई सीट पर उपचुनाव होने की संभावना है. उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पूरी ताकत से कमर कस ली है. पार्टी ने ऐलान किया है कि इस चुनाव में संगठन के जुझारू नेता और जनसेवक कुलदीप माइती अहम भूमिका निभाएंगे. कुलदीप माइती ने कहा, बंगाल की जनता अब बदलाव चाहती है. टीएमसी की तुष्टिकरण की राजनीति, भ्रष्टाचार और कुशासन से लोग त्रस्त हो चुके हैं. कैग रिपोर्ट ने भी ममता सरकार की पोल खोल दी है. जनता के पैसे की लूट अब और बर्दाश्त नहीं होगी. उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम करेंगे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है. लेकिन बंगाल में ममता दीदी विकास के नाम पर सिर्फ धोखा दे रही हैं. विधानसभा उपचुनाव में जनता इसका जवाब वोट से देगी. कुलदीप माइती ने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि सरकारी खजाने में घोटाला, शिक्षा और स्वास्थ्य में धांधली, ये सब कैग रिपोर्ट में साफ है. भाजपा चुप नहीं बैठेगी. हम सड़क से लेकर सदन तक ममता सरकार से सवाल पूछेंगे और हल्ला बोल करेंगे. उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बूथ स्तर तक जाकर लोगों को जागरूक करें. ये चुनाव सिर्फ 2 सीट का नहीं है. ये बंगाल के भविष्य का चुनाव है. टीएमसी की गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के खिलाफ ये जनता का जनादेश होगा. कुलदीप माइती ने भरोसा जताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के आशीर्वाद से इस विधानसभा उपचुनाव में कमल जरूर खिलेगा. कार्यकर्ता के रूप में जनता की सेवा के लिए मैदान में हूं. टीएमसी की नींद उड़ाने और बंगाल में बदलाव लाने के लिए हम तैयार हैं.

कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी की गौ कथा हेतु गौ-कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

युवा शक्ति न्यूज/हावड़ा: स्वामी श्री गोविंददेव गिरी जी महाराज के व्यासत्व में इस्कॉन बैंक्वेट में आगामी 11 सितंबर से होने वाली त्रिदिवसीय गौ कथा के सफल आयोजन हेतु रविवार को कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के लिलुआ गौधाम में एक गौ कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया. सोसाइटी के उपाध्यक्ष देवकीनंदन तोदी की अध्यक्षता में यह सम्मेलन कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र चमड़िया द्वारा गौवंदना के सामूहिक गायन के साथ शुरू हुआ. मंच पर सह-सचिव महावीर प्रसाद बजाज, बिमल मल्लावत, हॉस्पिटल सह-सचिव राजेश सरावगी, गो-संवाद के संपादक विजय निगाणिया, लिलुआ से राजकुमार मित्तल, दीपक कानोड़िया, लिलुआ सचिव दीपक मुरारका, हावड़ा गौपूजन मुख्य प्रभारी कमल गुप्ता मौजद रहे. हावड़ा हुगली क्षेत्र के 31 गौपूजन केंद्रों से लगभग 100 प्रभारियों ने उपस्थित होकर इसे सफल किया. सभी वक्ताओं ने गौसेवा से गौभक्तों को सीधा जोड़ने के लिए आह्वान किया. स्वामी श्री गोविंददेव गिरी जी महाराज के व्यासत्व में होने वाली त्रिदिवसीय गौ कथा में सभी को सपरिवार उपस्थित होने का आमंत्रण दिया गया. सभी उपस्थित गौभक्तों ने एकनिष्ठ होकर सोसाइटी के आगामी गौसेवा अभियान से सीधे जुड़ने का संकल्प किया तथा सोसाइटी की ओर से हरसंभव सहयोग देने का पूर्ण आश्वासन दिया गया.

बंगाल सरकार का बड़ा कदम, टेनिस खिलाड़ी आकांक्षा घोष के खेल खर्च का जिम्मा उठाएगी

कोलकाताः बंगाल की प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ी आकांक्षा घोष के खेल करियर को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने मदद का हाथ बढ़ाया है. देश-विदेश में होने वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का बढ़ता खर्च आकांक्षा के पिता सुरजीत घोष के लिए उठाना मुश्किल हो रहा था. उन्होंने अपनी बेटी की राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की थी. सरकार ने उनकी अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आकांक्षा के प्रतियोगिताओं में भाग लेने का खर्च वहन करने की बात कही है. सरकार की ओर से मदद मिलने की जानकारी से आकांक्षा के पिता सुरजीत घोष काफी उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि उन्होंने पिछली सरकार के कार्यकाल में भी दो बार आर्थिक सहायता के लिए आवेदन किया था, लेकिन किसी कारण से मदद नहीं मिल सकी. नई सरकार की ओर से सहायता का हाथ बढ़ाए जाने पर उन्हें खुशी है. हालांकि, उनका कहना है कि अभी तक उन्हें आधिकारिक पत्र नहीं मिला है, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार की ओर से कितनी आर्थिक सहायता दी जाएगी. सुरजीत ने कहा कि एक स्तर के बाद खेल जारी रखने का खर्च काफी बढ़ जाता है और सामान्य परिवार के लिए लंबे समय तक यह खर्च उठाना कठिन हो जाता है. उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार की मदद से आकांक्षा को अपने खेल करियर में आगे बढ़ने में काफी सुविधा होगी. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को राज्य के सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की इसी तरह मदद करनी चाहिए,क्योंकि यही खिलाड़ी आगे चलकर बंगाल का नाम रोशन करेंगे. 17 वर्षीय आकांक्षा फिलहाल अंडर-18 वर्ग में राज्य चैंपियन हैं. राष्ट्रीय स्तर की आयु वर्ग की टेनिस प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने सिंगल्स और डबल्स में कई सफलताएं हासिल की हैं. हाल ही में उन्होंने अपना पहला डब्ल्यूटीए अंक भी हासिल किया है. पिछले दो वर्षों से वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं. आकांक्षा के कुछ दिनों बाद दक्षिण कोरिया में आयोजित होने वाली एक टेनिस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की उम्मीद है.

देश पहले, दलीय अनुशासन सर्वोपरि : अग्निमित्रा पाल

कोलकाताः राज्य की शहरी विकास मंत्री एवं आसनसोल दक्षिण की विधायक अग्निमित्रा पॉल ने मंगलवार को आयोजित 'मुखो-मुखी' जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय रखी. पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए नेशन फर्स्ट सर्वोच्च सिद्धांत है और पार्टी का हर निर्णय शीर्ष नेतृत्व के निर्देश एवं देशहित को ध्यान में रखकर लिया जाता है. उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भारत माता का सम्मान करना चाहिए. जिस तरह हम अपनी मां का आदर करते हैं, उसी तरह भारत माता का भी सम्मान करना हमारा कर्तव्य है. यदि किसी को भारत का सम्मान करने में समस्या है तो वह अपने पसंद के देश में जा सकता है. अग्निमित्रा पॉल ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरे दलों में झंडे जलाने और राजनीतिक हिंसा की संस्कृति हो सकती है, लेकिन भाजपा ऐसी संस्कृति में विश्वास नहीं करती. उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी अन्य दल का झंडा जलाने जैसी गतिविधियों से दूर रहें. हाल ही में भाजपा में कुछ नए चेहरों के शामिल होने की अटकलों पर कहा कि अभी किसी तरह की अटकलें लगाना उचित नहीं है. यदि भविष्य में कोई व्यक्ति पार्टी में शामिल होता है तो वह शीर्ष नेतृत्व के निर्णय के आधार पर होगा. उन्होंने कहा कि भाजपा एक अनुशासित पार्टी है और यहां व्यक्तिगत राय से अधिक पार्टी का निर्णय महत्वपूर्ण होता है. यदि शीर्ष नेतृत्व देशहित में कोई फैसला लेता है तो सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि उसका सम्मान करें. सायनी घोष के विवादित कृत्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिवलिंग पर कंडोम चढ़ाने जैसी घटनाएं हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करती हैं और स्वाभाविक रूप से भाजपा कार्यकर्ताओं को भी इससे पीड़ा होती है. हालांकि उन्होंने दोहराया कि पार्टी का हर निर्णय देशहित और संगठन के अनुशासन के अनुरूप ही होगा. राष्ट्रीय शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पेपर लीक जैसे मामलों में जवाबदेही दिखाई है. उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा सरकार जवाबदेही में विश्वास करती है. वहीं उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शिक्षक भर्ती और अन्य घोटालों के बावजूद राज्य सरकार ने कभी नैतिक जिम्मेदारी नहीं ली. मुखो-मुखी कार्यक्रम को लेकर अग्निमित्रा पॉल ने बताया कि लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और बड़ी संख्या में शिकायतें तथा सुझाव प्राप्त हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि फिलहाल यह कार्यक्रम सप्ताह में तीन दिन चलाया जा रहा है. इसके साथ ही प्रत्येक नगर निगम एवं शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक ग्रीवेंस सेल संचालित किया जाएगा, जहां नागरिकों की शिकायतें सुनी जाएंगी और उनका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन